मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	33.0	27.8
जमशेदपुर	37.7	25.8
डालटनगंज	35.6	26.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, बुधवार 31 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 2, अंक : 113 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

चक्रधरपुर:राजखरसावां-बड़ाबाम्बो रेलवे स्टेशन के बीच हादसा

हावड़ा-मुंबई मेल बेपटरी दो की मौत, 23 घायल

शंभु कुमार। चक्रधरपुर

चक्रधरपुर रेल मंडल के राजखरसावां-बड़ाबाम्बो स्टेशन के बीच मंगलवार सुबह 3.45 बजे हावड़ा से मुंबई जा रही 12810 सीएसएमटी मेल बेपटरी हो गई. इस हादसे में ट्रेन के इंजन व 18 बोगी पटरी से उतर गये. सबसे ज्यादा क्षति एसी कोच को पहुंची. इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हुई है व आठ यात्री घायल हुए हैं. घायल 23 यात्रियों का चक्रधरपुर के रेलवे अस्पताल में इलाज चल रहा है. दुर्घटना में मृत यात्री अजीत कुमार समाल और पी विकास राव बी-4 कोच के शौचालय के पास बैठे थे. ये जमशेदपुर से राउरकेला जा रहे थे.

रिलीफ ट्रेन व एंबुलेंस मौके पर पहुंचे : दुर्घटना के बाद चक्रधरपुर से रिलीफ ट्रेन व कई एम्बुलेंस मौके पर पहुंच गए. फिर घायलों को चक्रधरपुर के रेलवे अस्पताल लाया गया. वहीं ट्रेन के यात्रियों को दूसरी ट्रेन से गंतव्यों पर भेजा गया. घटना को लेकर दक्षिण पूर्व रेलवे के जीएम अनिल कुमार मिश्रा के अलावे अन्य वरीय अधिकारी और जिले के डीसी-एसपी व अन्य अफसर मौके पहुंचे गए. झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता, मंत्री दीपक बिरुवा, विधायक दशरथ गागराई भी मौके पर पहुंचे और जानकारी ली. रेलवे के कर्मियों द्वारा ट्रैक से बोगियों को हटाने, टूटे ओएचई तार को ठीक करने व ट्रैक मरम्मत का कार्य जारी है.

एनडीआरएफ ने मोर्चा संभाला : हादसा होने के बाद एनडीआरएफ के जवानों ने घायलों को बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया. जिला प्रशासन की ओर से जेसीबी से बेपटरी डिब्बों को ट्रैक से हटाकर लाइन को क्लियर किया जा रहा है. कोई दुर्घटना न हो इसको लेकर काफी संख्या में मौके पर फोर्स की भी तैनाती की गई है. जिले के डीसी रवि शंकर शुक्ला व एसपी मुकेश लुणायत व कई अधिकारी मौजूद थे.

रेलवे ने जारी किया हेल्प लाइन नंबर: हादसे के बाद रेलवे ने हेल्प लाइन नंबर जारी किया है. चक्रधरपुर स्टेशन के लिए 06587-238072 (72770), टाटानगर 0657-2290324 के लिए (रेलवे 735223), राउरकेला के लिए 0661-2501072, 0661-2500191, 0661-2500171 के लिए हेल्प लाइन नंबर जारी किया गया है. रांची हेल्प लाइन डेस्क नंबर-0651-27-87115 पर कॉल कर पता किया जा सकता है. बड़ाबांबो स्टेशन पर भी हेल्प डेस्क बना दिया गया है. जहां से यात्री के बारे पता कर सकता हैं.

कैसे हुआ हादसा

बताया जाता है कि एनजेवीसीटी नामक मालगाड़ी रायपुर से टाटानगर जा रही थी. इसी बीच चक्रधरपुर रेल मंडल के बड़ाबाम्बो रेलवे स्टेशन के पास 3 बजकर 39 मिनट पर मालगाड़ी की 20वें नम्बर की बोगी ट्रैक से उतर गई. इससे हावड़ा से मुंबई की ओर जा रही सीएसएमटी मेल से जा टकराई, इससे मालगाड़ी के दो डिब्बों के साथ-साथ हावड़ा-मुंबई मेल की इंजन व 18 बोगियां ट्रैक से नीचे उतर गईं. दुर्घटना कितनी भयावह थी इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ट्रेन के कई डिब्बे एक-दूसरे के ऊपर चढ़ गए. काफी गति तेज होने के कारण बीच से मुड़ गए थे. कई डिब्बे आपस में बुरी तरह से सट चुके थे.

आम लोगों की लाइफ लाइन रेल का हाल सभी देख रहे : हेमंत

सीएम हेमंत सोरेन ने हादसे पर कहा कि रेल मंत्रालय कहता कुछ है, दावा कुछ करता है, हकीकत कुछ और होती है. रेलवे मिडिल, लोअर मिडिल क्लास, गरीब, मजदूरों की लाइफ लाइन है. मगर लाइफ लाइन का क्या हाल है देश देख रहा है. हादसा वाकई में दुखदाई है. मैं मृत लोगों के प्रति गहरी संवदेना प्रकट करते हुए उनके परिजनों को दुख सहने की शक्ति देने की कामना करता हूं. राज्य की ओर से मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की गई है. देखते हैं हम आगे और क्या कर सकते हैं. हमारे दो मंत्री और अफसर घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं, और सभी चीजों पर नजर बनाए हुए हैं.

केरल के वायनाड में जल प्रलय, भारी तबाही

125 लोग मरे, सैकड़ों दबे

एजेंसी। वायनाड (केरल)

केरल के वायनाड जिले में मंगलवार तड़के कई जगहों पर भारी बारिश से आए जल प्रलय से हुईं भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 125 लोगों की मौत हो गई तथा सैकड़ों लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है. हालांकि सरकार ने अब तक इस हादसे में 93 लोगों के मरने और 116 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है. लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो मृतक संख्या 116 से अधिक है. घायलों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है.

जल प्रलय के चलते भूस्खलन की घटनाएं मंगलवार तड़के हुईं, जिससे घरों में सो रहे लोगों को बचने का मौका भी नहीं मिल पाया. बचाव के लिए सेना की कई टुकड़ियां युद्धस्तर पर मलबे से लोगों का निकालने में जुटी हैं. डीएम मेघाश्री डीआर के अनुसार, चूरलमाला में भूस्खलन में 56 लोगों की मौत हुई है. इसके अलावा, चेलियार नदी में बहे 15 लोगों के शव मलप्पुरम में बरामद किए गए. मृतकों के शवों को पहचान तथा पोस्टमार्टम के लिए अस्पतालों के मुर्दाघरों में भेजा जा रहा है. मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांव में भूस्खलन हुआ हैं. बचाव दल मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए लगातार काम कर रहे हैं.

लोग कर रहे मदद की गुहार : सैकड़ों लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है. भूस्खलन से तबाह हुए मकानों और मलबे के ढेर के नीचे फंसे होने के बाद लोग फोन कर मदद की गुहार लगाते रहे. सड़कों के जलमग्न होने से उनके पास निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा है.

सरकार कर रही है हरसंभव मदद: लैंडस्लाइड मामले को लेकर संसद में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि केंद्र सरकार इस आपदा से पीड़ित लोगों के लिए हरसंभव मदद कर रही है. उन्होंने कहा कि बचाव और तलाशी अभियान के लिए एनडीआरएफ की दो टीमें, सेना की दो टुकड़ियां और वायुसेना के दो हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं. उन्होंने कहा कि वायनाड की त्रासदी केरल के लिए ही नहीं पूरे देश के लिए बड़ी त्रासदी है.

-पेज 12 भी देखें

आज वायनाड का दौरा करेंगे राहुल गांधी

वायनाड से सांसद रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को प्रभावित इलाके का दौरा करेंगे. उन्होंने लोकसभा में सरकार से युद्धस्तर पर राहत बचाव चलाने के साथ-साथ बढ़ी मुआवजा राशि देने की मांग की है. सरकार की ओर से मृतकों के लिए दो-दो लाख और घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए के मुआवजे की घोषणा की गई है. संसद में सभी सदस्यों ने वायनाड के हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की है. राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा, केरल की त्रासदी देश की त्रासदी है. सरकार लोगों को बचाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी. लोकसभा में राहुल गांधी ने वायनाड में हुए भूस्खलन पर कहा, वायनाड कई विनाशकारी भूस्खलन की चपेट में आया. 1116 से ज्यादा लोग मारे गए हैं. मुंडक्कई गांव का संपर्क टूट गया है और त्रासदी की वजह जानमाल की विनाशकारी हानि और व्यापक क्षति का आकलन अभी तक नहीं किया जा सका है. मैंने रक्षा मंत्री और केरल के सीएम से बात की है. मैं केंद्र से बचाव और चिकित्सा देखभाल के लिए मदद देने, मृतकों को मुआवजा तुरंत जारी करने का अनुरोध करता हूं. सबसे जरूरी परिवहन और संचार लाइनों को बहाल करना है.

पीएम खुद रख रहे नजर

पीएम मोदी ने भूस्खलन की घटनाओं में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और सीएम पिनराई विजयन को संकट से निपटने के लिए केंद्र से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है. मोदी ने कहा, वायनाड में कुछ जगहों पर भूस्खलन की खबर से व्यथित हूं. उन सभी लोगों के साथ हूं, जिन्होंने अपने प्रियजन को खोया है और जो घायल हुए हैं, मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं. प्रभावित लोगों की मदद के लिए बचाव अभियान जारी है. मोदी ने कहा, केरल के सीएम पी. विजयन से बात की और वहां उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर केंद्र से हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया है.

केरल में दो दिन का शोक

केरल में राज्य सरकार ने आधिकारिक रूप से दो दिवसीय शोक की घोषणा की है. मंगलवार और बुधवार को शोक रहेगा. राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा. राज्य सरकार के आधिकारिक कार्यक्रम और समारोह आज और कल स्थगित कर दिए गए हैं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	64,500
चांदी (किलो)	85,000

शूटिंग में मनु भाकर का ऐतिहासिक डबल

पेरिस। भारतीय जोड़ी मनु भाकर और सरबजोत सिंह ने पेरिस ओलिंपिक में मंगलवार को इतिहास रच दिया है. मनु और सरबजोत ने शूटिंग के 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता. भारत के शूटरों ने ली वोन्हो और ओह ये जिन की कोरियाई जोड़ी को हराया. इससे पहले रविवार को मनु भाकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद ओलिंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनी थी, जबकि अब वह एक ही ओलिंपिक में दो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं.

-पेज 12 भी देखें

नॉन टैक्स पेयर को फ्री में देंगे बालू: सीएम

- हेमंत का एक और मास्टर स्ट्रोक, सदन में सरकार की फजीहत के बाद मुख्यमंत्री ने सदन में खड़े होकर की घोषणा

विशेष संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेंमत सोरेन आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए मंगलवार को एक और बड़ा मास्टर स्ट्रोक मारा है. सदन में सरकार की बालू पर हुई फजीहत के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने घोषणा कर दी कि सरकार बालू को लेकर एक बड़ा निर्णय लेने जा रही है. सरकार अब नॉन टैक्स पेयर को बालू फ्री में देगी.

हेमंत की इस घोषणा से राज्य में निर्माण करा रहे अबुआ आवास योजना के लाभुकों समेत करोड़ों लोगों का सीधा फायदा होगा. जो अपना आशियाना बनाना चाहते हैं, और मंहगी दर पर बालू खरीदने को विवश हैं. मगर इसका मैक्निजम क्या होगा. इसको लेकर कोई घोषणा नहीं हुई है. अब सरकार जल्द ही इससे जुड़े प्रस्ताव को तैयार करके इसे कैबिनेट की मंजूरी प्रदान करेगी.

इससे पूर्व बालू मामले पर सदन में सरकार की जम कर फजीहत हुई. भाजपा विधायक भानु प्रताप शाही और सीपी सिंह ने सरकार को सीधे तौर पर घेरा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ही कटघरे पर खड़ा किया. भानु ने बालू पर मुख्य मंत्री को घेरते हुए कहा कि यह सरकार बालू से तेल निकाल रही है और पुलिस चोर-डकैत पकड़ना छोड़ बालू पकड़ रही है. बालू से तेल निकालना जा रहा है. वहीं विधायक सीपी सिंह ने कहा कि जब-जब हेमंत सोरेन आते हैं, बालू ही गायब हो जाती है. सरकार की हुई फजीहत के बाद खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सदन में उठे और भाजपा विधायकों की अनुपस्थिति में बड़ी घोषणा कर दी.

आदिवासी क्यों घट रहे ?

भानु-अनंत ओझा ने कहा : बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण
नेहा शिल्पी ने कहा : बाहरी आबादी के बसने के कारण

बांग्लादेशी घुसपैठ से घट रही राज्य में आदिवासियों की जनसंख्या : भाजपा

सदन के दूसरे सत्र में जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई. बांग्लादेशी घुसपैठ और आदिवासियों की घटती जनसंख्या पर जम कर बवाल और तीखी बहस हुई. सदन में कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए भाजपा विधायक अनंत ओझा ने कहा कि पूरे संथाल परगना में बांग्लोदशी घुसपैठ के कारण लगातार आदिवासियों की संख्या घट रही है. इसलिए यह सरकार आदिवासी-मूलवासियों के नाम पर ढोंग कर रही है. सरकार ने खुद अपने जवाब में स्वीकार किया है कि चार बांग्लादेशी पकड़े गए. बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण आदिवासियों का हक छीना जा रहा है, जमीन छीनी जा रही है. सरकार उन्हें हर तरह की सुविधा दे रही है. वहीं भाजपा विधायक भुान प्रताप शाही ने कहा कि मैं भी आदिवासी हूं, मूलवासी हूं. चाहे सरकार मेरा डीएनए टेस्ट करा ले. भानु प्रताप शाही ने कहा कि यह आदिवासी मूलवासी की सरकार नहीं है. अगर आदिवासी मूलवासी की सरकार रहती, तो आदिवासी मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और मूलवासी मंत्री बादल पत्र लेख को यह सरकार नहीं हटाती बादल पत्र लेख को हटा कर इरफान अंसारी को बनाना ही साबित करता है कि यह सरकार बांग्लादेशी घुसपैठ को समर्थन करती है. बांग्लोदशी घुसपैठ के कारण संथाल से यहां तक कि पूरे झारखंड से आदिवासियों की संख्या घट रही है.

बाहरियों के बस जाने व आदिवासी विरोधी नीतियों से घट रहे आदिवासी

कांग्रेस विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने भाजपा के आरोपों का जोरदार तरीके से जवाब दिया. उन्होंने कहा कि घुसपैठ के कारण नहीं बल्कि आदिवासी जमीन पर बाहरियों के बसने के कारण आदिवासियो की संख्या घट रही है. वे स्वीकार करती हैं कि आदिवासियों की संख्या तेजी से घट रही है. मगर इसके कारण कुछ और ही हैं. राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, फिर अर्जुन मुंडा ने बरही से बहरागोड़ा तक इकोनॉमिक जोन बनाने की तैयारी की थी. मगर आदिवासियों के जबरदस्त विरोध के यह नहीं बना. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रघुवर दास के समय लैड बैंक बनाकर 31 लाख हेक्टयर जमीन उसमें जमा कराई गई. यह किसकी जमीन थी. यह सारे आदिवासी-मूलवासियों की जमीन थी. पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी और रघुवर दास ने आदिवासियों की जमीन का सुरक्षा कवच सीएनटी-एसपीटी एक्ट में संशोधन करने का विफल प्रयास किया.यह क्यों किया जा रहा था, केवल और केवल आदिवासी जमीन लूट कर बाहरी कंपनियों, औद्योगिक इकाइयों को देने के लिए. यह अगर हो जाता, तो हमारे रांची से आदिवासी गायब ही जाते. इसलिए आदिवासी की संख्या कमी के बारे में इन्हें बोलने का कोई हक नहीं है.

नरसिंह इस्पात की जमीन की नापी करवा रही समिति

- उपायुक्त ने गठित की थी चार सदस्यीय जांच समिति
- ग्रामीणों ने कहा- नहीं हो खानापूर्ति

दिलीप कुमार। चांडिल

सरायकेला-खरसावां जिला के डीसी रविशंकर शुक्ल द्वारा गठित समिति मंगलवार को दूसरे दिन भी खूंटी स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी की जांच कर रही है. चार सदस्यीय टीम ने सोमवार को नरसिंह इस्पात की जमीन संबंधी मामलों की जांच शुरू की थी. जांच समिति में जिले के अपर उपायुक्त संजय कुमार दास, चांडिल के भूमि सुधार उपसमाहर्ता विकास कुमार राय, उद्योग महाप्रबंधक रविशंकर प्रसाद और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुमार ठाकुर शामिल हैं.

जांच के पहले दिन जमीन संबंधी आरोपों की सत्यता जानने के लिए जमीन की नापी शुरू करायी गयी थी, जो मंगलवार को भी जारी रही. मंगलवार को समिति का कोई सदस्य कंपनी नहीं पहुंचा था. कंपनी के अंदर सीओ की देखरेख में अमीन कंपनी की जमीन की नापी कर रहे थे. इस संबंध में अपर उपायुक्त संजय दास ने बताया कि जांच के पहले दिन जमीन संबंधी जांच शुरू की गई. सीओ अमीन प्लॉट वाइज जमीन की नापी कर रहे हैं. नापी का काम पूरा होने के बाद खतियान के साथ सभी प्लॉटों का मिलान होगा. इसके बाद जमीन संबंधी जांच रिपोर्ट डीसी को सौंपी जाएगी.

विदित हो कि चौका-कांड्रा सड़क पर खूंटी स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी द्वारा सरकारी जमीन के अतिक्रमण करने की पुष्टि सरकार के राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग ने किया है. ईचागढ़ के तत्कालीन विधायक दिवंगत साधुचरण महतो के 19 फरवरी 2016 को विधानसभा सत्र के दौरान पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या रा. 12 के जबाव में सरकार के संयुक्त सचिव की रिपोर्ट पर राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री ने उत्तर देते हुए सदन को बताया था कि नरसिंह इस्पात द्वारा मौजा खूंटी, थाना नंबर 175, खाता नंबर 506, प्लॉट नंबर 2642, 2645 और 2668 में रकवा क्रमशः 0.26, 0.23 और 0.06 एकड़ सरकारी भूमि का अतिक्रमण किया है. कंपनी पर बगैर हस्तांतरण के सरकारी भूमि पर अतिक्रमण करने के अलावा कई गंभीर आरोप है.

समिति को 16 जुलाई को ही सौंपनी थी रिपोर्ट

बता दें कि हिंदी दैनिक शुभम संदेश में नरसिंह इस्पात पर छपी खबर के बाद डीसी ने कंपनी पर लगे आरोपों की जांच के लिए चार सदस्यीय समिति का गठन किया था. डीसी रविशंकर शुक्ला ने कंपनी के मामले में 12 जुलाई को जांच समिति का गठन कर जांच करने का आदेश जारी किया था. जारी आदेश पत्र में कहा गया है कि खूंटी के पास स्थित नरसिंह इस्पात कंपनी द्वारा सरकारी, वन भूमि पर अवैध कब्जा करने संबंधी शिकायत मिली है. उक्त मामले में जांच कर प्रतिवेदन सौंपने के लिए जांच समिति का गठन किया जाता है. जांच समिति को 16 जुलाई तक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था. किसी कारण जांच नहीं होने पर दूसरी तिथि 24 जुलाई निर्धारित की गई थी. इस तिथि को भी किसी कारणवश जांच नहीं हो सकी थी. इसके बाद समिति ने सोमवार को कंपनी पर लगे आरोपों की जांच शुरू की. उपायुक्त द्वारा जांच समिति का गठन कर कंपनी के जमीन समेत अन्य मामलों की जांच शुरू कराए जाने के बाद ग्रामीणों में खुशी की लहर है. ग्रामीणों की मांग है कि जांच समिति के पदाधिकारी मामलों के जांच के क्रम में उनसे भी मिलें और उनकी बातों को भी सुनें. ग्राम सभा की मांग है कि इन सरकारी प्लॉटों की भी मापी करवाएं और सच्चाई ग्रामीणों के समक्ष रखें. ग्रामीणों ने कहा कि कंपनी पर जांच के नाम पर मात्र खानापूर्ति नहीं की जाए. ग्राम सभा और जिला परिषद सदस्य समेत अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने कंपनी प्रबंधन पर सिंचाई कैनाल से पानी चोरी करने का गंभीर आरोप लगाया है.

लोस में जाति जनगणना पर पूछ ली नेता प्रतिपक्ष की जाति, हंगामा

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच मंगलवार को लोकसभा तीखी नोकझोंक हुई. दरअसल, बजट पर चर्चा के दौरान अनुराग ठाकुर ने सदन में कहा, जिसकी जात का पता नहीं, वो गणना की बात करता है. उनके इतना बोलते ही सदन में जोरदार हंगामा शुरू हो गया. अनुराग ठाकुर भाषण के तुरंत बाद ही राहुल गांधी खड़े हो गए. राहुल ने कहा, जितना आप मेरा अपमान करना चाहते हैं, आप खुशी से रोज करिए, मगर एक बात मत भूलिए जाति जनगणना को हम यहां पास करके दिखाएंगे. वहीं, अखिलेश यादव ने कहा कि पूर्व मंत्री हैं, बड़े दल के नेता हैं. शकुनी, दुर्योधन तक ये ले आए, लेकिन आप जाति कैसे पूछ सकते हैं. जाति नहीं पूछ सकते हैं.

जिनकी जाति का पता नहीं, वो जाति गणना की बात करते हैं

एजेंसी। नयी दिल्ली

बजट पर लोकसभा चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार राहुल गांधी के भाषण पर जम कर पलटवार किया. राहुल गांधी ने बजट हलवा से सरकार पर निशाना साधा था और यह कहा था कि इसमें कोई दलित अधिकारी नहीं.

इस पर तंज कसते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल जी हलवा मीठा था या फीका. कुछ लोग ओबीसी की बात करते हैं, इनके लिए ओबीसी का मतलब है ओनली फॉर ब्रदर इन लॉ कमीशन. अनुराग ठाकुर ने राहुल के एक-एक आरोप का जवाब दिया.

-शेषपेज 7 पर

पीठासीन अध्यक्ष ने सदन में दी व्यवस्था

सदन में पीठासीन अधिकारी के तौर पर आसन पर मौजूद जगदंबिका पाल ने व्यवस्था दी कि कोई भी व्यक्ति किसी की जाति नहीं पूछ सकता. उन्होंने कहा कि वह रिकार्ड देख लेंगे, जरूरत पड़ी तो इसे रिकार्ड से हटवा देंगे. इस पर राहुल ने कहा, मुझे कोई ऐतराज नहीं है. मैं गाली खाकर खुश हूं, मुझे कुछ भी बुरा नहीं लगा है.

आप मुझे गाली दें, मुझे परवाह नहीं, आप माफी भी मत मांगिए

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अनुराग ठाकुर जाति जनगणना के मुद्दे पर भिड़ गए. इस दौरान राहुल गांधी ने आरोप लगाया, ठाकुर ने मुझे गाली दी, मेरी बेइज्जती की. लेकिन मुझे इनसे माफी भी नहीं चाहिए. दरअसल, अनुराग ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि, उन्हें पता होना चाहिए कि एलओपी का फुल फॉर्म लीडर ऑफ अपोजिशन होता है, लीडर ऑफ प्रोपेगैंडा नहीं. अनुराग के ऐसा बोलते ही हंगामा होने लगा. इसी दौरान राहुल गांधी फिर से अपनी सीट से खड़े हुए और अनुराग ठाकुर पर जवाबी हमला बोला.

-शेष पेज 7 पर

आपने आखिर जाति कैसे पूछ लीः अखिलेश

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी कूद पड़े. अखिलेश ने सभापति से कहा- वो (अनुराग ठाकुर) मंत्री रहे हैं. बड़े नेता हैं. बड़ी बात कर रहे थे. दुर्योधन शकुनी तक ले आए. आप जाति कैसे पूछ सकते हैं. तुम पूछ के दिखाओ जाति. कैसे पूछ दी जाति? अखिलेश ने कहा कि आप जाति नहीं पूछ सकते.

झारखंड विधानसभा में गूंजा रोजगार का मुद्दा

रांची । झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को सत्र शुरू होने से पहले भाजपा विधायकों ने रोजगार मुद्दे को लेकर सदन के बाहर बैनर-तख्ती लेकर प्रदर्शन किया. साथ ही सदन के अंदर भी रोजगार मुद्दे को लेकर हंगामा किया. भाजपा विधायकों ने हेमंत सोरेन सरकार को पांच लाख युवाओं को नौकरी देने के वादे को लेकर घेरा. भाजपा विधायकों ने कहा कि हेमंत सोरेन ने चुनावी भाषण में कहा था कि पांच लाख नौकरी देंगे. साढ़े चार हो गये, इस वादे का क्या हुआ. आंगनबाड़ी सेविका सहाय के रसोइयां परमानेंट क्यों नहीं हुए, इसका जवाब हेमंत सोरेन दें.

झामुमो के प्रवक्ता की तरह कार्य कर रहे विधानसभा अध्यक्षः बाउरी

प्रमुख संवाददाता । रांची

झारखंड विधानसभा के तीसरे कार्यदिवस के दिन नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने विधानसभा अध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगाये कहा कि कि वे अध्यक्ष सरकार के प्रवक्ता के रूप में सदन में कार्य कर रहे हैं. और विपक्ष की आवाज़ को दबाने के काम कर रहे हैं. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आज पूरा देश सुन रहा है, लेकिन झारखंड के नेता प्रतिपक्ष को बोलने नही दिया जा रहा, हमारे माइक को बंद कर दिया जाता है. उन्होंने अध्यक्ष पर हाईकोर्ट के आदेश, गाइड लाइन की अवमानना करने का भी आरोप लगाया. हाईकोर्ट ने बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में सरकार को बांग्लादेशियों को चिन्हित कर इसकी जवाबदेही तय करने की बात कही है, लेकिन सदन के अंदर अध्यक्ष कहते हैं कि झारखंड में कोई घुसपैठ नहीं हो रही है.

नियुक्ति में एसटी और ओबीसी में आरक्षण नहीं दिया : उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि हाल में ही चौकीदार और वनरक्षी की नियुक्ति में अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग में आरक्षण नहीं दिया गया. सरकार से उन्होंने पूछा कि किस आधार पर झारखंड में अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को समाप्त किया गया, इसका जवाब सदन के अंदर कांग्रेस नेता एवं मुख्यमंत्री दें.

सीएम की जमानत पर सत्ता पक्ष व विपक्ष आमने-सामने

मॉनसून सत्र : जमकर हुई नारेबाजी, स्पीकर को 11-30 बजे से दोपहर 12-30 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी

- सत्ता पक्ष ने कहा, साजिश के तहत हेमंत को फंसाया, समय बर्बाद हुआ
- विपक्ष ने कहा, हेमंत सोरेन को जमानत मिला है, बाइज्जत बरी नहीं हुए

प्रमुख संवाददाता । रांची

झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र के तीसरे दिन की पहली पाली भी हंगामेंदार रही. हंगामे के कारण स्पीकर को 11-30 बजे से दोपहर 12-30 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी. सुबह 11-08 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के आदेश से यह साबित हो गया कि सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी ने गलत केस दर्ज किया. यह पूरी तरह से साजिश थी. भाजपा विधायक बाबूलाल मरांडी और गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने पहले ही बोल दिया था कि हेमंत सोरेन और उनका पूरा परिवार जेल जाएगा. इन लोगों ने हेमंत सोरेन के खिलाफ साजिश की. इस पर भाजपा के नेता कान पकड़ कर माफी मांगें. वहीं विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि भाजपा के ऑपरेशन लोटस के नए स्वरूप का सामना करना पड़ा. पांच माह में जो कल्याणकारी योजनाएं बाधित हुईं, उसकी जवाबदेही कौन लेगा. भाजपा को राज्य की जनता से माफी मांगनी चाहिए. इस बीच नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन को न्यायालय से जमानत मिली है. उनको बाइज्जत बरी नहीं किया गया है. इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने सामने हो गए और वेल में चले गए. दोनों ओर से एक-दूसरे खिलाफ जमकर नारेबारी हुई. इसके बाद स्पीकर ने सदन की कार्यवाही 12-30 बजे तक के लिए स्थगित कर दी.

12-30 में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही बीजेपी विधायक वेल में घुसे : दोपहर 12-30 में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायक वेल में घुस गए. इस बीच शून्यकाल चलता रहा. बीजेपी विधायक वेल में नारेबाजी करते रहे. बीजेपी विधायकों ने आदिवासी विरोधी सरकार, बांग्लादेशी घुसपैठ बंद करो, मुस्लिम तुष्टीकरण नहीं चलेगा के नारे लगाए. हंगामें के बीच स्पीकर ने कहा कि 31 जुलाई को दूसरी पाली में भी ध्यानाकर्षण की सूचनाएं ली जाएंगी. इसके बाद स्पीकर ने दोपहर दो बजे तक के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी.

किताब वितरण पर तीखी बहस

नीलकंठ ने कहा-पुस्तक वितरण में हुआ घोटाला

- शिक्षा मंत्री ने कहा, गड़बड़ी का सवाल ही नहीं, एक सप्ताह में 100 परसेंट हो जाएगा किताबों का वितरण

प्रमुख संवाददाता । रांची

मंगलवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही नीलकंठ सिंह मुंडा ने सवाल उठाया कि बच्चों को अब तक किताबें नहीं मिली हैं. सेशन भी समाप्त हो रहा है. राज्य परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने दो जुलाई को चिट्ठी जारी किया था कि जिसमें कहा था कि किताब बीआरसी ब्लॉक में रख दिया गया है. अब टीचर को पुस्तक ले जाने को कहा जा रहा है. अब तक 42 लाख किताबें उपलब्ध नहीं कराई गई हैं. इसमें कहीं न कहीं वित्तीय अनियमितता या घोटाला हुआ है. इस पर शिक्षा मंत्री बैजनाथ राम ने कहा कि पुस्तक वितरण का काम आचार संहिता के कारण बाधित हुआ, एक सप्ताह में शत-प्रतिशत पुस्तक वितरण का काम पूरा हो जाएगा.

सदन को गुमराह कर रहे शिक्षा मंत्री : सीपी सिंह ने पुस्तक वितरण को लेकर कहा कि शिक्षा मंत्री सदन को गुमराह कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का आदेश बताएं. फिर कहा कि जो कार्य योजना चालू रहती है, उस पर चुनाव आयोग कोई रोक नहीं लगाता. नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि अब किताबों को जिला से स्कूल तक ले जाने के लिए कोई दर का निर्धारण ही नहीं हुआ है. सेशन भी खत्म हो रहा है. सरकार का न शिक्षक पर और न ही शिक्षा पर ध्यान है.

सरकारी नौकरी के विज्ञापन में एससी श्रेणी की सीट नहीं होने का मुद्दा : सदन में झामुमो विधायक मथुरा महतो ने कहा कि 24 साल बाद वन क्षेत्र पदाधिकारी के लिए वेकेंसी आई है. इस में अनुसूचित जाति के लिए एक भी सीट नहीं है. दलित छात्र इससे वंचित हो जाएंगे. वहीं विधायक केदार हाजरा ने भी सरकारी नौकरियों के विज्ञापन में एससी कैटगरी के लिए सीट नहीं होने का मुद्दा उठाया. सूचना के माध्यम से उन्होंने कहा कि सरकार को इसपर ध्यान देना चाहिए. नीलकंठ सिंह मुंडा ने भी केदार हाजरा के द्वारा उठाये गए मुद्दे पर सहमति जताई. जिसपर स्पीकर रबिन्द्रनाथ महतो ने संसदीय कार्य मंत्री रामेश्वर उरांव से कहा कि इस मुद्दे पर सरकार ध्यान दे. वहीं शून्य काल के दौरान विधायक विनोद कुमार सिंह ने पोषण सखियों को समायोजित करने की मांग की. सुनीता चौधरी ने भैरवा नदी के दोनों ओर नगर बनाने की मांग की. उमाशंकर अकेला ने रसोइया का मानदेय बढ़ाने की मांग की. लंबोदर महतो ने सहिया, पंचायत स्वयं सेवक संघ, मनरेगा कर्मियों के स्थायीकरण की मांग की.

सीएम हेमंत सोरेन से मिले रूहानी मर्कज के अध्यक्ष

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में मंगलवार को रूहानी मर्कज के अध्यक्ष सह पूर्व विधायक हसन रिजवी ने मुलाकात की. उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि रूहानी मर्कज, जमशेदपुर की ओर से 11 अगस्त को राज्यवासियों की सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली के लिए दरगाह अजमेर शरीफ में चादरपोशी और दुआएं-ए-खास का आयोजन किया जाएगा. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अजमेर शरीफ भेजी जाने वाली चादर-ए-मुबारक का अनावरण किया. मौके पर रिजवी ने मुख्यमंत्री को अजमेर शरीफ की टोपी तथा साफा पहनकर सम्मानित किया. इस अवसर पर विधायक मंगल कालिंदी, शोहदा-ए-कर्बला के महासचिव अब्बास अंसारी, झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता गुलरेज अख्तर सहित अन्य उपस्थित थे.

पत्नी कल्पना संग राज्यपाल से मिले सीएम, दी शुभकामनाएं

संवाददाता । रांची

- झारखंड से विदा हुए सीपी राधाकृष्णन, आज नए राज्यपाल गंगवार लेंगे शपथ

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गांडेय विधायक व अपनी पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन के साथ राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मंगलवार को राजभवन में मुलाकात की. मौके पर हेमंत सोरेन ने राज्यपाल राधाकृष्णन को सप्रेम पुष्पगुच्छ भेंट किया और उनके सुदीर्घ एवं स्वस्थ जीवन के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी. मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का स्नेह, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन झारखंडवासियों को सदैव मिलता रहेगा. मालूम हो कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन मंगलवार को झारखंड से विदा हो गए. उन्हें महाराष्ट्र के नये राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया है. वहीं झारखंड के नव नियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार बुधवार को राज्य के 12वें राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे. झारखंड हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद संतोष गंगवार को पद की शपथ दिलाएंगे. नव नियुक्त राज्यपाल मंगलवार की शाम रांची पहुंच गए.

सीओ ने 4 लाख रुपये लिया, काम भी नहीं किया

विनीत आभा उपाध्याय । रांची

चतरा जिले के प्रतापपुर अंचल के निवर्तमान सीओ नित्यानंद दास पर एक महिला ने गंभीर आरोप लगाये हैं, प्रतापपुर इलाके की रहने वाली महिला ने सीओ नित्यानंद दास पर जमीन म्यूटेशन को लेकर 4 लाख घूस लेने का आरोप लगाया है. आरोप लगाने वाली महिला ने एक वीडियो जारी किया है. उस वीडियो में बताया कि जब सीओ नित्यानंद दास का ट्रांसफर हजारीबाग के विष्णुगढ़ कर दिया गया, तो सीओ ने बहुत मुश्किल से रिश्वत के पैसे वापस करने की हामी भरी. मामला तूल पकड़ता देख खुद के खाते से 50 हजार भी ट्रांसफर किये. फिर 80 हजार कैश अंचल के कर्मचारी नारायण झा के जरिये उनके घर भेजा. जब सीओ ने कर्मचारी को पैसे देने भेजा, उस समय महिला और उसके घर वालों ने अपने मोबाइल से वीडियो बना लिया. यह वीडियो सोशल मिडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. हालांकि लगातार.इन इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है.

इस पूरे मामले पर निवर्तमान सीओ ने सफाई देते बताया कि महिला का आरोप निराधार है. यह वीडियो काफी पुराना है. वीडियो सामने आने के बाद चतरा जिले के एसडीओ इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं.

कर्मी पैसा देने आया तो पीड़ित ने बनाया वीडियो

पीएलवी का मानदेय बढ़ा कर 700 रुपये किया

संवाददाता । रांची

झारखंड में कार्यरत पारा लीगल वॉलेंटियर्स (पीएलवी) को अब 700 रुपये प्रतिदिन की दर से मानदेय मिलेगा. झारखंड हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस और झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की पहल पर इसकी स्वीकृति दे दी गई है. झारखंड में फिलहाल एक हजार से ज्यादा पीएलवी कार्यरत हैं. इससे पहले सभी पीएलवी को 500 रुपये प्रतिदिन की दर से मानदेय का भुगतान किया जाता था. झालसा के निर्देश के मुताबिक, प्रत्येक पीएलवी को महीने में न्यूनतम आठ दिन का कार्य देने का प्रावधान है.

बालू का वैध खनन बंद होने के कारण बढ़ गया है संकट

विशेष संवाददाता । रांची

भाजपा विधायक विरंची नारायण ने सदन में बालू संकट का मामला उठाया. उन्होंने कहा कि झारखंड में वर्तमान में झारखंड स्टेट सैंड माइनिंग पॉलिसी 2017 लागू है. जिसके तहत केटेगरी-1 में 235 बालू घाट और केटेगरी-2 में 444 बालू घाट हैं. जिसमें मात्र 44 बालू घाट ही वैध है जिसमें बालू का वैध खनन हो रहा है. शेष बालू घाटों में जेएसएमडीसी के माध्यम से टेंडर, माइनिंग प्लान की प्रक्रिया पूर्ण होने से इन बालू घाटों में वैध खनन बंद है जिसके कारण धड़ल्ले से बालू घाटो से अवैध खनन और भंडारण हो रहा है. उन्होंने मामले को उठाते हुए सरकार से मांग किया कि सरकार अनियमितता पर तत्काल राक लगाते हुए इसके अवैध खनन, भंडारण एवं परिवहन में शामिल व्यक्तियों एवं पदाधिकारियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करे.

छवि रंजन को जमानत देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

संवाददाता । रांची

जमीन घोटाला से जुड़े केस के आरोपी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन की डिफॉल्ट बेल पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुना दिया है. अदालत ने बेल देने से इनकार करते हुए उनकी याचिका खारिज कर दी. सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने छवि रंजन की डिफॉल्ट बेल पर सुनवाई की. छवि रंजन की ओर से वरीय अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल और अधिवक्ता अभिषेक चौधरी ने बहस की. रांची के पूर्व डीसी ने जिस केस में डिफॉल्ट बेल के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, वह चेशायर होम रोड स्थित भूखंड की खरीद-बिक्री में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा हुआ है.

झारखंड केवल 30 फीसदी कैदियों को सजा मिली है

जेलों में बंद 12397 कैदी अंडर ट्रायल

सौरभ सिंह । रांची

झारखंड की जेलों में 70 फीसदी यानि 12397 कैदी ऐसे हैं, जो अंडरट्रायल हैं यानी जिनका मुकदमा चल रहा है. केवल 30 फीसदी कैदियों को सजा मिली है, यानी वे कनविक्टेड इनमेट्स हैं. यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है. झारखंड में कुल 31 जेल हैं. जिनमें सेंट्रल जेल, 16 डिस्ट्रिक्ट जेल, हजारीबाग में एक ओपन जेल और सात सब-जेल हैं. इन जेलों में कुल 17718 कुल कैदी बंद हैं. इनमें से 12397 अंडर ट्रायल और 5321 सजायाफ्ता कैदी बंद हैं.

राज्य में 856 महिलाएं बंदी जेल में, एक भी महिला जेल नहीं

झारखंड में अब तक महिला कैदियों के लिए अलग से जेल नहीं बनाया गया है, जबकि पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल, बिहार में महिलाओं के लिए अलग से जेल है. झारखंड में कुल 868 महिला कैदी हैं. तमिलनाडु जैसे राज्य में 13 महिला जेल हैं, जिसमें 790 महिला कैदी को रखा गया है. केरल के चार महिला जेलों में 186 महिला बंदी हैं. राजस्थान में सात महिला जेल में 688 महिला बंदी हैं. बिहार में 2890 महिलाएं जेल में बंद हैं. बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, गुजरात जैसे राज्य में दो-दो महिला जेल हैं.

किस जेल में कितने कैदी अंडर ट्रायल व सजायाफ्ता

जेल	सजायाफ्ता	अंडर ट्रायल	जेल	सजायाफ्ता	अंडर ट्रायल
रांची	1340	1948	लातेहार	08	406
देवघर	124	319	लोहरदगा	28	240
दुमका	676	551	पाकुड़	27	271
जमशेदपुर	1045	756	साहिबगंज	27	252
हजारीबाग	1110	546	साकची	40	187
गिरिडीह	133	556	सरायकेला	11	392
पलामू	340	676	सिमडेगा	14	355
चाईबासा	73	813	बरही	00	06
चास	70	226	घाटशिला	07	175
चतरा	05	500	खूंटी	05	513
धनबाद	66	555	मधुपुर	27	136
गढ़वा	53	400	राजमहल	03	107
गोड्डा	08	323	रामगढ़	10	219
गुमला	38	443	तेनुघाट	18	155
जामताड़ा	01	140	ओपन जेल	05	66
कोडरमा	09	165	कुल 5321	12397	17718

क्लासिफाइड

तापमान
30.0° अधिकतम | 24.1° न्यूनतम

शुभम संदेश
एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in
रांची, बुधवार 31 जुलाई 2024 ● श्रावण कृष्ण पक्ष 10 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 113
आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ये कैसी विडंबना : पिता ने पूरी जिंदगी एसटी श्रेणी में रह कर गुजार दी, अब इनके बच्चे गैर आदिवासी बन कर रहे हैं संघर्ष

अपनी पहचान बचाने के लिए संघर्ष कर रहे पौने तीन लाख भुईंहर मुंडा

कौशल आनंद। रांची

झारखंड में कम से कम पौने तीन लाख की आबादी वाले भुईंहर मुंडा अपनी जाति की पहचान कायम रखने के लिए 24 साल से संघर्ष कर रहे हैं. ये लोग अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ते-लड़ते अब हताश हो चुके हैं, मगर अब भी हिम्मत नहीं हारी है. झारखंड में निवास करने वाले भुईंहरी मुंडा, मुंडा जनजाति की उपजाति हैं. मूलतः आदिवासी होने के बावजूद इन्हें पहले ओबीसी और बाद में सामान्य जाति की सूची में डाल दिया गया.

इसे विडंबना ही कहा जाए कि जिनके पिता ने पूरी जिंदगी आदिवासी श्रेणी में रह कर जीवनयापन और नौकरी की, उनके ही बच्चे राज्य गठन के बाद अचानक गैर आदिवासी हो गए. पिछले 24 सालों से जनजातीय पहचान नहीं मिलने के कारण भुईंहर मुंडा समाज के लोग आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ते जा रहे हैं. इस संबंध में एससी-एसटी कल्याण मंत्री दीपक बिरुवा, पूर्व विधायक बंधु तिर्की को भी अवगत कराया गया. बंधु ने टीआरआई के उपनिदेशक मोनिका रानी टूटी से बात की और पूरे मामले को गंभीरता से लेने को कहा है.

- राज्य गठन के पूर्व एसटी में आती थी मुंडा जनजाति का उपजाति भुईंहर मुंडा
- झारखंड बनने के बाद पहले ओबीसी और बाद में सामान्य जाति में डाल दिया

आदिवासी श्रेणी में शामिल करने की मांग करते भुईंहर मुंडा समुदाय के लोग.

एक सरकारी त्रुटि के कारण सामान्य जाति में चले गये : एक मामूली सरकारी त्रुटि के कारण भुईंहरी मुंडा एसटी से सामान्य जाति के श्रेणी में चले गए. खतियानी त्रुटि के कारण इस समुदाय को आज तक जनजातीय समाज का दर्जा नहीं मिल पाया है. जबकि एक पीढ़ी आदिवासी बन कर गुजार दिए. झारखंड में यह समाज गढ़वा, लातेहार, पलामू, गुमला जिले में है, जिनकी आबादी करीब पौने तीन लाख है. वर्ष 2000 से पहले इस समुदाय को आदिवासी का जाति प्रमाण पत्र दिया जा रहा था. परंतु राज्य गठन के बाद इन्हें 2018-2019 तक पिछड़ी जाति का प्रमाण दिया जाने लगे. इसके बाद इन्हें सामान्य श्रेणी-जनरल कैटेगरी में शामिल कर दिया गया. अब ये अपनी मूल जातीय पहचान से वंचित हो गए हैं.

पड़ोसी राज्य में जा कर बच्चे पा रहे एसटी का दर्जा : झारखंड के पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, ओड़िशा में भुईंहर मुंडा को जनजातीय श्रेणी में रखा गया है. इसलिए समाज के लोग पड़ोसी राज्य, विशेष कर छत्तीसगढ़ के रंका भंडरिया में वैवाहिक संबंध बनाते हैं. झारखंड के इस समुदाय की लड़कियां गैर आदिवासी बन कर पड़ोसी राज्य में विवाह करती हैं. वहां जाने के बाद वे आदिवासी बन जाती हैं और उनके बच्चे भी आदिवासी कहलाते हैं. वहीं पड़ोसी राज्य की लड़कियां, झारखंड में आदिवासी बन कर ब्याही जाती है और यहां आकर वे गैर आदिवासी बन जाती हैं.

जनजातीय शोध संस्थान ने भी माना- ये आदिवासी हैं

भुईंहर मुंडा समुदाय मूलतः मुंडा जनजाति की उपजाति हैं. इनका रहन सहन, खानपान, पहनावा व भाषा जनजातीय समुदाय से मिलता हैं. ये भुईंहर मुंडा हैं, परंतु खतियानी त्रुटि के कारण इनके खतियान में भुईंहर लिखा हुआ हैं. इसके कारण इन्हें अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में शामिल नहीं किया गया. वर्ष 2018 और 2023 में डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान कल्याण विभाग द्वारा इन पर शोध किया गया था. यह शोध डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी विवि के मानवशास्त्री डॉ. एसएम अब्बास ने किया था. शोध में स्पष्ट रूप से भुईंहर-भुईंहर मुंडा को आदिवासी ही बताया गया था.

टीआरआई के कारण 15 माह से लटका हुआ है मामला

भुईंहर मुंडा उपजाति को एसटी सूची में शामिल करने के लिए पहल शुरू हुई. टीआरआई के माध्यम से इस उपजाति पर हुए शोध पर सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा भुईंहर मुंडा-भुईंहर जाति को झारखंड की एसटी सूची में शामिल करने की अनुशंसा का समर्थन नहीं किया गया. रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया ने राज्य सरकार को पांच बिंदुओं पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा. सरकार ने इसकी जिम्मेवारी टीआरआई को सौंपी. पर 15 माह बीतने के बाद भी स्पष्टीकरण नहीं दिया गया. नतीजतन, भुईंहर मुंडा को एसटी सूची में शामिल करने का मामला अधर में लटक गया.

क्या कहते हैं भुईंहर मुंडा जनजाति के लोग

- सत्यप्रकाश हुरहुरिया बिहार सरकार में एसटी सूची से डीएसपी रहे. परंतु उनका बेटा प्राकृतिक हुरहुरिया अब गैर आदिवासी बन गया.
- बुधवा मुंडा एसटी थे. परंतु राज्य गठन के बाद बेटा सतीश मुंडा सामान्य जाति में आ गया. स्नातक तक उसका जाति प्रमाण पत्र नहीं बना.
- तिरिल टोप्पो एसटी कोटे से बैंक कर्मचारी रहे. परंतु अब उनका बेटा जातीय पहचान के लिए मोहताज हो गया है.
- अमृत टिटियो भी बैंक से सेवानिवृत हुए. उन्होंने एसटी सूची में रह कर नौकरी की, पर उनके बच्चे गैर आदिवासी हो गए.
- य प्रताप हुरहुरिया एसटी सूची में रहकर शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं, पर उनके बच्चों की पढ़ाई के लिए जाति प्रमाणपत्र नहीं बन रहा है.

ब्रीफ खबरें

45 करोड़ से बनेगा केतारी बागान का आरओबी

रांची। राजधानी रांची के चुटिया स्थित केतारी बागान में 45 करोड़ की लागत से आरओबी बनेगा. इसके लिए टेंडर जारी कर दिया गया है. यह आरोबी नामकुम रांची रेलवे स्टेशन के बीच केतारीबगान के पास होगा. इससे प्राक्कलन को पहले ही राज्य सरकार ने स्वीकृति दे दी थी. सात अगस्त तक टेंडर भरा जायेगा और सितंबर में टेंडर फाइनल कर दिया जायेगा.

स्थानीय युवकों को रिम्स के छात्रों ने पीटा

रांची। बरियातू थाना क्षेत्र में सोमवार की देर रात काफी हंगामा हुआ. यहां रिम्स के छात्रों पर स्थानीय युवकों की पिटाई कर दी. स्थानीय युवकों का आरोप है कि रिम्स के छात्र उनको खींचकर रिम्स कैंपस ले गये और उनकी जमकर पिटाई की. इधर घटना की सूचना मिलने पर सदर, कोतवाली और सिटी डीएसपी पुलिस की टीम के साथ मौके पर पहुंचे. उन्होंने दो घायल युवकों को अस्पताल में भर्ती कराया.

चक्रधरपुर मंडल में नौ जोड़ी ट्रेनें आज रद्द रहेंगी

रांची। चाईबासा के बड़ाबांबो में हावड़ा-सीएसटीएम (मुंबई) मेल के डिरेल होने की वजह से 31 जुलाई को नौ जोड़ी ट्रेनें रद्द रहेंगी. इनमें 08607/ 08608 हटिया-सांकी-हटिया पैसेंजर, 08617/ 08618 हटिया-सांकी-हटिया पैसेंजर, 13504/13503 हटिया-बर्द्धमान-हटिया मेमू, 18036/ 18035 हटिया-खड़गपुर- हटिया मेमू, बोकारो स्टील सिटी-रांची- बोकारो स्टील सिटी पैसेंजर, 08641/08642 आद्रा-बरकाकाना- आद्रा पैसेंजर, 18175/18176 हटिया-झारसुगोड़ा - हटिया एक्सप्रेस, 08195/08196 टाटा नगर-हटिया-टाटा नगर पैसेंजर, ट्रेन संख्या 18601/ 18602 टाटानगर-हटिया-टाटा नगर एक्सप्रेस और 08151/ 08152 टाटा नगर-बरकाकाना-टाटा नगर पैसेंजर ट्रेन शामिल हैं.

रांची के मार्केटिंग कांप्लेक्स, मॉल के बेसमेंट में चल रहीं दुकानें

क्या यहां भी कर रहे हादसे का इंतजार!

दिल्ली में पार्किंग एरिया (बेसमेंट) में बने लाइब्रेरी में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत की घटना के बाद देश भर में यह सवाल उठ खड़ा हुआ है कि हमारी इंफोर्समेंट एजेंसियां कर क्या रही हैं? आखिर कैसे थोड़े फायदे के लिए मार्केटिंग कांप्लेक्स, मॉल या घरों के बेसमेंट एरिया में दुकान, बाजार या कोचिंग सेंटर खोल दिया जाता है. हमने रांची के मार्केटिंग कांप्लेक्स, मॉल का जायजा लिया. यहां भी यही स्थिति है. किस बेसमेंट का इस्तेमाल लीगल है, किसका लीगल नहीं है, हमें नहीं पता. संभव है कई मामलों में नक्शा पास कराते वक्त ही उसके व्यवसायिक इस्तेमाल की बात हो, तो कई मामले में बेसमेंट का अवैध इस्तेमाल का हो रहा हो. हम सिर्फ हालात बता रहे हैं. नगर निगम व जिला प्रशासन को इसकी जांच जरुर करनी चाहिए. नहीं तो यही माना जायेगा कि हमें हादसे का इंतजार है...

इन कांप्लेक्स के बेसमेंट में हैं दुकानें

न्यूक्लियस मॉल

सर्कुलर रोड में जेल चौक के पास न्यूक्लियस मॉल है. इस मॉल के बेसमेंट में कपड़ों की दो दुकानें हैं. इसके अलावा स्मार्ट बाजार भी मॉल के बेसमेंट में ही हैं. साथ ही मॉल का कार्यालय भी नीचे के बेसमेंट में ही चलता है.

पैंटलून्स मॉल

पैंटलून्स मॉल डंगराटोली के पास स्थित है. इस मॉल के बेसमेंट में कपड़ों की दुकानों के अलावा एक रेस्टोरेंट है. बेसमेंट एरिया में ही सुविधा सुपर मार्केट का भी स्टोर संचालित होता है.

हरीओम टावर

हरीओम टावर के बेसमेंट में लगभग 20 दुकानें हैं. बेसमेंट में बनी दुकानों में मोबाइल फोन, क्रॉकरी और बर्तन के अलावा काया का पार्लर भी है.

आलोकापुरी कॉम्प्लेक्स

लालपुर चौक के पास बीआईटी एक्सटेंशन के सामने आलोकापुरी कॉम्प्लेक्स है. इसके बेसमेंट में एक मेडिकल दुकान, गैस एजेंसी संचालित होता है. एक दुकान किचन सामग्री की दुकान है. वहीं आधे बेसमेंट में पार्किंग की सुविधा है.

रिलायंस ट्रेंड्स : डंगराटोली चौक से कांटाटोली जाने के रास्ते में बहुमंजिला बाजार रिलायंस टेंड्स है. इस कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में एक बड़ा स्मार्ट बाजार है. जिसमें राशन के सामान बिकते हैं.

काली टावर : लालपुर चौक से प्लाजा चौक रोड के रास्ते में काली टावर. इसके बेसमेंट में राजस्थान शॉपी नामक सुपर मार्केट है. इसके अलावा कपड़े की दुकान और गिफ्ट सामग्री बिक्री के दुकानें हैं.

श्रीगोपाल कॉम्प्लेक्स : कचहरी रोड स्थित श्रीगोपाल कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में भी कई दुकानें हैं. एक ज्वेलरी की दुकान है. इसके अलावा एक गिफ्ट की दुकान है और एक केक की दुकान है

सिटी प्लाजा व होटल सेंट्रल प्वाइंट : मेन रोड स्थित सिटी प्लाजा कॉम्प्लेक्स के बेसमेंट में एक बर्तन की दुकान है, जबकि होटल सेंट्रल प्वाइंट के बेसमेंट में जूते-चप्पल की दो दुकानें हैं.

सरवती कॉम्प्लेक्स : डंगराटोली चौक के पास ही सरवती कॉम्प्लेक्स है. इसके बेसमेंट में भी दुकानें हैं. एक हार्डवेयर व एक शराब की दुकान का संचालन बेसमेंट में ही होता है.

एचईसी को टेक ओवर करने को झारखंड सरकार तैयार

केंद्र सरकार से बात करेंगे : हेमंत

संवाददाता। रांची

एचईसी की पांच यूनियनों का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को कृषि मंत्री दीपिका पांडेय सिंह और खिजरी विधायक राजेश कच्छप के साथ झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की. उन्होंने हेमंत सोरेन से मिल कर एचईसी की वर्तमान समस्या से अवगत कराया. प्रतिनिधियों ने कहा कि एचईसी झारखंड की शान है और इसे केंद्र सरकार ने बंदी के कगार पर ला दिया है. यहां पर काम करने वाले कर्मचारियों का 24 महीने से वेतन बकाया है. यूनियन के प्रतिनिधियों से सीएम ने कहा कि झारखंड सरकार एचईसी को टेक ओवर करने को तैयार है. वे दिल्ली जाकर केंद्र सरकार से एचईसी को झारखंड सरकार को देने की बात करेंगे.

सीएम को ज्ञापन सौंपता एचईसी यूनियन का प्रतिनिधिमंडल.

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा : प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन सौंपा और आग्रह किया कि जल्द से जल्द एचईसी के मुद्दे को लेकर ठोस कदम उठाएं, वरना यहां के कर्मी भूखे मर जायेंगे. सीएम से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में एचईसी श्रमिक संघ यूनियन के अध्यक्ष शनि सिंह, एचईसी लिमिटेड श्रमिक कर्मचारी यूनियन के महामंत्री प्रकाश कुमार, हटिया कामगार यूनियन के महामंत्री एमपी रामचंद्रन, जनता मजदूर यूनियन के महामंत्री एसजे मुखर्जी और हटिया लोकमंच यूनियन के महामंत्री विमल महली शमिल थे.

रोक के बाद भी मकान को तोड़े जाने पर हाईकोर्ट नाराज, कहा-

जिस घर को तोड़ा, उसे फिर से बनाएं

- पीड़ित को पांच लाख रुपये मुआवजा देने का निर्देश

संवाददाता ।रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने अतिक्रमण बताकर तोड़े गए मकान को फिर से बनाने और प्रार्थी को पांच लाख मुआवजा देने का निर्देश सरकार को दिया है. कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि जब हाईकोर्ट के आदेश के आलोक में प्रार्थी ने निर्धारित समय में अपीलीय प्राधिकार के समक्ष अपील दाखिल कर दिया था और मकान नहीं तोड़ने का कोर्ट का आदेश सीओ के समक्ष लाया था, तो इसके बाद भी उनका मकान क्यों तोड़ा गया? मकान तोड़ने के पहले झारखंड पब्लिक लैंड एंक्रोचमेंट एक्ट के तहत कोई कार्यवाही भी नहीं चलाई गई.

एक याचिका की सुनवाई करते हुए मंगलवार को अदालत ने यह निर्देश दिया. इस संबंध में ओमप्रकाश ने याचिका दायर की है. प्रार्थी को दुमका सदर सीओ ने झारखंड लैंड एंक्रोचमेंट एक्ट के तहत उनकी जमीन को अतिक्रमण बताते हुए दो सप्ताह में उसे हटाने का नोटिस 8 जून 2016 को दिया था. इसके बाद सीओ ने एक और आदेश पारित किया, जिसमें प्रार्थी की जमीन को पब्लिक लैंड बता कर अतिक्रमण एक सप्ताह में हटाने का आदेश दिया और ऐसा नहीं करने पर उसे तोड़ने का आदेश दिया गया था.

इसके खिलाफ प्रार्थी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी. प्रार्थी ने कोर्ट को बताया कि उनकी जमीन, जो किसी के द्वारा दान दी गयी है, उसपर वह वर्ष 1949 से रह रहे हैं. उसे अतिक्रमण बताते हुए तोड़ने का आदेश सीओ ने दिया है.

जेबीवीएनएल में एक विवाहिता पुत्री को अनुकंपा पर मिली नौकरी

विशेष संवाददाता। रांची

हजारीबाग निवासी अलका देवी को 18 साल की लंबी जहदोजहद के बाद जेबीवीएनएल में अनुकंपा के आधार पर नौकरी मिल गयी. इनकी नियुक्ति सर्पोटिंग स्टॉप वर्ग तीन (अकुशल श्रमिक) के पद पर जमशेदपुर में हुई. अलका ने बताया कि उनके पिता स्व लाल जीत महतो जमशेदपुर में बिजली वितरण निगम में स्टोर कीपर के रूप में तैनात थे. 31 दिसंबर 2005 को उनके पिता की हत्या उस समय कर दी गयी थी. उन्होंने बताया कि वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान हैं और मां का भी निधन हो चुका है. 2006 में उन्होंने अनुकंपा के आधार पर बिजली वितरण निगम में नौकरी के लिए आवेदन दिया. लेकिन निगम ने यह कहते हुए विवाहित बेटी को अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने से इनकार कर दिया. इस बीच 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा कि विवाहित स्त्री भी अनुकंपा के आधार पर नौकरी पाने का अधिकार रखती है. इस आधार पर बिजली वितरण के अधिकारियों ने उनके पक्ष में फ़ैसला सुनाया.

रेल हादसे पर सभी दलों के विधायकों ने शोक जताया

रांची। झारखंड विधानसभा में बड़ाबांबो रेल हादसे पर सभी दलों के विधायकों ने शोक व्यक्त किया. विधायकों ने पीड़ितों के परिवारों के लिए मुआवजे की मांग की और घायलों के इलाज के लिए सहायता उपलब्ध कराने की अपील की.

रिपोर्ट लोकसभा चुनाव 2024 में पड़े और गिने गये वोटों पर एडीआर का चौंकाने वाला दावा

जितने वोट पड़े नहीं, उससे ज्यादा वोट गिन लिए गए

- 538 सीटों पर डाले गये वोट और गिने गये वोटों की संख्या में अंतर
- 362 संसदीय क्षेत्रों में पड़े कुल वोटों से 5,54,598 वोट कम गिने गये
- 176 संसदीय क्षेत्रों में डाले गये कुल वोटों से 35,093 वोट अधिक गिने

लगातार न्यूज नेटवर्क। रांची

एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने लोकसभा चुनाव 2024 में पड़े वोटों और उनकी गिनती को लेकर चौंकाने वाले दावे किये हैं. एडीआर के अनुसार, 538 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में डाले गये वोट और गिनती किये गये वोटों की संख्या में अंतर है. एडीआर के विश्लेषण पर नजर डालें, तो इस लोकसभा चुनाव में

362 संसदीय क्षेत्रों में पड़े कुल वोटों से 5,54,598 वोट कम गिने गये. 176 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में डाले गये कुल वोटों से 35,093 वोट अधिक गिने गये. एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार, आम चुनाव 2024 के नतीजों की घोषणा करते समय डाले गये और गिने गये वोटों में अमरेली, अटिंगल, लक्षद्वीप और दादरा नगर हवेली और दमन दीव को छोड़ कर 538 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण विसंगतियां नजर आयीं. बता दें कि इस मामले में चुनाव आयोग की ओर से अभी कोई प्रतिक्रिया जारी नहीं हुई है.

फाइनल पोलिंग डेटा रिलीज करने में ज्यादा देरी हुई : एडीआर के फाउंडर जगदीप छोकर ने कहा है कि फाइनल पोलिंग डेटा रिलीज करने में जरूरत से ज्यादा देर हुई. अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्रों और मतदान केंद्रों पर हुई वोटिंग के आंकड़े उपलब्ध नहीं कराये गये. चुनाव परिणाम अंतिम मिलान किये गये डेटा के आधार पर घोषित किये गये. इसकी अस्पष्टता चुनाव परिणामों की प्रमाणिकता के बारे में चिंता और संदेह पैदा करने वाले हैं. हालांकि, एडीआर की रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि वोटों के इस अंतर से कितनी सीटों पर अलग नतीजे रहे.

एडीआर ने 2019 के लोस चुनाव का उदाहरण दिया : जगदीप छोकर ने लोकसभा चुनाव 2019 के चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि इस चुनाव में कई उल्लंघनों, अवैधताओं और अनियमितताओं की गंभीर घटनाओं को निर्वाचन आयोग लोकसभा चुनाव 2024 में दोहराये जाने से रोकने के लिए उचित कदम उठाने में विफल रहा है. इससे मतदाताओं के मन में संदेह पैदा हो गया है. इन आशंकाओं को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और इनके समाधान का प्रयास किया जाना चाहिए.

2019 में 347 सीटों पर विसंगतियां नजर आयी थीं : विशेषज्ञों और एडीआर की टीम द्वारा 2019 के लोकसभा चुनावों को लेकर किये गये रिसर्च के अनुसार, 542 निर्वाचन क्षेत्रों के विश्लेषण में 347 सीटों पर विसंगतियां नजर आयी थीं. विसंगतियां न्यूनतम एक वोट से लेकर 1,01,323 वोट, यानी कुल पड़े वोटों का 10.49 प्रतिशत (उच्चतम) तक थीं. यह सीटें ऐसी थीं, जहां पड़े वोटों और गिने गये वोटों का अंतर जीत के अंतर से ज्यादा था. डाले गए और गिने गये वोटों में 7,39,104 का अंतर था.

अब तक स्पष्टीकरण देने में विफल रहा चुनाव आयोग

एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयोग अब तक इस संबंध में उचित स्पष्टीकरण देने में विफल रहा है. चुनाव आयोग स्पष्ट नहीं कर रहा है कि उसने वोटों की गिनती पर अंतिम और प्रामाणिक डेटा जारी करने से पूर्व चुनाव परिणाम क्यों घोषित किये? ईवीएम में पड़े वोटों, उनकी गिनती में अंतर, चुनाव संपन्न होने के कुछ दिन बाद अंतिम मतदान प्रतिशत में वृद्धि, बूथ वाइज डाले गये वोटों की संख्या का खुलासा न करना, डाले गये वोटों के आंकड़े जारी करने में अनुचित देरी के अलावा अपनी वेबसाइट से कुछ डेटा को हटाने को लेकर भी चुनाव आयोग ने अभी तक कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है.

आज शपथ लेंगे नवनियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार

नवनियुक्त राज्यपाल को पुष्पगुच्छ देकर अभिनंदन करते सीएम हेमंत सोरेन.

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के नवनियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार बुधवार यानी 31 जुलाई को राज्य के 12वें राज्यपाल के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे. झारखंड हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायेंगे. इससे पूर्व नवनियुक्त राज्यपाल संतोष गंगवार मंगलवार की शाम रांची पहुंचे. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया. उन्होंने पुष्पगुच्छ देकर और शॉल ओढ़ा कर नये राज्यपाल गंगवार का अभिनंदन किया. कहा, भगवान बिरसा मुंडा और वीर शहीद सिदो कान्हू की पावन धरती पर आपका हार्दिक स्वागत, अभिनंदन और जोहार है.

विदा हुए राधाकृष्णन

निवर्तमान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन मंगलवार को झारखंड से विदा हो गये. बिरसा मुंडा एयरपोर्ट परिसर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सीपी राधाकृष्णन को भावपूर्ण विदाई दी. मौके पर मंत्री बन्ना गुप्ता, सांसद नलिन सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन, मुख्य सचिव एल खियांग्ते, डीजीपी अनुराग गुप्ता, कैबिनेट सचिव वंदना दादेल, डीसी एवं एसएसपी सहित राज्य सरकार वरीय पदाधिकारी भी मौजूद रहे. इससे पहले मुख्यमंत्री ने पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन के साथ राज्यपाल राधाकृष्णन से राजभवन में मुलाकात की. सीएम ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किया.

ई-रिक्शा चालकों ने नगर निगम का घेराव किया, प्रशासक के सामने रखीं मांगें

नगर निगम कार्यालय का घेराव करते ई-रिक्शा चालक और मालिक.

संवाददाता। रांची

ई-रिक्शा चालकों व मालिकों ने सड़क पर परेशान किए जाने के विरोध में मंगलवार को नगर निगम का घेराव किया. इस दौरान रिक्शा चालकों ने बताया कि सिटी पास, स्टैंड व यात्री पड़ाव नहीं होने के कारण उनकी समस्या प्रतिदिन बढ़ती जा रही है. चालकों ने बताया कि रोजना उनकों पकड़ कर चलान काट दिया जाता है, जिससे उन्हें परिवार के पालन पोषण में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. बताया गया कि सिटी पास नहीं रहने से काफी दिक्कत हो रही है.

कुछ चालकों ने बताया कि उन लोगों ने बैंक से लोन लेकर ई-रिक्शा खरीदा था, पर अब चालान और सुचारू रूप से रिक्शा का संचालन नहीं होने के कारण वह लोन भरने में भी असमर्थ हैं. इन परेशानियों को लेकर जिला ई-रिक्शा चालक संघ के लोगों ने प्रशासक से मिल कर अपनी मांगे रखी. घेराव का कार्यक्रम का नेतृत्व राष्ट्रीय युवा शक्ति के केंद्रीय अध्यक्ष उत्तम यादव ने किया, जिसमें मुख्य रूप रांची ई-रिक्श संघ के अध्यक्ष दिनेश सोनी, जिला ई रिक्शा चालक यूनियन संतोष कुमार, भोला सिंह, गुड्डू कुमार समेत अन्य लोग शामिल थे. इस दौरान रांची जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुमार राजा भी शामिल हुए, उन्होंने कहा मैं सरकार तक आपकी समस्या को पहुंचाऊंगा.

नगर प्रशासक ने मांगों पर आश्वासन दिया

ई-रिक्शा संघ के सदस्यों ने अपनी परेशानियों को बताते हुए नगर प्रशासक के सामने अपनी मांग रखी. संघ के सदस्य ने बताया कि उन्हें नगर प्रशासक की ओर से आश्वासन दिया गया है कि मनमाने तरीखे से चलान नहीं काटा जाएगा. साथ ही यात्री पड़ाव व स्टैंड के निर्माण लिए निगम विचार करेगा. चौथ ग्लोबल टेंडर के लिए भी प्रयास जारी है. इस पर भी प्रशासनिक पदाधिकारी बैठक कर जल्द से जल्द हल निकालने का प्रयास करेंगे.

ई-रिक्शा चालकों की मांगें

1. नगर निगम क्षेत्र में चलने वाली ई-रिक्शा का पास निगम कार्यालय ही निर्गत करें. आरटीए द्वारा परमिट की व्यवस्था को मान्यता नहीं दी जाएगी.
2. ई रिक्शा का फाइन, जो नगर निगम द्वारा काटा जाता है, उसे निरस्त करते हुए फाइन को सरल किया जाए.
3. निगम द्वारा ई-रिक्शा द्वारा सिटी पास के नाम से दिया जाए. साथ ही ग्लोबल टेंडर के माध्यम से एक शहर एक टोकन की व्यवस्था की जाए.
4. निगम द्वारा ई-रिक्शा के लिए स्थायी स्टैंड, यात्री पड़ाव की व्यवस्था की जाए.

ब्रीफ खबरें

हत्या मामले में छोटू को नहीं मिली जमानत

रांची। जमीन कारोबारी सह बिल्डर कमल भूषण के एकाउंटेंट संजय कुमार की हत्या का आरोपित छोटू कुजूर को मंगलवार को विशेष जज पीके शर्मा की अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया. मामले में कमल भूषण का दामाद राहुल कुजूर, राहुल के पिता डब्ल्यू कुजूर, मां सुशीला कुजूर, पत्नी यामिनी, चाचा छोटु कुजूर सहित दस लोग आरोपी हैं. उक्त लोगों में अधिकतर आरोपी वर्तमान में जेल में हैं. एकाउंटेंट संजय कुमार की हत्या के लिए राहुल कुजूर व डब्ल्यू कुजूर ने शूटरों को सुपारी दी थी.

रेल मंत्री अविलंब इस्तीफा दें : कांग्रेस

रांची। प्रदेश कांग्रेस महासचिव सह मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने सरायकेला के चक्रधरपुर रेल मंडल में हुए रेल हादसे पर कहा कि केन्द्र की सरकार बुलेट ट्रेन चलाने की बात करती है, जो ट्रेन चल रही है उसकी सुरक्षा नहीं है. हर हफ्ते ट्रेन हादसे हो रहे हैं. ट्रेन हादसे का रिकॉर्ड बनते जा रहा है. लेकिन सरकार कुंभकर्णी नींद में है. सिर्फ मुआवजे की घोषणा कर सरकार अपनी जिम्मेदारी पूरी समझती है. उन्होंने मांग की है कि अविलंब रेल मंत्री इस्तीफा दें.

राज्यसभा में जदयू के सचेतक बने खीरू महतो

रांची। झारखंड प्रदेश जदयू के अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद खीरू महतो को पार्टी ने राज्यसभा में सचेतक बनाया है. यह जानकारी जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने दी. उन्होंने बताया कि इस संबंध में उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को पत्र भेजकर कर सूचित कर दिया गया है.

विपक्ष के वॉकआउट के बीच हेमंत सरकार का पहला अनुपूरक बजट ध्वनिमत से पास

हम आरबीआई से 2 प्रतिशत ब्याज पर ले सकते हैं लोनः रामेश्वर उरांव

विशेष संवाददाता। रांची

भाजपा विधायकों के वॉक आउट के बीच हेमंत सरकार का पहला 4833.39 करोड़ का अनुपूरक बजट सदन से पास हो गया. अनुपूरक बजट पर सदन में कटौती प्रस्ताव के पक्ष और विरोध में सत्ता एवं विपक्ष के लोगों ने अपनी-अपनी बातें रखी. सरकार का पक्ष रखते हुए वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि हेमंत सरकार सुखाड़ से निबटने के लिए विशेष व्यवस्था करेगी. सुखाड़ का तीसरा साल चल रहा है. विशेष व्यवस्था करना होगा. इसके लिए सीएम को कहा है. सरकार की ओर से आश्वान दे रहा हूं की सरकार सुखाड़ के लिए विशेष व्यवस्था करेगी. नई योजनाओं के लिए, जेसीएफ से निकासी को रेगुलराइज करने के लिए और अनफोरेसेंट एक्सपेंडिचर के लिए अनुपूरक बजट सरकार लाती है. उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मईयां योजना क्रांतिकारी योजना है. यह प्रशंसनीय है.

872 करोड़ की यह योजना है, फ्री बिजली के लिए भी लाया गया है बजट : रामेश्वर उरांव ने कहा कि फ्री बिजली के लिए और स्कॉलरशिप के लिए भी बजट लाया गया है. वर्तमान सरकार में जितना कुशल वित्त प्रबंधन किया है पिछली सरकारों ने नहीं किया है. 40 हजार करोड़ से अधिक का ऋण सरकार ने लिया है. उन्होंने कहा कि यह हेमंत सोरेन सरकार का वित्तीय प्रबंधन का असर है कि अन्य राज्य जहां 6 प्रतिशत इंटरेस्ट दर पर आरबीआई से लोन सकते हैं, मगर हम 2 प्रतिशत इंटरेस्ट दर ही लोन सकते हैं. सरकार ने पुरानी पेंशन लागू करने के लिए अगल से पेंशन कोष बनाया. जिसमें पिछले वित्तीय वर्ष में 700 करोड़ वहीं चालू वित्तीय वर्ष में 780 करोड़ रूपए जमा कराया. सरकार को जनकल्याणकारी योजनाएं चलाने के पैसे चाहिए इसलिए अनुपूरक की जरूरत सरकार है.

जब स्पीकर और नेता प्रतिपक्ष हुई तनातनी : सदन में जैसे ही कल्पना मुर्मू सोरेन अपना मेडन स्पीच देने के लिए खड़ी हुईं. भाजपा विधायक विरोध में वेल में आ गए. नेता प्रतिपक्ष खड़े होकर कुछ टोका-टोकी करने लगे. अमर बाउरी का आरोप था कि आसन का ध्यान केवल विपक्ष पर होता है. आसन भेदभाव करता है. इस पर स्पीकर ने गहरी नाराजगी प्रकट की. कहा कि आ जाइए तब आप ही आसन पर बैठ जाइए. स्पीकर ने नेता प्रतिपक्ष को उंगली दिखाकर बात करने पर गहरी आपत्ति प्रकट की. इस पर नेता प्रतिपक्ष ने यहां तक कह डाला कि जो करना है कर लें.

अनुपूरक बजट पर सत्ता एवं विपक्ष ने रखी अपनी-अपनी बातें, वित्त मंत्री ने रखा सरकार का पक्ष

वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उराव.

हेमंत जी के कीमती पांच महीने का समय कौन लौटाएगा : कल्पना सोरेन

विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने सदन में मंगलवार को अपना पहला मेडन स्पीच रखा. इस दौरान उन्होंने विपक्ष को जमकर खोरी-खोटी सुनाया. उन्होंने कहा कि यह लोग आदिवासी हितैषी बनने का ढोंग करते हैं. 2019 में एक निर्वाचित आदिवासी मुख्यमंत्री को ये लोग बिना कसूर के पांच महीने जेल में रखा. हेमंत जी की कीमती पांच महीने कौन लौटाएगा, यह कोई जरा बता दे. जिस दिन से सरकार बनी, ये लोग सरकार के पीछे पड़ गए. कई बार सरकार को गिराने का प्रयास किया, मगर जब इसमें सफल नहीं हुए तो मुख्यमंत्री को जेल में डाल दिया गया. उन्होंने कहा कि यह झारखंड है यहां पर गुजरात मॉडल पर न तो सरकार चल सकती है ओर विकास योजनाएं. ये लोग किस मुंह से वोट मांगने जाएंगे. ये लोग झूठ बातों को परोसते रहते हैं. उन्होंने कहा कि वर्तमान केंद्र सरकार हमारे साथ सौतेला व्यवहार किया. ये लोग बताएं कि किसने ओबीसी का 27 प्रतिशत आरक्षण कम करने का काम किया. उन्होंने कहा कि नारी शक्ति अब अबला नहीं सबला है. हमारी सरकार नारी शक्ति के लिए कई काम किया.

अनुबंध पर कार्यरत कर्मियों पर विचार करे सरकारः प्रदीप यादव

कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि महिलाओं की सशक्तिकरण के लिए 21 वर्ष से 50 वर्ष की महिलाओं को सरकार एक हजार हर महीने देने जा रही है, बहुत ही सराहनीय है. अनुबंधकर्मियों पर भी सरकार विचार करे. बिना काम के जब सरकार एक हजार देने जा रही है तो काम करने वालों की मानदेय में वृद्धि होनी चाहिए. प्रदीप यादव ने कहा कि सदन से संदेश जाना चाहिए की 5 साल के लिए सरकार चुन कर आई है. क्योंकि कुछ हैं जो चाहते हैं कि जल्द चुनाव हो. नियुक्ति शुरू हुई तो ये जल्द चुनाव चाहते है. काम करने से रोकना चाहते हैं. उन्होंने कहा कि ओबीसी का 27 प्रतिशत आरक्षण, खतियान आधारित स्थानीय नीति किसके इशारे पर रुका है. जाति जनगणना जल्द प्रारंभ हो, उसकी अधिसूचना जारी की जाए.

भानु प्रताप शाही ने कहा-हेमंत का यह अंतिम सत्र

सदन में भाजपा विधायक भानु प्रताप शाही और मंत्री मिथिलेश ठाकुर के बीच काफी तनातनी हुई. भानु प्रताप शाही ने कहा कि हेमंत सोरेन का यह अंतिम सत्र है. इसके बाद वे कभी नहीं आएंगे. हमलोग आने वाले हैं. हम विदाई देने को तैयार हैं. इसका जवाब देते हुए मंत्री मिथिलेश ठाकुर ने कहा कि भानु जी इसे आप लिख लें कि अगले सदन में आप यहां नहीं रहेंगे. नहीं जीत पाएंगे. रही बात हेमंत सोरेन सरकार की तो आप लोग जान लें आपलोग आगामी 25 साल तक सत्ता में नहीं आएंगे.

महिलाओं के लिए योजनाएं अच्छी मगर सहिया पोषण सखी पर सरकार ले निर्णय : विनोद सिंह

माले विधायक विनोद सिंह ने कहा कि महिलाओं को 1000 रूपए महीने देना बहुत अच्छी योजना है. महिलाओं के लिए सरकार कई योजनाएं लायी हैं. मगर सरकार को अनुबंध कर्मी, सहिया, जल सहिया, रसोईया, पोषण सखी के बारे में भी निर्णय लेना चाहिए. क्योंकि सरकार इन्हें तीन हजार रूपए मानदेय भी नहीं दे पा रही है.

निशिकांत दुबे के बयान पर झामुमो का विरोध प्रदर्शन

निशिकांत दुबे के विवादित बयान के विरोध में मार्च निकालते झामुमो कार्यकर्ता.

संवाददाता रांची

विगत दिनों भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा वर्तमान लोकसभा सत्र के दौरान झारखंड राज्य के अभिन्न अंग संथाल परगना प्रमंडल, बिहार एवं पश्चिम बंगाल के कुछ जिलों को मिलाकर यूनियन टेरिटरी बनाने के संबंध में दिए गए बयान के विरोध में झामुमो रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम के नेतृत्व में मंगलवार को बापू वाटिका, मोरहाबादी मैदान से उपायुक्त कार्यालय तक एक दिवसीय विरोध मार्च सह प्रदर्शन किया गया.

मौके पर झामुमो रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के आंदोलनकारियों ने पचासों साल से लड़ा है, कितने लोग शहीद हुए, तब जाकर झारखंड बना है. भाजपा सांसद का यूनियन टेरिटरी बनाने का बयान बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण है, हमारे हृदय स्थली संथाल परगना को झारखंड से अलग करना चाहते हैं. यह उनकी झारखंड विरोधी मानसिकता को दर्शाता है, केवल राजनीति करने के लिए उनके ये बयान आ रहे हैं. भारत के बॉर्डर के अंदर चाइना आ रहा है, भाजपा के ही शासित राज्य आसाम बॉर्डर पर भी घुसपैठ हो रहा है. वहीं नेपाल भी घुसपैठ कर रहा है, इसपर ये लोग चुप्पी साधे हुए हैं, सवाल को केंद्र की भाजपा सरकार के गृह मंत्रालय से पूछा जाना चाहिए. इस अवसर पर महादेव मुंडा, मंटू लाला, जीत गुप्ता, महिला मोर्चा रांची जिला उपाध्यक्ष अंशु लकड़ा, सालो देवी, मंजू महतो, राखी देवी, सचिव शांति तिर्की, संगठन सचिव नुसरत परवीन, महिला मोर्चा रांची महानगर संगठन सचिव, राधा हेंब्रम, लीना वर्मा, सुनीता तिर्की आदि ने भी अपने विचार रखा. मौके पर झामुमो के केंद्रीय सदस्य समनूर मंसूरी, रांची जिला उपाध्यक्ष बीरू तिर्की, अश्विनी शर्मा, जनक नायक, कलाम आजाद, रामानंद बेदिया, बीरू साहू, सचिव डॉ हेमलाल कु मेहता, संगठन सचिव आदिल इमाम, तालकेश्वर महतो, जिला प्रवक्ता अरविंदर सिंह देवल रामशरण विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

मंत्री इरफान अंसारी से मिले कांग्रेस जिलाध्यक्ष

रांची। रांची जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ राकेश किरण महतो ने ग्रामीण विकास मंत्री इरफान अंसारी से मंत्रालय में मिल कर मांग पत्र सौंपा. उन्होंने सिल्ली विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत सिल्ली, सोनाहातु एवं राहे प्रखंड के कुल 12 ग्रामीण पथों एवं पुलों के निर्माण की मांग की. डॉ महतो ने विभागीय मंत्री को अवगत कराया कि पिछले दिनों जिला कमेटी द्वारा तीनों प्रखंडों में जन सहायता शिविर के आयोजन किये गये थे, जिसमें इन जर्जर पथों एवं पुलों के निर्माण कराने का लिखित आग्रह स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा किया गया था. इनके निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में हो रही परेशानी से निजात मिलेगी.

सदर एसडीओ ने बीएलओ से मांगा स्पष्टीकरण

रांची। सदर एसडीओ सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी 63 रांची उत्कर्ष कुमार ने मंगलवार को बीएलओ द्वारा घर-घर मतदाता सत्यापन एवं मतदाता सूची में नाम जोड़ने, सुधार करने से संबंधित मतदान केन्द्र संख्या-05, 06, 08, 17, 52, 56. 58 के बीएलओ द्वारा किये गये कार्य का स्थल भ्रमण कर निरीक्षण किया. इस दौरान एसडीओ ने सभी बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षक को निर्देश दिया कि अविलंब शत-प्रतिशत मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करें तथा प्रति बीएलओ कम से कम 50 आवेदन प्राप्त करते हुए मतदाता सूची में नाम दर्ज करना सुनिश्चित करें.

स्वतंत्र सोशल ऑडिट यूनिट ने शुरू किया काम

रांची। झारखंड सरकार ने मनरेगा योजनाओं के सोशल ऑडिट के लिए एक स्वतंत्र सोशल ऑडिट यूनिट की स्थापना के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रया पूरी कर ली है, लेकिन स्वतंत्र सोशल ऑडिट यूनिट अभी फंक्शनल नहीं हो सका है. स्वतंत्र सोशल ऑडिट यूनिट को सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत निबंधन कराया गया है. इसमें सिविल सोसाइटी की ओर से ब्योमकेश, ज्योत्सना तिर्की, जेम्स हेंरेज को रखा गया है. इसके अध्यक्ष मुख्य सचिव है. 2020 में सत्तारूढ़ गठबंधन के कुछ विधायक ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री को पत्र लिख जेएसएलपीएस के माध्यम से सोशल ऑडिट करने के विरोध किया था. विरोध करने वाले में वर्तमान ग्रामीण विकास मंत्री इरफान अंसारी भी शामिल थे, लेकिन तीन साल बीत जाने के बाद भी स्वतंत्र सोशल ऑडिट यूनिट काम शुरू नहीं किया गया है. इसमें किसी तरह की नियुक्ति नहीं की गयी है. बैंक खाते भी नहीं खोले गये हैं.

केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में पैदल मार्च

रांची। आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से अरविंद केजरीवाल के गिरफ़्तारी और उनके स्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को लेकर मंगलवार को रांची में जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से लेकर अल्बर्ट एक्का चौक तक पैदल मार्च निकाला गया। इसके बाद विरोध प्रदर्शन किया गया. विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व आप के वरिष्ठ नेता अजय भगत ने की. प्रदर्शन की अध्यक्षता राजेश लिंडा ने किया. पार्टी के वरिष्ठ नेता हरी सिंह ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि देश में आम आदमी पार्टी का लहर चल रहा है, जिसको देख कर भाजपा की केंद्र सरकार केजरीवाल से डरी हुई है. मौके पर अजय भगत ने कहा की अरविन्द केजरीवाल को जान बुझ कर बेहतर ईलाज उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। अगर केजरीवाल को जल्द से जल्द जेल से रिहा नहीं किया जाता है, तो हमलोग केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार आंदोलन करेंगे.

आठ साल से नहीं बनी है सड़क, पानी निकासी का रास्ता नहीं

हरमू हाईकोर्ट कॉलोनी में जल जमाव

रेहान अहमद। रांची

हरमू हॉउसिंग हाईकोर्ट कॉलोनी की सड़क पिछले आठ वर्षों से नहीं बनी है. क्षेत्र के लोगों ने बताया कि इस कारण हल्की बारिश में भी यह जगह पानी से भर जाती है. मालूम हो सड़क के सामने और आगे नाले भी हैं, किंतु सड़क में निकासी का मार्ग भलीभांति नहीं बना है. इससे पानी बह कर नाले की ओर नहीं जा पाता है. परिणाम स्वरूप हर पल पानी भरा ही रहता है. लोगों ने कहा कि बरसात में जल जमाव से हर साल परेशानी बढ़ जाती है. इससे मच्छर व मक्खी तेजी से पनपते हैं. ऐसे में बीमारी फैलने का भी डर लोगों को सताता है, पर इस दिशा में नगर निगम की ओर से कोई पहल नहीं की गई है.

हरमू हाईकोर्ट कॉलोनी में जलमग्न सड़क

पानी निकासी का उपाय होना चाहिएः संजय मिश्र

संजय कुमार मिश्र ने कहा कि यह सड़क पिछले आठ साल से खराब है. कई बार निगम में गुहार लगायी, किंतु इस दिशा में पहल नहीं हुई. हल्की बारिश में जल जमाव की परेशानी बन जाती है. कम से कम पानी निकासी का प्रबंध कर देना चाहिये.

लोगों को आने जाने में परेशानी : विजय कुमार

विजय कुमार ने कहा कि हल्की सी भी बारिश होने पर यहां पानी भर जाता है. इससे लोगों को आने जाने में बहुत परेशानी होती है. जल जमाव की वजह से गंदगी की भी परेशानी बनी हुई है. नगर निगम को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है.

पांच साल में 15739 हेक्टेयर में किया गया क्षतिपूर्ति वनरोपण

- पांच साल में वन विभाग ने कैंपा के तहत लगाये दो करोड़ 36 लाख 23 हजार पौधे

मुख्य संवाददाता। रांची

रेलवे, माइनिंग, औद्योगिक इकाइयों की स्थापना और अन्य विकास कार्यों की भेंट चढ़ी वन भूमि के एवज में वन विभाग पिछले पांच सालों में 15739.274 हेक्यर में क्षतिपूर्ति वनरोपण किया है. वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 के प्रावधानों के अंतर्गत क्षतिपूरक वन रोपण, अतिरिक्त क्षतिपूरक वन रोपण, दंडात्मक क्षतिपूरक वन रोपण, वर्तमान शुद्ध मूल्य एवं अन्य मदों में प्राप्त राशि को कैंपा भारत सरकार के बैंक खाते में जमा कराया जाता है. इस राशि से क्षतिपूरक वनरोपण किया जाता है. भारत सरकार के निर्देशानुसार झारखंड सरकार वन एवं पर्यावरण विभाग के द्वारा राज्य सरकार के स्तर पर झारखंड प्रतिपूरक वनरोपण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकार जिसका संक्षिप्त नाम झारखंड कैंपा है का गठन किया गया है. इसकी देखरेख में वनरोपण का काम होता है.

वित्तीय वर्ष	रोपे गये पौधे की संख्या	रकबा (हेक्टेयर में)
2019-20	52,55,842	3687.842
2020-21	44,87,353	2734.493
2021-22	48,39,573	3324.858
2022-23	49,32,992	3202.833
2023-24	41,07,463	2789.837

सदन के अंदर-बाहर गूंजा रोजगार का मुद्दा, भाजपा का हंगामा

संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा में मॉनसून सत्र के तीसरे दिन मंगलवार को सत्र शुरू होने से पहले भाजपा ने रोजगार मुद्दे को लेकर सदन के बाहर बैनर-तकती लेकर प्रदर्शन किया. सदन के अंदर भी रोजगार मुद्दे को लेकर हंगामा करते नजर आये. भाजपा ने हेमंत सोरेन सरकार को पांच लाख युवाओं को नौकरी देने के वादे को लेकर घेरा. कहा कि हेमंत सोरेन ने चुनावी भाषण में कहा था कि पांच लाख नौकरी देंगे. साढ़े चार हो गये, इस वादे का क्या हुआ. आंगनबाड़ी सेविका सहाय के रसोइयां परमानेंट क्यों नहीं हुए, इसका जवाब हेमंत सोरेन दे.

युवाओं के साथ ठगी कर बनाई सरकार : बिरंची

भाजपा विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि झारखंड में युवाओं और महिलाओं को ठग कर हेमंत सोरेन ने सत्ता हासिल किया है. सदन के अंदर युवाओं को बेरोजगारी भत्ता नहीं मिलने को लेकर सवाल किया जायेगा. इस सरकार ने 2019 में नौजवानों, महिलाओं और शिक्षकों को ठगकर सत्ता प्राप्त किया. हेमंत सरकार ने राज्य के सभी संविदा कर्मी को परमानेंट करने का वादा किया था.

हमने जितने रोजगार दिए बीजेपी नहीं दे पाई : ठाकुर

मिथिलेश ठाकुर ने बिरंची नारायण के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने जितने रोजगार दिये हैं, बीजेपी की सरकार नहीं दे पायी. भाजपा अपने पांच साल के आंकड़े देख ले. उनके कार्यकाल में लोग 4000-5000 की नौकरी के लिए चेन्नई और बेंगलुरु जैसे मेट्रो सिटी चले गये. हेमंत सरकार उनको अपने खर्च पर वापस लेकर आयी.

कर्मचारी हड़ताल पर और यहां सत्र चल रहा : बाउरी

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि सरकार को झारखंड की कोई चिंता नहीं है. सिर्फ वह अपनी दृष्टिगत कारणों से राजनीति को मजबूत करने में लगी हुई है. राज्य के सारे कर्मचारी हड़ताल पर हैं और विधानसभा सत्र चल रहा है. इससे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति क्या हो सकती है. आरक्षण समाप्त किया जा रहा है. एससी-ओबीसी आरक्षण, चौकीदार व रेंजर की बहाली पूरी तरह से समाप्त कर दी गई है.

सबकी आवाजें दबा रही है हेमंत सरकार : अनंत

अनंत ओझा ने कहा कि प्रदेश के नौजवान और संविदा कर्मियों की आवाज दबायी गयी है. भारतीय जनता पार्टी उनकी आवाज बनकर आयी है. हेमंत सोरेन की सरकार झूठे वादे कर सत्ता में आयी है. सरकार ने नौजवानों को ठगने का काम किया है. बीजेपी सवाल पूछ रही है. सहायक पुलिसकर्मियों पर लाठी चार्ज करने वाले कौन लोग है, किसकी सरकार ने लाठीचार्ज किया.

अधिसूचित क्षेत्र ग्राम सभा को मिले बालू खनन का अधिकारः शिल्पी नेहा

रांची। विधानसभा में शून्यकाल के दौरान मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि प्रदेश के अधिसूचित क्षेत्र में ग्राम सभा के पास बालू खनन के संदर्भ में अधिकार न होने के कारण इसका नकारात्मक प्रभाव न केवल अधिसूचित क्षेत्र में पी-पेसा द्वारा प्रदत्त संवैधानिक अधिकारों एवं प्रावधानों पर पड़ रहा है, बल्कि इससे ग्राम सभा भी कमजोर पड़ रही है. अधिसूचित क्षेत्र में बालू खनन के लिए एक मॉनिटरिंग निकाय का गठन करने और उसी के तहत उसी की देखरेख में सरकार की नीति के अनुरूप ग्राम सभा को अपने क्षेत्र में बालू खनन का अधिकार देने की मांग की है.

राज्यस्तरीय बिजनेस कॉन्क्लेव की तैयारी

रांची। स्टार्टअप कॉन्क्लेव की सफलता को देखते हुए फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से जल्द ही राज्यस्तरीय बिजनेस कॉन्क्लेव का आयोजन किया जायेगा. इसी माह पूर्व में चैंबर की ओर से बैठक कर बड़े रूप में बिजनेस कॉन्क्लेव आयोजित करने की तैयारी की गई थी. चैंबर के महासिचव परेश गटानी ने बताया कि राज्यस्तरीय बिजनेस कॉन्क्लेव के भव्य आयोजन की तैयारी चल रही है.

प्रधान सचिव ने किया नये राज्यपाल का स्वागत

रांची। नए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार के राजभवन आगमन पर राज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने स्वागत किया. उक्त अवसर पर राजभवन के अन्य पदाधिकारियों व कर्मियों ने भी नये राज्यपाल का अभिनदंन किया.

सुख और सौभाग्य के लिए घरों और मंदिरों में हुई माता पार्वती और भगवान शिव की पूजा-अर्चना

राजधानी में सुहागिनों ने रखा दूसरा मंगला गौरी व्रत

खास बातें

- सावन सोमवारी व्रत की तरह मंगला गौरी व्रत विशेष फलदायी
- 6 और 13 अगस्त को पड़ेगा अगला मंगला गौरी व्रत

संवाददाता ।रांची

गया और पलामू में है प्रसिद्ध मंदिर

बिहार के गया और झारखंड के पलामू स्थित मंगला गौरी मंदिर से खाली हाथ कोई नहीं लौटता . मां सबकी मनोरथ पूरी करती हैं . गया का मंदिर शक्तिपीठ के रूप में प्रसिद्ध है .मान्यता है कि माता सती एक अंग यहां के भस्मकूट पर्वत पर गिरा था, जो गया शहर में पालनपीठ के रूप में विराजमान है . बताया जाता है कि यहां माता अपने भक्तों का पालन करती हैं . पलामू में चैनपुर प्रखंड के बंदुआ गांव में स्थित मां के मंदिर में भी सबकी मुराद पूरी होती है . यहां का भभूत लगाने और पानी पीने से असाध्य रोग ठीक हो जाते है .निसंतान को संतान सुख की प्राप्ति होती है .

श्रावण मास के दूसरे मंगलवार को सुहागिनों ने मंगला गौरी व्रत धारण कर माता पार्वती और भगवान शिवशंकर को पूरे मनोयोग से मनाया. घरो और मंदिरों में पूजन-अर्चना कर भक्ति में रमी रहीं. माना जाता है कि इस व्रत को धारण करने वाली महिलाओं का सौभाग्य सदा बना रहता है, संतान की प्राप्ति होती है. जीवन में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है. सावन सोमवारी व्रत की तरह मंगला गौरी व्रत भी विशेष फलदायी है. इसी भाव से बड़ी संख्या में विवाहिताएं तो व्रत-उपवास कर माता को रिझाती ही हैं, कुंवारी कन्याएं भी विवाह संबंधी दोष-बाधा दूर करने और सपनो के राजकुमार की चाह में इस व्रत को धारण करती है.

अब शेष बचे हैं दो व्रत : श्रावण मास की तीसरी सोमवारी 0 5 अगस्त, चौथी 12 अगस्त और अंतिम सोमवारी 19 अगस्त को है. इस बीच मंगला गौरी व्रत 06 और 13 अगस्त को पढ़ेगा. आचार्य अजय मिश्र बताते हैं कि मंगला गौरी व्रत शुरू करने के बाद लगातार पांच वर्षों तक इस व्रत को रखा जाता है. श्रावण माह में ही व्रत का उद्यापन भी किया जाना चाहिए. उन्होंने बताया कि सोलह सोमवार के साथ मंगला गौरी व्रत धारण करना विशेष फलदायी होता है. श्रावण मास में सोमवारी के साथ इस व्रत को भी अवश्य धारण करना चाहिए. इससे मांगलिक दोष दूर हो जाते हैं.

शिक्षा सेवा के अफसरों का ताबड़तोड़ तबादला, 39 अफसर इधर से उधर

रांची। राज्य सरकार ने शिक्षा सेवा के 39 अफसरों का तबादला कर दिया है. स्कूली शिक्षा विभाग ने मंगलवार को इसका आदेश जारी कर दिया.

- जैक के सचिव बने जयंत कुमार मिश्र

कौन	कहां गए
मोहन जी झा प्राचार्य	जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), पाकुड़
जयंत कुमार मिश्र	सचिव झारखण्ड अधिविद्य परिषद्, राँची
सच्चिदानन्द तिग्गा	शासी पदाधिकारी, झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद
बिनोद कुमार	जिला शिक्षा पदाधिकारी
संतोष गुप्ता .	प्राचार्य, प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण
	महाविद्यालय, सतबरवा, पलामू
नूर आलम खां	जिला शिक्षा पदाधिकारी, गुमला
कैलाश मिश्र	जिला शिक्षा अधीक्षक, गुमला
मधुकर कुमार	शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, धोरमारा
अविनाश राम	जिला शिक्षा पदाधिकारी, कोडरमा
आकाश कुमार	महिला जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, हजारीबाग
अनुराग मिंज	जिला शिक्षा अधीक्षक गढ़वा
कविता खलखो,	जिला शिक्षा पदाधिकारी, गढ़वा
बबिता कुमारी	जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, चितरपुर, रामगढ़
मिथिलेश केरकेट्टा	जिला शिक्षा पदाधिकारी, सिमडेगा
बादल राज,	जिला शिक्षा अधीक्षक, राँची
प्रवीण कुमार	प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, चैनपुर
नयन कुमार	जिला शिक्षा अधीक्षक, गिरिडीह
मुकुल राज .	जिला शिक्षा पदाधिकारी, पाकुड़
सौरम प्रकाश	जिला शिक्षा पदाधिकारी, साहेबगंज
मिथिला टुङ	जिला शिक्षा पदाधिकारी, गोड्डा
दीपक कुमार .	जिला शिक्षा अधीक्षक, गोड्डा
अमृता सिंह	प्राचार्य, महिला जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण
	संस्थान, मेदिनीनगर, पलामू
दास सुनन्दा	जिला शिक्षा अधीक्षक, लोहरदगा
रणधीर कुजूर .	प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, रेहला, पलामू
राजेश पासवान	क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी, जगरनाथपुर, प. सिंहभूम
विकेश कुणाल प्रजापति	जिला शिक्षा अधीक्षक, जामताड़ा
कंचन कुमारी	प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान कोडरमा
संदीप कुमार	जिला शिक्षा अधीक्षक, पलामू
जुही रानी	क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी, राँची
गौतम कुमार साहू	जिला शिक्षा अधीक्षक, लातेहार
आयुष कुमार	जिला शिक्षा अधीक्षक, धनबाद
कैसर रजा .	जिला शिक्षा अधीक्षक, पाकुड़
अमित कुमार	क्षेत्र शिक्षा पदाधिकारी,बुंडू
दीपक राम प्राचार्य,	जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान सिमडेगा
भूतनाथ रजवार,	अनुमण्डल शिक्षा पदाधिकारी, सिमडेगा
रामजी कुमार	प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, राँची में प्रतिनियुक्त
रकीब अंसारी	प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, राँची में प्रतिनियुक्त
रौशनी सिंह	अनुमण्डल शिक्षा पदाधिकारी, हजारीबाग

स्वर्णरेखा कॉलेज ऑफ नर्सिंग में विशेष कार्यक्रम

रांची। स्वर्णरेखा कॉलेज ऑफ नर्सिंग की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश प्रोफेशनल्स कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष आदित्य विक्रम जायसवाल शामिल हुए. कॉलेज प्रबंधन ने अनुरोध करते हुए कहा कि फार्मेसी की परीक्षाएं समय पर करवाने एवं पास किए हुए विद्यार्थियों का समय पर निबंधन काउंसिल में करवाने का आग्रह किया. मौके पर आदित्य विक्रम जायसवाल ने ऐसे अच्छे आयोजन एवं सम्मान के लिए कॉलेज के प्रधानाध्यापक, निदेशक एवं सभी शिक्षकों का आभार जताया. उन्होंने कहा कि चिकित्सकों का परम धर्म सेवा करना है, कोविड में भी हमने देखा चिकित्सकों ने दिन रात मेहनत कर अपने मरीजों का इलाज किया.

अग्निवीर जीडी के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा आज, तीन जिलों के युवा भाग लेंगे

राज्य के पांच जिलों के 1140 युवाओं ने दिखाया अपना दम

खास बातें

- मार्शलिंग एरिया में दी दलालों के बहकावे में न आने की सलाह
- इस्तेमाल किए गए दस्तावेज का सही व प्रमाणित होना अनिवार्य

संवाददाता ।रांची

खेलगांव के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शारीरिक दक्षता परीक्षा में भाग ले रहे युवक.

अग्निवीर जीडी श्रेणी के लिए राज्य के पांच जिलों के युवाओं ने मंगलवार को जोश के साथ सेना भर्ती रैली में हिस्सा लिया. खेलगांव के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित शारीरिक दक्षता परीक्षा में गढ़वा, जामताड़ा, लोहरदगा, पूर्वी सिंहभूम व पाकुड़ के लगभग 1140 उम्मीदवारों ने दम दिखाया. उम्मीदवारों को दौड़ शुरू होने के पहले मार्शलिंग एरिया में बताया गया कि दलालों के बहकावे में न आयें. दलाल किसी का सिलेक्शन नहीं करवा सकते हैं, वे सिर्फ पैसा हड़पते हैं.

सेना भर्ती प्रक्रिया कंप्यूटर आधारित निष्पक्ष प्रक्रिया है. साथ ही उम्मीदवारों को बताया गया कि बोनस अंक पाने के लिए इस्तेमाल किए गए दस्तावेज का सही और प्रमाणित होना अनिवार्य है, जैसा ऑनलाइन फॉर्म भरते समय दर्शाया गया था. साथ ही बताया गया कि जिन उम्मीदवारों के कागजों में सामान्य कमी है, उन्हें उसे जमा करने के लिए समय भी दिया जा रहा है. क्षेत्रीय भर्ती रैली के अधिकारियों ने बताया कि जिन उम्मीदवारों का किसी कारण एडमिट कार्ड नहीं निकल पाया है, उनका एड्मिट कार्ड रैली स्थल पर निकाल कर दे दिया जाएगा. बुधवार को बोकारो, कोडरमा व गोड्डा के अभ्यर्थी सेना बहाली में शामिल होंगे.

अभ्यर्थियों ने की रनिंग ट्रैक की सराहना

भर्ती रैली में दौड़ने के लिए रनिंग ट्रैक का इस्तेमाल किया जा रहा, जिससे अभ्यर्थी काफी खुश नजर आये . अभ्यर्थियों ने ट्रैक को दौड़ने के लिए बेस्ट ट्रैक बताकर इसकी काफी प्रशंसा की . साथ ही वे ट्रैक को लेकर काफी उत्साहित दिखे . सेना के अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन की ओर से रैली के दौरान हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है . रैली के दौरान चिकित्सा, पानी व पुलिस प्रशासन जैसी तमाम सुविधा मुहैया करवाई गई है .

कौशल विकास प्रशिक्षण को लेकर सीसीएल और नैसकॉम के बीच एमओयू

रांची । उभरती प्रौद्योगिकी में कर्मचारियों के कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए मंगलवार को सीसीएल और नैसकॉम के बीच एक समझौता ज्ञापन किया गया. इस अवसर विशेष पर सीसीएल के निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र और नैसकॉम के राष्ट्रीय लीडर सुधीर कुमार उपस्थित थे. यह समझौता ज्ञापन सीसीएल कर्मचारियों के बीच डिजिटल जागरूकता बढ़ाने हेतु प्रयास को दर्शाता है. इससे सीसीएल के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में और गति आएगी, जिससे नए युग के डिजिटल कौशल में कुशल कार्यबल तैयार करने में मदद मिलेगी. जीएम (एचआरडी) आरके पांडे ने निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र और नैसकॉम के फ्यूचरस्किल्स प्राइम के राष्ट्रीय लीड सुधीर कुमार का स्वागत किया. हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि उभरती हुई डिजिटल तकनीक हमारे दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है.

3 से 10 अगस्त तक मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना के शिविर का आयोजन

संवाददाता।रांची

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना (जेएमएमएसवाई) का रांची जिला में सुचारू रूप से क्रियान्वयन को लेकर डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. जेएमएमएसवाई का लाभ देने के लिए जिला के ग्रामीण क्षेत्र में पंचायत स्तर तथा शहरी क्षेत्र में वार्ड स्तर पर शिविर का आयोजन किया जायेगा. 3 से 10 अगस्त तक शिविर का आयोजन किया जायेगा. योजना के त्रुटिरहित क्रियान्वयन को लेकर डीसी, जिला के सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, कांके, शहर, अरगोड़ा, हेहल, बड़ागाँई, नामकुम, नगड़ी एवं बुण्डू, प्रशासक, बुण्डू नगर पंचायत, बुण्डू, सभी बाल, विकास परियोजना पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया है. योजना के सफल कार्यान्वयन हेतु 3 अगस्त को सभी केन्द्रों पर निर्वाचित जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में समारोह पूर्वक इस योजना का शुभारम्भ करने का निर्देश दिया गया है. योजना के क्रियान्वयन हेतु आवेदन पत्र निःशुल्क उपलब्ध कराया जायेगा. डीसी द्वारा बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, शहरी क्षेत्र में अंचल अधिकारी के पर्यवेक्षण/ निगरानी में आंगनबाड़ी सेविका के माध्यम निःशुल्क फॉर्म वितरण सुनिश्चित करने का निदेश दिया गया है. शहरी क्षेत्र में जिस क्षेत्र में आंगनबाड़ी केंद्र कार्यरत नहीं है, वैसे क्षेत्र में संबंधित अंचल अधिकारी/नगर निकाय के पदाधिकारी को अपने-अपने कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करने को कहा गया है.

शिविर में बैंक प्रतिनिधि उपलब्ध रहें यह सुनिश्चित करें

योजना के लाभ के लिए प्रत्येक आवेदिका के बैंक खाते का आधार सीडिंग कराना आवश्यक है, ताकि आर्थिक सहायता राशि के भुगतान में कोई बाधा न हो . उपायुक्त द्वारा प्रत्येक शिविर में कम-से-कम एक बैंक के प्रतिनिधि/बैंकों के प्रतिनिधि आधार सीडिंग फॉर्म के साथ उपलब्ध रहे, यह सुनिश्चित करने को कहा गया है . डीसी द्वारा जिला के सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, शहरी क्षेत्र के अंचल अधिकारी, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा, राँची, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को योजना के सघन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु निदेशित किया गया है .

न्यूज अपडेट

गुरुद्वारा साहिब में विशेष कीर्तन समागम तीन को

रांची। गुरुद्वारा श्रीगुरु नानक सत्संग सभा, कृष्णा नगर कॉलोनी में तीन अगस्त को विशेष कीर्तन समागम होगा. इसमें स्त्री सत्संग सभा और हजूरी रागी संग बीबी रागी जत्था बीबी सिमरन कौर, लुधियाना वाली शब्द गायन से संगत को निहाल करेंगी. मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि शाम साढ़े सात बजे स्त्री सत्संग सभा की शीतल मुंजाल के गायन से शुरुआत होगी. इसके बाद हजूरी रागी जत्था भाई महिपाल सिंह कीर्तन कर भक्ति की अविरल धारा बहायेंगे. फिर रात साढ़े नौ से 11 बजे तक बीबी रागी जत्था गुरु भक्ति के तान छेड़ संगत को गुरबाणी से जोड़ेंगी.

श्रीश्याम मंदिर में श्रद्धालुओं ने किया सुंदरकांड पाठ

रांची। श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड में मंगलवार को 112वां सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का संगीतमय पाठ किया गया. शाम चार बजे श्रीश्याम मित्र मंडल के उपमंत्री अनिल नारनोली ने हनुमान के दरबार में अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित की. भोग निवेदित किया. इसके बाद श्री गणेश वंदना से पाठ की शुरुआत हुई. मनीष सारस्वत और ओम शर्मा ने सहयोगियों के साथ ढोलक, डफली, झांझ, करताल के सुरताल के साथ सस्वर पाठ कर भक्ति की अविरल धारा बहायी. शाम सात बजे आरती के साथ पाठ संपन्न हुआ. अध्यक्ष सुरेश सरावगी, प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित थे.

आदिशक्ति श्रीजीणमाता का सिंधारा महोत्सव चार को

रांची। दिगंबर जैन भवन, हरमू रोड में चार अगस्त को आदिशक्ति श्रीजीणमाता का दूसरा वार्षिक सिंधारा महोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा. इसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है. आनंद पाराशर ने बताया कि मौके पर मंगला पाठ और भक्ति गीतों के कार्यक्रम का खास आयोजन किया जायेगा. साथ ही श्रद्धालु बहती भजनरस धारा के बीच श्रीजीण माता का मेंहदी, चुनरी और गजरा महोत्सव पूरे उत्साह से मनायेंगे. उन्होंने बताया कि सुबह जीणधाम से आए पुजारी राजेशजी पाराशर नेम-निष्ठा से पूजन-अनुष्ठान संपन्न करायेंगे. इसके बाद दिन के एक बजे से पाठ और भजन रात आठ बजे तक चलेगा. आनंद ने बताया कि पाठ और भजन गायिका कोलकाता की शिल्पी वर्मा इसमें खास तौर से भागीदारी निभायेंगी. उन्होंने श्रद्धालुओं से इसमें भाग लेने का आग्रह किया है.

इनर ह्वील क्लब ने नेत्रहीन विद्यालय में बांटे सामान

नेत्रहीन विद्यालय के बच्चों के साथ इनर ह्वील क्लब की सदस्याएं.

रांची। इनर ह्वील क्लब ऑफ रांची साउथ की सदस्याओं ने बड़गाई स्थित ब्रजकिशोर नेत्रहीन आवासीय विद्यालय सह कंप्यूटर सेंटर में जरूरी सामान बांटे. क्लब की सदस्याओं ने विद्यालय की बच्चियों की बीच सैनेटरी नैपकिन्स, चावल, दाल, चना, बिस्किट व अन्य सामान बांटे. संस्था की संस्थापक और उसको चलाने वाली नीलू वर्मा से क्लब की सदस्याओं ने उनकी कार्यशैली को जाना और उनके काम के लिए उनकी सराहना भी की. इस मौके पर इनर ह्वील क्लब की अध्यक्ष नीलम ललित, सचिव अन्नू, सुजाता, श्वेता, सुनीता और रीता गुप्ता मौजूद थीं.

चैंबर के चुनाव की तिथि 7 अगस्त की बैठक में होगी तय

रांची । फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के आगामी सत्र के चुनाव की तिथि और चेयरमैन/को-चेयरमैन का चयन 7 अगस्त को आहूत कार्यकारिणी समिति की बैठक में तय की जायेगी. यह सहमति मंगलवार को चैम्बर भवन में हुई. मीटिंग चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री की अध्यक्षता में हुई. बैठक में व्यापार-उद्योग से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई. प्रदेश में लॉ एंड आर्डर की समस्या पर भी चिंता जताई गई, कहा गया कि प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए मजबूत विधि व्यवस्था जरुरी है जिसपर जिला प्रशासन की ओर से ठोस कार्रवाई की आवश्यकता है.

सीसीएल में शतरंज व कैरम प्रतियोगिता प्रारंभ

रांची । सीसीएल मुख्यालय का दो दिवसीय शतरंज एवं कैरम प्रतियोगिता का शुभारंभ मंगलवार को दरभंगा हाउस प्रांगण में हुआ. प्रतियोगिता का उद्घाटन विभागाध्यक्ष (कल्याण) सीसीएल रेखा पांडे ने किया, जिन्होंने रोहित महलका के साथ शतरंज के कुछ चाल भी चले. रेखा पांडे ने कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया और उनसे सीसीएल की सभी खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का अनुरोध किया. बता दें कि मुख्यालय के 160 कर्मचारी शतरंज एवं कैरम प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं. शतरंज के शीर्ष 5 स्थान धारक और कैरम के 4 स्थान धारक 20 और 21 अगस्त 2024 को सीसीएल के ढोरी क्षेत्र में आयोजित होने वाली सीसीएल अंतर क्षेत्रीय शतरंज और कैरम प्रतियोगिता में भाग लेंगे. जिसमें सीसीएल के सभी क्षेत्रों की टीमें भाग ले रही हैं.

एनएसयूआई ने डीएसपीएमयू के वीसी को घेरा

रांची। रांची जिला एनएसयूआई के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्विद्यालय के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य का घेराव कर ज्ञापन सौंपा. जिला अध्यक्ष अमन अहमद ने कहा कि कुलसचिव के पत्र से सूचना मिली कि डीएसडब्ल्यू डॉ एसएम अब्बास को बिना जांच पड़ताल किए दो से तीन घंटे के अंदर हटाना, पद से बर्खास्त किया जाना विवि के लिए दुर्भागपूर्ण है. ऐसा करना उच्च पदाधिकारियों की मानसिकता को दर्शाता है. मालूम हो कि विवि परिसर में और भी ऐसे कई शिक्षक है, जिनका मामला जांच कमेटी में लंबित है. भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन मांग करती है कि विवि अपने निर्णय को वापस लें और उनका पद पुनः बहाल किया जाए.

रेल दुर्घटना के दोषियों पर कार्रवाई की मांग

रांची। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के रांची जिला अध्यक्ष शैलेश कुमार सिन्हा ने आये दिन हो रहीं रेल दुर्घनाओं पर चिंता व्यक्त की है. साथ ही दुर्घटनाओं के कारणों की जांच पड़ताल करते हुए उसके दोषियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है. उन्होंने कहा है कि जिस तरह लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं और यात्रियों के जान माल का नुकसान हो रहा है.

मीट-मछली की खुलेआम बिक्री पर रोक की मांग

रांची। सामाजिक-वैचारिक संगठन रांची रिवोल्ट जन मंच के संयोजक डॉ. प्रणव कुमार बब्बू ने राजधानी रांची के साथ ही पूरे झारखण्ड के प्रत्येक क्षेत्र में खुलेआम बिक रही मीट, मछली, मुर्गे की दुकानों पर रोक लगाने की मांग की है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मुख्य सचिव और रांची के उपायुक्त को भेजे गये पत्र में डॉ. बब्बू ने उक्त आशय की मांग की है.

मान्यता सर्वार्थ सिद्धि और ध्रुव योग में पूजन-अनुष्ठान से सिद्ध होंगे सभी मनोरथ

कामदा एकादशी आज, दुर्लभ संयोग से बढ़ा मान

संवाददाता ।रांची

सावन मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी बुधवार को कामदा एकादशी व्रत श्रद्धाभाव से मनायी जायेगी. श्रीश्याम मंदिर और बाला जी मंदिर में तो विशेष पूजन-अनुष्ठान होंगे ही, सनातनी घरों में भी नेम-निष्ठा से पूजा-अर्चना कर श्रीहरि के श्रीचरणो में श्रद्धा के पुष्प चढ़ायेंगे. इस बार सर्वार्थ सिद्धि योग के पूरे दिन मान रहने और ध्रुव योग के दुर्लभ संयोग से इसका मान और भी बढ़ गया है. आचार्य श्रीकृष्ण के अनुसार धार्मिक मान्यता है कि शुभ योग और मुहूर्त में किया गया शुभ कर्म सर्वथा फलदायी होता है. ज्योतिष शास्त्र में ध्रुव योग को बेहद शुभ माना गया है. इस योग में विष्णु और माता पार्वती की पूजा करने से मन चाहे फल मिलते हैं. शुभ कार्यों में सिद्धि प्राप्त होती है. साथ ही इस एकादशी व्रत करने वालों को राक्षस योनि नहीं भोगना पड़ता. पुराणों में भी बताया गया है कि सावन मास की कामदा एकादशी का व्रत धारण करने वाले को वाजपेय और अश्वमेध यज्ञ के बराबर पुण्य फल मिलते हैं.

सूर्योदय के बाद की जा सकती है पूजा

आचार्य श्रीकृष्ण ने पंचागों की गणना कर बताया कि एकादशी तिथि मंगलवार की शाम 04 : 44 मिनट पर शुरू होगी और इसका समापन 31 जुलाई को दिन के 03 :55 मिनट पर होगा . अत: उदीयमान तिथि के अनुसार बुधवार को ही एकादशी का व्रत सर्वमान होगा . उन्होंने बताया कि इस दिन ब्राहम मुहूर्त 04 :18 से सुबह 05 :00 तक स्नान के लिए उत्तम समय है . सूर्योदय के बाद एकादशी की पूजा की जा सकती है . उन्होंने बताया कि ध्रुव योग सुबह से दिन के 02 :14 तक रहेगा . रोहिणी नक्षत्र पूर्वाह्न 10 :12 तक ही है, इसके बाद मृगशिरा नक्षत्र शुरू हो जायेगा .

श्रीश्याम मंदिर में एकादशी कीर्तन

श्रीश्याम मंदिरों में एकादशी कीर्तन का खास आयोजन किया जा रहा है . श्रीश्याम मित्र मंडल के प्रथम महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि श्रीश्याम मंदिर, हरमू रोड में सुबह विशेष पूजन-अनुष्ठान किए जायेंगे . रात साढ़े नौ बजे से भजन-संकीर्तन की जायेगी . मुख्य यजमान राजेश पत्नी सारिका सिंघानिया संग सपरिवार अखंड ज्योति प्रज्जवलित कर कीर्तन की शुरुआत करेंगे . श्रीश्याम मंडल और श्रीश्याम संघ की ओर से भी एकादशी कीर्तन किया जाएगा . श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर तिरुपति बाला जी मंदिर में विशेष पूजन-अनुष्ठान किए जायेंगे .

हॉकी चैंपियनशिप के दोनों वर्गों के फाइनल में झारखंड

संवाददाता।रांची

दूसरी सब जूनियर ईस्ट जॉन हॉकी चैंपियनशिप 2024 में दोनों वर्गों के फाइनल में झारखंड ने प्रवेश कर लिया. मंगलवार को खेले गए सेमी फाइनल मुकाबले में झारखंड महिला टीम ने बिहार को 4-0 से मात दी.

झारखंड की ओर से सुगन सांगा ने शानदार प्रदर्शन किया. वहीं दूसरी ओर झारखंड पुरुष हॉकी टीम ने मणिपुर को 6-3 गोल से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया. पुरुष टीम के निकोलस टोपनो को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया. इस जीत के साथ झारखंड की दोनों टीमें फाइनल में प्रवेश कर गईं. बुधवार को दोनों ही टीम अपना फाइनल मुकाबला ओडिशा के साथ खेलेगी. फाइनल में पहुंचने पर हॉकी झारखंड और खेल विभाग के समस्त पदाधिकारियों ने बधाई तथा अगले मैच के लिए शुभकामनाएं दीं. बता दें 24 से 31 जुलाई तक प्रतियोगिता का आयोजन असम के गुवाहाटी में होगा.

ब्रीफ खबरें

नामकुम में मोबाइल टावर से 48 पीस बैट्री की चोरी

नामकुम। खरसीदाग ओपी क्षेत्र के कोच बोंग स्थित मोबाइल टावर से चोरों ने 48 पीस बैट्री चुरा ली. घटना सोमवार देर रात की है. वहीं बैट्री चोरी होने से टावर साइड डाउन हो गया. इस मामले में इंदु टावर लिमिटेड कंपनी के टेक्नीशियन नवनीत कुमार हिमांशु ने खरसीदाग ओपी में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है. थाने में दिए आवेदन में नवनीत ने बताया है कि रात लगभग डेढ़ बजे टावर साइड डाउन होने पर जब वे कोचबोंग टावर पहुंचे तो देखा किमात्र 24 पीस बैट्री बची है. इस मामले में ओपी प्रभारी ने बताया कि पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

कुत्ते को बचाने में बाइक सवार दो भाई घायल

मांडर। थाना क्षेत्र के बाजारटांड़ के पास एक कुत्ता को बचाने के दौरान बाइक से गिरकर दो सगे भाई घायल हो गए. घटना मंगलवार शाम की है. बताया जाता है कि सुरसा निवासी जहीर अब्बास और सरताज अंसारी बीजूपाड़ा से काम कर बाइक से अपने घर लौट रहे थे. हादसे में गंभीर रूप से घायल जहीर को मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद रिम्स रेफर कर दिया गया.

नगड़ी पुलिस ने बालू लदे 14 हाइवा जब्त की

पिस्कानगड़ी। थाना क्षेत्र के मेला टिकरा के पास पुलिस ने छापेमारी कर बालू लदे 14 हाइवा को जब्त कर लिया. घटना मंगलवार की भोर चार बजे की है. बताया जाता है कि एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को मिली गुप्त सूचना पर नगड़ी थाना प्रभारी अभिषेक राय ने पुलिस बल के साथ नाकेबंदी कर बालू लदा हाइवा पकड़ा. पुलिस को देखते ही बालू लदे वाहनों के चालक, खलासी सहित बालू तस्कर भाग निकले. इस संबंध में नगड़ी थानेदार ने बताया कि जब्त वाहनों और उनके मालिकों के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिला खनन विभाग को लिखा गया है.

दो गुटों में मारपीट, थाने का किया घेराव, मामला दर्ज

रांची। हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र के इमली पेड़ के मंदिर के समीप दो गुटों में मारपीट के बाद एक गुट के लोगों ने सोमवार देर रात थाने का घेराव किया. मामले को लेकर स्थानीय लोगों ने पुलिस पर गश्त नहीं करने का आरोप लगाया. साथ ही आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सोमवार देर रात को हिंदपीढ़ी थाने पहुंच गए और हंगामा किया. मारपीट में दोनों पक्षों के युवकों को चोट लगी है. एक पक्ष से अब्दुल्ला हसनैन ने मंगलवार को चार नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया है. दूसरे गुट से डेली मार्केट निवासी हर्षित प्रसाद ने अब्दुल्ला हसनैन और दो अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है. पुलिस एक पक्ष से तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है.

मालगाड़ी की चपेट में आने से महिला की मौत

मांडर। ट्रेन मालगाड़ी के चपेट में आने से बाजरा गांव की एक महिला की मौत हो गई. मृतिका की पहचान बाजरा गांव निवासी रूबी खातून उम्र (26) वर्ष के रूप में की गई. घटना टांगरबसली रेलवे स्टेशन के समीप रेलवे ओवर ब्रिज के पास हुई. वह ट्रेन पटरी करोस कर रही थी ओवर ब्रिज के पास अंधेरा के कारण इसी बीच अचानक मोड़ से ट्रेन आ गई. पटरी पर अचानक आए ट्रेन को देख जबतक कुछ समझ पाती. वह ट्रेन की चपेट में आ गई.घटना के खबर मिलते ही गांव के सभी ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच लोगों मे शोक की लहर है.

बेड़ो से उज्जैन के लिए कांवरियों का दल रवाना

बेड़ो। प्रखंड के महादानी मंदिर से कांवरियों का दूसरा जत्था मंगलवार की सुबह 10 बजे उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन और जलाभिषेक करने के लिए रवाना हुआ. इसके पूर्व कांवरियों ने महादानी बाबा की पूजा-अर्चना कर दरबार में मत्था टेका और क्षेत्र में सुख-समृद्धि की कामना की. इस दौरान जय महाकाल और महादानी बाबा के जयघोषों से मंदिर परिसर गुंजायमान रहा. जत्था का नेतृत्व कर रहे सौमित्र शर्मा ने बताया कि कांवरियों का दल एक साथ यहां से क्षिप्रा नदी पहुंचेगा, जहां क्षिप्रा और नर्मदा नदी में स्नानकर भगवान महाकाल का दर्शन कर जलाभिषेक करेगा.

ट्रेन हादसे की कहानी यात्रियों की जुबानी राजखरसावां व बड़ाबाम्बो के बीच हावड़ा-मुंबई मेल हादसा

तेज आवाज के साथ पलट गई बोगी, चारों ओर भयावह मंजर

मौके बचाव व राहत कार्य के लिए मौजूद रेल, प्रशासन व पुलिस के अधिकारी.

ट्रेन डगमगाने लगी और पलट गई

रश्मि बन्सोल.

चक्रधरपुर के रेलवे अस्पताल में इलाजरत युवा कांग्रेस की सदस्य रश्मि बन्सोल अपनी मां आशा कराकर के साथ ट्रेन के एसी कोच ए टू में यात्रा कर रही थी. उन्होंने बताया कि जिस वक्त घटना हुई वह और उसकी मां सो रही थी. ट्रेन लगभग 120 से 130 किलोमीटर प्रतिघंटा की स्पीड में होगी. अचानक ट्रेन डगमगाने लगी और पलट गई.

शौचालय का दरवाजा टूटकर गिरा

साहेब आलम

हावड़ा-मुंबई मेल में हावड़ा से मुंबई की यात्रा कर रहे साहेब आलम ने बताया कि वह ट्रेन के एसी कोच बी-5 में यात्रा कर रहे थे. ट्रेन जब दुर्घटना ग्रस्त हुई उस वक्त वे ट्रेन के शौचालय में थे. ट्रेन जोरदार धक्के के साथ पलट गई. इससे शौचालय का दरवाजा टूटकर उनपर जा गिरा. इसके बाद वे टूटे दरवाजे को अपने ऊपर से हटाकर बाहर निकले.

पत्थर से रगड़ाने की आवाज आयी

सुमनदीप

कोलकाता निवासी सुमनदीप नाथ ने बताया कि वे अपने मित्र प्रदीप अग्रवाल के साथ हावड़ा से मुंबई जा रहे थे. दोनों ट्रेन के अंतिम छोर में जेनरल डिब्बे में सवार थे. घटना के वक्त दोनों दोस्त आपस में बात कर रहे थे. इस बीच अचानक ट्रेन की पहियों के पत्थर से रगड़ाने की आवाज आयी और मानो जोरदार धक्का हुआ हो.

ट्रेन में आग लगने की फैली थी अफवाह

माधव मंडल.

हावड़ा-मुंबई मेल में हावड़ा से मुंबई अपनी पत्नी के इलाज के लिए जा रहे हावड़ा के उलीबेड़िया निवासी माधव मंडल ने बताया कि जिस वक्त ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हुई वे सो रहे थे. दुर्घटना होने के बाद वे और उनकी पत्नी सीट से नीचे गिर गये. इससे उनके सिर में चोट पहुंची. वहीं पत्नी सरस्वती मंडल के भी शरीर के अंदरुनी हिस्सों में चोट लगी.

शंभू कुमार । चक्रधरपुर

राजखरसावां व बड़ाबाम्बो रेलवे स्टेशन के बीच मंगलवार अहले सुबह लगभग 3 बजकर 45 मिनट पर दुर्घटनाग्रस्त हुई हावड़ा-मुंबई मेल ट्रेन में मौजूद यात्रियों ने बताया कि पहले तीव्र गति के साथ कंपन हुआ. उसके बाद जोर की तेज आवाज के साथ ट्रेन पलट गई. ट्रेन की बोगियों की लाइटें बंद हो गई. अधिकांश यात्री उस वक्त सो रहे थे. इस बीच किसी ने आग लगने की अफवाह भी फैला दी. इससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई. ट्रेनों में सामान बिखर गये थे. एसी कोच के कांच टूटकर ट्रेनों में बिखर गये. कई अपना सामान छोड़कर ट्रेन से नीचे उतरे. ओएचई तार में विद्युत प्रवाह के खतरे के बीच यात्री ट्रेन से जैसे-तैसे नीचे उतरे. नीचे उतरने के बाद यात्रियों के सामने चारों ओर अंधेरा था. बोगियां एक-दूसरे पर चढ़ी हुई थी. ओएचई तार आदि जगह-जगह टूटे हुये थे. कई घायल दर्द से कराह रहे थे. ट्रेन के आसपास सभी यात्री जमा हो गये. थोड़ी देर बाद स्थानीय ग्रामीणों का आना शुरू हुआ. सुबह लगभग छह बजे एम्बुलेंस व अन्य वाहनों से घायलों को अस्पताल भेजा गया.

व्रजपात से सात लोगों की मौत, आधा दर्जन झुलसे

- मांडर में चार, चान्हो में दो व रातू में एक की हुई मौत

संवाददाता । मांडर/चान्हो/रातू

मृतक के परिजन रोते हुए.

रांची जिले मांडर,चान्हो व रातू में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से सात लोगों की मौत हो गयी जबकि इस हादसे में आधा दर्जन लोग झुलस गए, जिनको इलाज के लिए मांडर रेफरल अस्पताल ले जाया गया है. इनमें से दो को गंभीर हालत में रांची के रिम्स रेफर कर दिया गया है. बाकी घायलों का उपचार मांडर में ही चल रहा है. मांडर थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांव में मंगलवार दोपहर आकाशीय बिजली की घटना में करीब आठ लोग झुलस गये. इन सभी को मांडर स्थित रेफरल अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने बसकी गांव निवासी नीरज उरांव (36), कैम्बो गांव निवासी संजय एक्का (22) और रातू तिलता के रहने वाले राजेश उरांव (20) को मृत घोषित कर दिया. चान्हो के लुंडरी निवासी तीस वर्षीय देवकी उरांव की भी वज्रपात से मौत हो गई. वहीं चान्हो प्रखंड के ही कंजगी निवासी चालीस वर्षीय सकलू उरांव खेत में मेढ़ बनाने के क्रम में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से झुलसकर घायल हो गए. इलाज के लिए अस्पताल ले जाने के क्रम में मौत हो गई. रातू प्रखंड के थाना क्षेत्र के बिजुलिया में खेत में मंगलवार की शाम करीब 4 बजे खेत में धनरोपनी कर रही मदन बैठा की पत्नी 45 वर्षीया पुष्पा देवी गंभीर रूप से घायल हो गयी. आनन-फानन में उसे वरदान हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी. जबकि कैम्बो के अभिनाश लोहरा (16), लक्षण उरांव (22), धनिया उराईन (45) और रोशनी तिग्गा गंभीर रूप से झुलसे हैं. दूसरी ओर मुड़मा मसमनो गांव में भी आकाशीय बिजली गिरने से किशुन गोप (50) नामक व्यक्ति घायल हो गया.मांडर रेफरल अस्पताल प्रभारी चिकित्सक डॉ. किशोर कुल्लू ने बताया कि वज्रपात की चपेट में आकर झुलसे हुए 8 लोगों को यहां लाया गया, जिनमें जांच के बाद पांच को मृत घोषित किया गया. बाकी घायलों में दो लोगों को रांची रिम्स रेफर कर दिया गया है. इसके अलावा शेष तीन मरीजों का मांडर रेफरल अस्पताल में ही इलाज किया जा रहा है. फिलहाल इन तीनों की हालत स्थिर है. मांडर इंस्पेक्टर जय प्रकाश राणा ने बताया कि घायलों का इलाज चल रहा है. तीनों किसान खेत में काम करते समय आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए थे.

मंगलवार लगभग शाम चार बजे सभी लोग खेत में रोपा रोपने गए थे. इसी बीच जोरदार बारिश के साथ आकाशीय बिजली की घटना हुई. बताया जाता है कि रातू तिलता निवासी राजेश उरांव का ससुराल कैम्बो गांव के बिरसा उरांव में घर है. वह तिलता से रोपा रोपने के लिए अपने ससुराल आया था लेकिन उनकी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई. इस घटना के बाद कैम्बो और बसकी गांव में मातम छाया है.

बुढ़मू में दो वारंटियों को पुलिस ने भेजा जेल

बुढ़मू। बुढ़मू पुलिस ने दो वारंटियों मतवे निवासी समसुद्दीन अंसारी और जाबिर अंसारी को गिरफ्तार कर मंगलवार न्यायिक हिरासत में भेज दिया. दोनों आरोपियों पर गांव के एक व्यक्ति को जान मारने की नियत से हमला करने का आरोप है.

बीपीओ को प्रभार मुक्त कर रोका गया वेतन

सोनाहातू। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी विमलकांत झा को प्रभार मुक्त कर दिया गया है. साथ ही वेतन पर भी रोक लगा दी गई है. इसका आदेश रांची जिला शिक्षा अधीक्षक मिथलेश केरकेट्टा ने जारी कर दिया है.प्रखंड के बारूहातू प्राथमिक विद्यालय के एक छात्र से सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन के नाम पर 1500 रुपये की घूस ली गई थी. मामला सोशल साइट पर काफी वायरल हुआ. मामले को लेकर सोनाहातू के जिला परिषद सदस्य मंजू सिंह मुंडा ने जिला शिक्षा अधीक्षक रांची को ज्ञापन देकर मामले की जांच करते हुए कार्रवाई की मांग की थी. जिला शिक्षा अधीक्षक ने प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी से स्पष्टीकरण की मांग की थी. समय पर स्पष्टीकरण समर्पित नहीं करने पर प्रखंड शिक्षा प्रचार पदाधिकारी विमलकांत झा के खिलाफ कार्रवाई की गई है.

नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई करें : डीआईजी

एसपी के साथ समीक्षा करते उत्तरी छोटानागपुर रेंज डीआईजी सुनील भास्कर.

संवाददाता । हजारीबाग

उत्तरी छोटानागपुर रेंज के डीआईजी सुनील भास्कर ने मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में जिलावार अपराध की समीक्षा की. बैठक में हजारीबाग, गिरिडीह, कोडरमा, चतरा एवं रामगढ़ के एसपी शामिल रहे. समीक्षा बैठक के दौरान डीआईजी ने नक्सलियों और संगठित आपराधिक गिरोह के अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए.

इसके अलावा हत्या, डकैती, लूट, चोरी, गृहभेदन, आर्म्स एक्ट, फिरौती के लिए अपहरण, रंगदारी, बलात्कार, पॉक्सो एक्ट, एससी-एसटी एक्ट से संबंधित कांडों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई. डीआईजी ने इनने से कांडों का शीघ्र निष्पादन करने को कहा. वहीं, अपने-अपने जिले में धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया.

जिले में प्रवेश और निकासी के मार्गों को चिह्नित कर वहां बैरेकेडिंग बैरियर लगाने को भी कहा गया. इसके अलावा रात्रि गश्ती और वरीय पदाधिकारियों से चेकिंग करवाने का निर्देश दिया. वहीं विधानसभा चुनाव के दौरान उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए सुरक्षा प्लान बनाने को कहा गया.

चौपारण में चाल धंसने से दो की मौत, दो घायल

चौपारण। प्रखंड के डेबो पंचायत के रेनबो कर्मा स्थित पत्थर खदान में मंगलवार की दोपहर चाल धंस गया. इस हादसे में दो मजदूरों का मौत हो गयी, जबकि दो मजदूर घायल हो गए. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पत्थर खदान में 20 से 25 मजदूर अलग-अलग जगह पर काम कर रहे थे. इसी बीच एक मजदूर, जो पत्थर खदान में ड्रिल का कार्य कर रहा था, अचानक उसके ऊपर खदान का चाल धंस गया. उसे बचाने के लिए तीन मजदूर उसकी तरफ दौड़े और उसे निकालने का प्रयास करने लगे. इसी क्रम में दुबारा चाल धंस गया और तीनों मजदूर भी दब गए. इसके बाद अन्य मजदूरों की मदद से चारों को बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया गया. इनमें एक मजदूर की पहले ही मौत हो चुकी थी, जबकि एक और मजदूर ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. वहीं, अन्य दो घायल मजदूरों की हालत स्थिर बतायी जा रही है. इस हादसे में जान गंवाने वाले मजदूरों की पहचान रेनबो कर्मा गांव निवासी जाफर मियां का पुत्र मो समसुद्दीन अंसारी (45) और सोम भुइयां का पुत्र मनोज भुइयां (25) के रूप में हुई है.

गुमला में ज्वेलर्स दुकान में की गोलीबारी, एक घायल

जांच करती पुलिस व मौजूद भीड़.

संवाददता । गुमला

जिले के टावर चौक स्थित कनक ज्वेलर्स में मंगलवार दोपहर अपराधियों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया. दिनदहाड़े हुई इस घटना में दुकान के मालिक प्रकाश कुमार के हाथ को छूकर गोली निकल गयी. जानकारी के मुताबिक, दो बाइक पर सवार होकर पांच अपराधी दुकान में घुसे और ताबड़तोड़ गोलियां चलाने लगे. वारदात के वक्त दुकान में ग्राहक भी मौजूद थे. गनीमत रही कि किसी ग्राहक को गोली नहीं लगी.

वारदात के बाद अपराधी मौके से फरार हो गये. इसके बाद दुकान के कर्मियों ने घायल आभूषण व्यवसायी को सदर अस्पताल, गुमला में भर्ती कराया. इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची. बताया जा रहा है कि अपराधी डकैती की मंशा से आए थे. इस घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में दहशत का माहौल है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अपराधियों की पहचान और घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है. इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं. इस घटना के पीछे डकैती मकसद भी हो सकता है. फिलहाल, सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है.

उपलब्धि 400 करोड़ की लागत से बननेवाली सैयलो प्रोजेक्ट योजना को धरातल पर उतारने की कवायद

डकरा में रेल लाइन बिछाने का कार्य युद्धस्तर पर शुरू

संवाददाता । डकरा

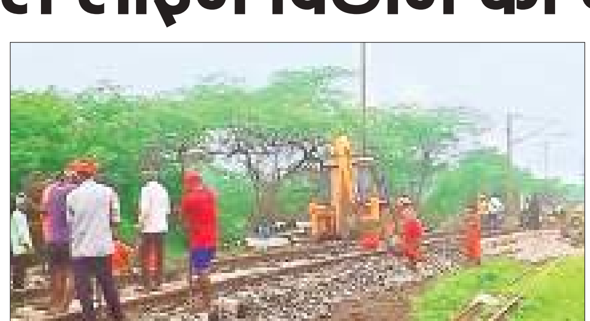

डकरा भूतनगर में रेल लाइन बिछाने का कार्य मे लगे जेसीबी मशीन

कोयला मंत्रालय की फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी परियोजना के तहत सीसीएल एनके एरिया की केडीएच साइडिंग में लगभग 400 करोड़ की लागत से बननेवाली सैयलो प्रोजेक्ट योजना को धरातल पर उतारने की कवायद शुरू हो गई है. वहीं केडीएच साइडिंग से 550 करोड़ की लागत से 10 किलोमीटर नयी रेल लाइन बिछाने का काम राइट्स कंपनी युद्धस्तर पर शुरू कर दिया गया है. रैक के माध्यम से कोयले की ढुलाई को लेकर पुरानी रेल लाइन को दुरुस्त किया जा रहा है. साथ ही मेन लाइन तक दो नई रेल लाइन बिछाने का कार्य भूतनगर में युद्धस्तर पर चल रही है. रेल लाइन भूतनगर से होकर केडीएच वर्कशॉप के पिछले हिस्से से गोलाकार होते हुए रेलवे ट्रैक केडीएच साइडिंग तक जाएगी. जहां खदान के मुहाने से बेल्ट के माध्यम से कंप्यूटराइज प्रणाली के तहत रैक में कोयला लदान का काम होगा. इस परियोजना से सीसीएल को कम खर्च के साथ फास्ट कोयला डिस्पेच व प्रेषण करने में मदद मिलेगी.

राय स्टेशन में स्टेशन परामर्श समिति की हुई बैठक

खलारी। खलारी कोयलांचल क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले खलारी और राय स्टेशन में स्टेशन अधीक्षक की अध्यक्षता में मंगलवार को स्टेशन परामर्श समिति की बैठक आयोजित की गई. जिसमें रेलवे की तरफ से स्टेशन अधीक्षक खलारी जॉन सोरेन, स्टेशन अधीक्षक राय संजीव कुमार, यातायात निरीक्षक, उमेश कुमार, वाणिज्य निरीक्षक, आशुतोष कुमार एवं परामर्श समिति की ओर से शैलेंद्र शर्मा, राम कुमार दुबे, गोपाल महतो, सुबोध कुमार पांडेय, लखन उरांव, कामेश्वर महतो शामिल हुए. परामर्श समिति ने खलारी और राय स्टेशन पर नागरिक सुविधा बढ़ाने को लेकर कई सुझाव रखे. सुझावों में स्टेशनों को अपग्रेट करते हुए अमृत भारत योजना के अंतर्गत विकसित किये जाने, प्लेटफार्म का विस्तारीकरण, स्टेशन पर नया फूट ओवरवीज रैंप के साथ, यात्री शेड की संख्या बढ़ाने, स्वक्ष पेय जल, वेटिंग हॉल, व्हील चेयर व विकलांग बाथरूम, सुरक्षा बढ़ाने, सफाई, प्रकाश, कई ट्रेनों के ठहराव सहित 28 परामर्श समिति के सदस्यो ने रखा.

न्यूज अपडेट

नेशनल स्पोर्ट्स में डीएवी सिल्ली के छात्राओं ने जीता पदक

सिल्ली/मुरी। डीएवी पब्लिक स्कूल खूंटी में नेशनल स्पोर्ट्स (क्लस्टर लेवल - 5) फुटबॉल खेल का आयोजन किया गया था. जिसमें डीएवी सिल्ली के अंडर-19 के छात्रों ने डीएवी खलारी के अंडर 19 के छात्रों को फुटबॉल में हराकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया. सोमवार को स्कूल परिसर में स्कूल प्रबंधन की ओर से सफल छात्रों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर स्कूल प्राचार्या बी. शरण ने कहा की हमारे स्कूल के बच्चे अधिकांशत ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं , जहां उन्हें खेलने के लिए इतनी अच्छी सुविधा नहीं मिलती हैं , इसके बावजूद भी फुटबॉल में स्वर्ण पदक लाना हमारे स्कूल के लिए गौरव की बात है.

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

रातू। थाना क्षेत्र के झखराटांड़ में नव विवाहिता पिंकी देवी ने घर के कमरे में लगे पंखे में साड़ी को फंदा बना उस पर झूल आत्म हत्या कर ली. घटना सोमवार रात की है. मंगलवार की सुबह सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंची. मृतका के शव का पंचनामा कर रिम्स में पोस्ट मार्टम कराने के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया. देर शाम उसकी अंत्येष्ठि कर दी गयी. पिंकी देवी की शादी दो माह पूर्व बजरंग साहू उर्फ रिकू के साथ हुयी थी.

लापता युवक का शव झिरी तालाब से मिला

रातू। पुलिस ने झिरी स्थित पत्थर खदान के एक तालाब से 26 वर्षीय अभिषेक वर्द्धन नामक युवक का शव बरामद किया है. वह बरियातू थाना क्षेत्र के एदलहातु निवासी स्व आशीष वर्द्धन का पुत्र था. परिजनों ने बताया कि अभिषेक सोमवार को घर से निकला और देर रात तक नहीं लौटा. काफी खोजबीन की गयी, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला. इससे विवश होकर उन्होंने बरियातू थाने में गुमसुदगी का संहा दर्ज कराया था.

कांग्रेस नेत्री इंदिरा ने कृषि मंत्री से की मुलाकात

खलारी। कांग्रेस पार्टी की झारखंड प्रदेश सचिव इंदिरा देवी तूरी ने राज्य के कृषि मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह रांची के धुर्वा के आवास में जाकर शिष्टाचार मुलाकात की. इस मुलाकात में कांग्रेस नेत्री ने मंत्री दीपिका पांडेय को कृषि मंत्री बनने पर बधाई दी, साथ ही कृषक मित्रों के मानदेय पर चर्चा की. कृषि मंत्री ने आश्वासन दिया कि जल्द ही किसानों के हित में फैसला लेगी. मंत्री से मुलाकात करने वाले कांग्रेस नेताओं में कांग्रेस प्रदेश कॉर्डिनेटर बिनोद साहू, छात्र नेता कुमार रौशन सहित कई लोग शामिल थे.

झाड़ी से सड़क पर आवागमन हो रहा है बाधित

बुंडू। बुंडू थाना की झाड़ी से थाना के पीछे की सड़क लोगों के आवागमन के लिए बाधित हो रहा है. तेज रफ्तार और आगे का रास्ता नहीं दिखने के कारण कई बार की दुर्घटनाएं भी घटी है. बुंडू थाना परिसर में ही बड़ा महिला थाना भवन बनाया जा रहा है. महिला थाना बनाने वाले ठीकेदार जिस जगह थाना भवन बनाया जाना है उस जगह की झाड़ियों की सफाई करने के उपरांत कचड़ों को पीछेवाली सड़क पर फेंक दिया है. जिसके कारण सड़क और भी संकीर्ण हो गया है .

आरपीएफ ने भारी मात्रा में शराब किया जब्त

रांची। आरपीएफ ने टाटीसिलवे स्टेशन से भारी मात्रा में शराब बरामद किया है. एएसआई रवि शेखर ने मंगलवार को बताया कि ऑपरेशन सतर्क के तहत 47 (शराब की बोतल और केन बियर जब्त किया गया है. उन्होंने बताया कि रांची रेल मंडल के मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश के बाद आरपीएफ टीम लगातार अवैध रूप से शराब और मादक पदार्थों के तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है.

बाहरी भागाओ स्थानीय को जनप्रतिनिधि बनाओः डॉ. भगत

इटकी। प्रखंड में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर समाजसेवी सलीम अंसारी की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय बैठक हुई . जिसमे इटकी प्रखंड के सभी पंचायतों के ग्रामीण मौजूद रहे. बैठक में मुख्य रूप से पूर्व डीडीसी सह समाजसेवी डॉ परमेश्वर भगत शामिल हुए. मौके पर मुख्य रूप मौलाना रफीक साहब, जमाउद्दीन अंसारी, ऊमर कुरैशी, जुबैर कुरैशी, मोहसिन अंसारी, अबुल अंसारी, फैजान अख्तर, शकील अंसारी, साजिद अंसारी, सुजीत एक्का आदि शामिल थे.

पत्रकार के परिवार पर हमले से मीडियाकर्मी आक्रोशित

रातू। रातू के हुरहुरी में रहने वाले पत्रकार शेख मुजिबुल के परिवार पर 28 जुलाई की शाम जानलेवा हमले और दुकान में तोड़फोड़ को लेकर मीडिया कर्मियों का गुस्सा उबाल पर है. आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर रातू, मांडर, चान्हो, बुढ़मू, ठाकुरगांव, नगड़ी और इटकी के दर्जनों पत्रकारों ने मंगलवार की शाम रंगनाथ चौबे की अगुआई में थानेदार शशिभूषण चौधरी से मुलाकात की और घटना पर आक्रोश व्यक्त किया.

लेखन व पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में रूपाली प्रथम

सोनाहातू। राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना परिषद ने डायट रातू में जिलास्तरीय सभी सरकारी और निजी विद्यालयों द्वारा कक्षा 6 से 12 तक के छात्र छात्राओं के बीच किशोरावस्था से संबंधित कॉमिक लेखन एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता विभिन्न विषयों पर आयोजित किए गए थे . जिसमें पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय सोनाहातू की कक्षा इंटर विज्ञान की छात्रा रूपाली कुमारी ने कॉमिक लेखन में प्रथम तथा कक्षा 8 की छात्रा रम्भा कुमारी ने पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है .

सीएम से मिले झारखंड पुलिस एसोसिएशन के लोग

रांची। झारखंड पुलिस एसोसिएशन और झारखंड पुलिस मेन्स एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिला. मुलाकात के दौरान राज्य के पुलिस पदाधिकारियों-कर्मियों को वर्दी भत्ता, राशन भत्ता, वाहन भत्ता और अन्य भत्तों को केन्द्रीय सरकार एवं पड़ोसी राज्य बिहार सरकार के तर्ज पर पुनरीक्षित दर से लागू करने के लिए अनुरोध किया गया. इस संबंध में मुख्यमंत्री ने सभी भत्तों को पुनरीक्षित दर से शीघ्र लागू करने का आश्वासन दिया गया.

कालीचरण ने लोस में उठाया खूंटी बाइपास सड़क निर्माण का मामला

खूंटी। खूंटी के कांग्रेस सांसद कालीचरण मुंडा ने मंगलवार को लोकसभा में खूंटी बाइपास का मुद्दा उठाया. उन्होंने कहा कि खूंटी भगवान बिरसा मुंडा की धरती है. वर्षों से बाईपास सड़क का निर्माण यहां जनता की प्रमुख मांग है. उन्होंने इस दिशा में त्वरित कार्रवाई करने आग्रह सदन में किया. उन्होंने कहा कि इससे खूंटी की जनता को जाम से राहत मिलेगी. सदन को उन्होंने बताया कि खूंटी में चारों दिशाओं के औद्योगिक क्षेत्र से भारी वाहनों का प्रवेश खूंटी की मुख्य सड़क पर होता है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष गुरु मंगल के साथ चंद्रमा उच्च के हैं. अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है. मंदिर में घी का दीपक दिखावें.

वृषभ बाहरी लोगों से पूछ परख बढेगी. पर रोग पर या गलत जगह खर्च होगा. नेत्र संबंधी रोग से बचें. दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य में विलंब होगा. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. पारिवारिक चिंता बनी रहेगी.

मिथुन खर्च अधिक होगा पर आय के लिए दिन उत्तम है. दिखावा में ज्यादा खर्च हो सकता है. विदेश से शुभ समाचार मिलेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. भाग्य का साथ रहेगा. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. निवेश शुभ रहेगा. आय होगी.

कर्क किसी पुराने मित्र से मुलाकात से मन प्रसन्न होगा. आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. नई योजना बनेगी. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी.

सिंह पिता से लाभ का योग है. नए कार्य से लाभ होगा. उनकी आज्ञा से कार्य करें. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे.

कन्या धर्म में मन लगेगा. पर वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा. मेहंदी का दान करें.

तुला मानसिक तनाव होगा. आपके कार्यों के कारण कोई अज्ञात भय सताएगा. पुराना रोग उभर सकता है. भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

वृश्चिक व्यापारिक मित्र या पार्टनर से कोई मतभेद हो सकता है. कोई अच्छा समाचार मिल सकता है. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. व्यर्थ भागदौड़ होगी. कार्य में विलंब होगा. चिंता तथा तनाव रहेंगे. हनुमानजी का ध्यान पूजन करें.

धनु समय सामान्य है. नेत्र रोग या रक्त संबंधित बाधा से बचे. विरोधी सक्रिय रहेंगे. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. आय में वृद्धि होगी. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा.

मकर संतान की देखभाल करें. भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी.

कुंभ कोई बड़ा कार्य या बोलने से पहले विचार आवश्यक है. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा. चोट व रोग से बचें. काला वस्तु का दान करें.

मीन भाई बहन से मतभेद हो सकता है. जुबान पर कन्ट्रोल रखना आवश्यक है. पराक्रम का गलत तरीके से प्रयोग नहीं करे. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. स्त्री पक्ष से लाभ होगा. अज्ञात भय रहेगा.

ग्रामीणों को दी योजनाओं की जानकारी

लातेहार। जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के तत्वाधान में लातेहार प्रखंड के तरवाडीह ग्राम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई. कार्यक्रम में स्वर संगम म्यूजिकल ग्रुप, लातेहार के कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक एवं गीत संगीत के माध्यम से ग्रामीणों को सामाजिक कुरीतियों एवं अंधविश्वास से दूर रहने का अपील की. संस्था के कलाकारों ने नाटक के माध्यम से बताया कि सरकार के द्वारा समाज के तबके के लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही है. मुख्यमंत्री मइंया सम्मान योजना की जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के तहत 21 से 50 वर्ष से कम आयु की महिलाओं को प्रति वर्ष 12 हजार रूपये दी जायेगी.उन्होंने बताया कि सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाती है. आगे बताया कि सरकार ने हड़िया एवं दारू बेचने वाले महिलाओं के लिए फूलों झानो आशीर्वाद योजना लाई है. इसके अलावा उन्होंने पशुधन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार योजना, मुख्यमंत्री हरित योजना आदि की जानकारी.

सुल्लतानगंज में कांवरिया की मौत

सगमा (गढ़वा)। धुरकी थाना क्षेत्र के शारदा गांव निवासी 55 वर्षीय बच्चन पासवान अपने गांव से तीन दिन पूर्व ग्यारह सदस्यों के साथ बाबा धाम के लिए निकला था. इस क्रम में बीते सोमवार की अहले सुबह जल भरने के पूर्व सीढ़ी पर अपने सहयोगियों के साथ स्नान कर रहा था कि अचानक गिर गया. जिससे उसके सर में गंभीर चोट आयी. स्थानीय प्रशासन तथा सहयोगियों की मदद से रेफरल अस्पताल सुल्तानगंज में भर्ती कराया. जहां चिकित्सकों ने बच्चन पासवान को मृत घोषित कर दिया. मौत की खबर दूरभाष के माध्यम से इनके स्वजन को दिया गया. इस घटना के बाद साथ में निकले बाबा धाम जाने वालो साथियों ने बीच रास्ते से ही मृतक का शव लेकर निवास स्थान शारदा गांव मंगलवार लौट गए और मृतक का शव स्वजनों को सुपुर्द कर दिया. शव के देखते ही पूरे घर में कोहराम मच गया. सूचना मिलते ही मृतक के घर सांत्वना देने पहुंची पंचायत के मुखिया कलावती देवी ने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि मृतक मेहनत मजदूरी कर पूरे घर का भरण पोषण करता था. मुझे इसके लिए भारी दुख है.

विधानसभा चुनाव : लोकसभा चुनाव में करारी हार मिलने के बाद भाजपा आलाकमान के निर्णय पर टिकी है अर्जुन मुंडा की नजर

खरसावां विस से अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा लड़ सकती हैं चुनाव

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड में विधानसभा चुनाव होने में अब कुछ ही महीने शेष बचे हैं. इसको लेकर राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं की भी गतिविधियां तेज हो गयी हैं. खूंटी लोकसभा चुनाव में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की करारी हार के बाद राजनीतिक गलियारों में इस बात के कयास लगने शुरू हो गये हैं कि भाजपा, अर्जुन मुंडा को विस चुनाव में उतार सकती है.

गौरतलब है कि हाल के लोस चुनाव में राज्य की सभी पांच आदिवासी आरक्षित सीटों पर भाजपा को मुंह की खानी पड़ी थी. इससे सबक लेते हुए भाजपा आगामी विस चुनाव में पार्टी के दिग्गज आदिवासी नेताओं को मैदान में उतारने की रणनीति बना रही है. इसके अनुसार, विस चुनाव में अर्जुन मुंडा के अलावा सुदर्शन भगत, अरुण उरांव और गीता कोड़ा को पार्टी उम्मीदवार बना सकती है. हालांकि, अर्जुन मुंडा अपने गृह विस इलाके में अपने करीबियों को कह चुके हैं कि पार्टी जो जिम्मेवारी देगी, उसे पूरा करेंगे. लेकिन टिकट नहीं मांगेंगे.

अर्जुन आजमा सकते हैं किस्मतः मुंडा को इस बात का भी डर है कि कहीं लोस चुनाव की तरह ही विस चुनाव में भी परिस्थिति अनुकूल नहीं बनी, तो उनके राजनीतिक भविष्य पर बड़ा डेंट लगेगा. ऐसे में मीरा को खरसावां विस से चुनाव लड़वाया जा सकता है. दूसरी ओर अगर अर्जुन विस का चुनाव लड़ेंगे, तो उनकी प्रथामिकता सरायकेसा विस हो सकती है.

कुर्मी वोटरों की नाराजगी बढ़ा सकती हैं मुश्किलें

लोकसभा चुनाव के पूर्व भाजपा के सरायकेला खरसावां जिला अध्यक्ष विजय महतो के हटाये जाने का असर भी लोकसभा चुनाव में पड़ा था. विजय महतो कुर्मी समुदाय से आते हैं. जिले में कुर्मी वोटरों की सख्या 55000 से अधिक है. महतो वोटरों के बिखराव के कारण लोकसभा चुनाव में खरसांवा विधानसभा से भाजपा पिछड़ गयी थी. वहां के दर्जनों कुर्मी बहुल बूथों में भाजपा 100 वोट भी नहीं ला सकी थी. वहीं, चार बूथों में 10 का आकड़ा भी पार नहीं कर सकी थी.

खरसावां से कौन-कौन संभावित उम्मीदवार

खरसावां विस सीट से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए प्रमुख तौर पर तीन उम्मीदवारों के नाम की चर्चा तेज हैं. इनमें मीरा मुंडा. मीरा, भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति में रह चुकी हैं. अर्जुन मुंडा के चुनाव नहीं लड़ने की सूरत में पार्टी मीरा मुंडा को आगे ला सकती है. वहीं दूसरे दावेदारों में भाजपा एसटी मोर्चा के कोषाध्यक्ष गणेश महली हैं. वह खरसावां विस क्षेत्र के प्रमुख और सक्रिय भाजपा नेताओं में गिने जाते है. वहीं, पूर्व विधायक मंगल सिंह सोय भी टिकट के दावेदारों में से एक हैं.

मुंडा ने कहा है-पार्टी का फैसला ही उनका निर्णय

भाजपा जिला अध्यक्ष उदय सिंह देव कहते है अर्जुन मुंडा से उनके चुनाव लड़ने को लेकर कई बार बात की. उन्होंने साफ कहा है कि पार्टी का फैसला ही उनका निर्णय है. वे खुद टिकट की मांग नहीं करेंगे. वहीं, दूसरे दावेदारों के संबंध में कहा की पार्टी जिसे टिकट देगी, उसके लिए पूरा संगठन काम करेगा. पार्टी में कई नेता हैं, जिनमें मीरा मुंडा, जंयती सोय, मंगल सिंह मुंडा, लाल सिंह मुंडा आदि का नाम शामिल है, लेकिन किसी ने भी अब तक टिकट के लिए अपनी दावेदारी पेश नहीं की है.

मुख्यमंत्री मईंयां सम्मान योजना को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

लाभुकों के चयन को लेकर तीन से पंचायतों में लगेगा शिविर

संवाददाता। मेदिनीनगर

झारखंड मुख्यमंत्री मईंयां सम्मान योजना के तहत 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जानी है. प्रत्येक माह की 15 तारीख तक सरकार बहनों के एकल लिंक्ड बैंक खाते में राशि क्रेडिट करेगी. यह सरकार की बेहद ही महत्वाकांक्षी योजना है . पदाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी लाभुक इस योजना के लाभ से वंचित न रह पाये. यह निर्देश उपायुक्त शशि रंजन ने मंगलवार को समाहरणालय के सभाकक्ष में आयोजित जिला समन्वय समिति की बैठक में सभी पदाधिकारियों को दिया.

उपायुक्त ने कहा कि योजना से लाभुकों को जोड़ने के लिए आगामी 3 से 10 अगस्त तक पंचायत स्तरीय शिविरों का आयोजन होना है. शिविरों के सफल संचालन के लिए सभी जरूरी कार्य समय पर निष्पादित और योजना का व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है.सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा विक्रम आनंद ने कहा कि योजना के लिए आंगनबाड़ी के माध्यम से निःशुल्क आवेदन पत्र उपलब्ध कराया जाएगा. इसका वितरण, जमा करने एवं स्वीकृति तक की सारी कार्रवाई निःशुल्क होगी. आंगनबाड़ी सहायिका,सेविका अपने-अपने क्षेत्र के घर-घर जाकर 21 से 50 वर्ष की महिलाओं को चिन्हित कर आवेदन उपलब्ध करायेंगी .

लाभुकों को आवेदन जमा करने के लिए पंचायतों में लगने वाले शिविर में आना होगा. आवेदनों को पोर्टल में इंट्री करने के लिए वीएलई रहेंगे. आवेदन की स्वीकृति पदाधिकारी के रूप में अधिकृत बीडीओ/सीओ आवेदनों का सत्यापन तीन दिनों के अंदर करके स्वीकृति प्रदान करेंगे.

लाभुकों के लिए पात्रता को सरल रखा गया है. आवेदिका झारखंड की निवासी हों . उनकी आयु 21 वर्ष से अधिक एवं 50 वर्ष से कम हो. आवेदिका का आधार लिंक्ड सिंगल (एकल) बैंक खाता हो. जिनका बैंक खाता आधार लिंक्ड नहीं है वे भी योजना का लाभ दिसम्बर 2024 तक उठा सकतीं हैं. मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड हो. आवेदिका का परिवार झारखण्ड राज्य के अंत्योदय अन्न योजना (पीला राशन कार्ड), पूर्वविक्ता प्राप्त गृहस्थ कार्ड (गुलाबी राशन कार्ड)/केरोसिन ओइल राशन कार्ड (सफेद राशन कार्ड)/हरा रंग का पृथक राशन कार्डधारी हो.

डीसी गरिमा सिंह ने पांच जागरूकता रथ रवाना किये

कार्यशाला भी आयोजित किया गया

लातेहार। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का व्यापक प्रचार प्रसार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को समाहरणालय परिसर से पांच रथ रवाना किया गया. उपायुक्त गरिमा सिंह, उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय शाखा श्रेयांश, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अल्का हेंब्रम ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया. इस जागरूकता रथ के माध्यम से जिला में योजना का प्रचार-प्रसार कर लोगों को जागरूक करने का कार्य किया जाएगा. उपायुक्त ने कहा कि यह सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है. राज्य सरकार द्वारा 21-50 वर्ष की महिलाओं को आर्थिक सहायता के रूप में प्रत्येक माह एक हजार रुपए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी. आवेदिका झारखंड की निवासी होनी चाहिए और उनकी आयु 21 वर्ष से अधिक एवं 50 वर्ष से कम होनी होनी चाहिए. आवेदिका का आधार लिंक्ड सिंगल (एकल) बैंक खाता होना आवश्यक है. जिनका बैंक खाता आधार लिंक्ड नहीं है वे भी योजना का लाभ दिसंबर तक उठा सकतीं हैं. मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड हो.आवेदिका का परिवार झारखंड राज्य के अंत्योदय अन्न योजना (पीला राशन कार्ड), पूर्वविक्ता प्राप्त गृहस्थ कार्ड (गुलाबी राशन कार्ड)/केरोसिन ओइल राशन कार्ड (सफेद राशन कार्ड)/ हरा रंग का पृथक राशन कार्ड धारी होना चाहिए. इससे पहले समाहरणालय के सभागार में इस योजना को ले कर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया. इसका उदघाटन उपायुक्त ने दीप जला कर किया.

अवैध खनन के कारण कई पहाड़ों का अस्तित्व खतर में

विशेष संवाददाता। रांची

अवैध खनन के कारण राजधानी रांची समेत कई पुराने एवं ऐतिहासिक पहाड़ों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है. यह सवाल भाजपा विधायक बिरंची नारायण ने सदन में अल्पसूचित प्रश्न में उठाया. उन्होंने मामले को उठाते हुए कहा कि संथाल के साहिबगंज, पाकुड़, दुमका, राजधानी रांची, रामगढ़ और पलामू सहित झारखंड के अधिकत्तर जिलों में साढ़े चार साल से अवैध खनन जारी है. इसके कारण इन पहाड़ों का अस्तित्व खत्म सा हो गया है. इन पहाड़ो की जगह अब बड़े-बड़े गड्ढे बचे हैं. विधायक ने जानना चाहा कि क्या सरकार व्यापक स्तर पर जनहित में ऐसे पहाड़ों को अवैध खनन और परिवहन कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले पत्थर माफियाओं और इसमें संलिप्त पदाधिकारियों के विरूद्ध कठोर कारवाई करेगी.

इन पहाड़ों का अस्तित्व हो चुका है खत्म

विधायक ने बताया कि साहिबगंज का नींबू पहाड़, रांची का नामकुम राजाउलातु, उनीडीह, महादेव टोली पहाड़, बजरा पहाड़, ओरमांझी-रामगढ़ रोड स्थित चुटूपालू घाटी के खिराबेड़ा पहाड़, बहरागोड़ा का ज्योति पहाड़ आदि शामिल हैं. यहां से अरबों रूपए के पत्थर-स्टोन चिप्स की सरकारी झारखंड के विभिन्न जिलों सहित पड़ोसी राज्यों में की गयी तथा अब इन पहाड़ों के गायब होने पर पहाड़ों की उक्त खाली जमीन को समतल कर कई लोग अवेध कब्जा कर घर और कॉलोनियां बना रहे हैं. सरकार की ओर जवाब दिया गया कि राज्य में पत्थर सहित सभी खनिजों के अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए जिला स्तर पर खनन टॉस्क फोर्स गठित है.

दबंगों की ग्रामीणों ने की पिटाई रास्ता रोके जाने से बढ़ा विवाद

संवाददाता। चंदवा (लातेहार)

थाना क्षेत्र के माल्हन पंचायत में मध्य विद्यालय, गनियारी के रास्ते को गांव के ही कुछ दबंगों ने मिलकर गड्ढा खोदकर बंद करने का प्रयास किया. इस घटना से गांव के लोगों में आक्रोशित हो गये. ग्रामीण विद्यालय स्थल पर जमा होने लगे. ग्रामीणों का कहना है कि यह जमीन गैर मजरूआ भूमि है. इसे हम लोग विद्यालय के बच्चों के लिए खेल का मैदान बनाना चाहते हैं. जबकि गांव के दबंग किस्म के लोग जमीन को अपने निजी उपयोग में लेना चाहते हैं. इसी मुद्दे पर सोमवार की देर शाम विवाद बढ़ा. इसके बाद ग्रामीणों ने कुछ दबंगों की पीटायी कर दी. मंगलवार को गांव के ग्रामीण विद्यालय परिसर में बैठक कर उपयुक्त लातेहार के नाम एक ज्ञापन देने का निर्णय लिया. विद्यालय प्रबंधन समिति को भी इस घटना का लिखित शिकायत की गयी है ताकि विभाग के अधिकारियों को सूचित किया जा सके.

डीसी ने जनता दरबार में सुनी शिकायतें

लातेहार । समाहरणालय में आयोजित मंगलवारीय जनता दरबार में उपायुक्त गरिमा सिंह ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये ग्रामीणों की समस्याओं को सुना एवं उसके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया. जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आये ग्रामीणों ने अपनी-अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा. उपायुक्त ने क्रमवार तरीके से सभी की शिकायतों को सुना और शीघ्र निष्पादन का आश्वासन दिया. जनता दरबार में कुल 19 आवेदन प्राप्त हुए. इनमें मुआवजा, नियोजन, जमीन रसीद, वृद्ध पेंशन, अबुआ आवास, ग्रीन कार्ड और पीला कार्ड आदि से संबंधित आवेदन शामिल थे. उपायुक्त ने आवेदनों को संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को अग्रसारित कर शीघ्र निष्पादित करने का निर्देश दिया. उन्होने कहा कि जनता दरबार में आये मामलों को अधिकारी गंभीरता से ले और प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का निष्पादन करें.

रेल जीएम ने पत्रकारों को किया संबोधित, बोले-

घटना में आठ लोग घायल हो गए हैं रेलवे अस्पताल में 23 लोग इलाजरत

संवाददाता। चक्रधरपुर

चक्रधरपुर रेल मंडल के राजखरसावां व बड़ाबाम्बो रेलवे स्टेशन के समीप पोटोबेड़ा गांव के समीप मंगलवार सुबह लगभग 3.45 बजे 12810 हावड़ा-मुंबई मेल ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त हो गई. इसके बाद दोपहर लगभग 12.30 बजे दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने पत्रकारों को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि घटना में दो लोग मारे गये हैं, जबकि आठ लोगों को हल्की चोटें आयी हैं, लेकिन स्थिति कुछ और थी. इस घटना के बाद चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में ही 23 घायलों को इलाज के लिए भर्ती कराया गया. इसमें अधिकांश यात्री हावड़ा से मुंबई के लिए यात्रा कर रहे थे. रेल जीएम के पत्रकारों को दिया गया बयान चर्चा का विषय बना रहा.

रेलवे अस्पताल में इलाजरत घायलों की सूची : ट्रेन दुर्घटना के बाद घायल यात्रियों को इलाज के लिए चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. सभी घायलों को एम्बुलेंस व रिलिफ ट्रेन से चक्रधरपुर लाया गया था. इसमें चक्रधरपुर रेलवे अस्पताल में इलाजरत घायलों में 52 वर्षीय निमाय प्रमाणिक, 40 वर्षीय राजू शेख, 66 वर्षीय बादल कुमार दास, 47 वर्षीय रश्मि बन्सोल, 36 वर्षीय प्रदीप अग्रवाल, 67 वर्षीय आशा कराकर, 23 वर्षीय सुमन देवनाथ, 34 वर्षीय साहेब आलम, 36 वर्षीय सुजय दास, 29 वर्षीय हारुल शेख, 50 वर्षीय नसीमउद्दीन हक, 57 वर्षीय सबिता दास, 55 वर्षीय एके अनिल, 41 वर्षीय कमलेश साव, 40 वर्षीय आफताब अंसारी, 34 वर्षीय कमल किशोर होरो, 35 वर्षीय अंशु राज पासवान, 49 वर्षीय सरस्वती मंडल, 54 वर्षीय सुभाशीष मंडल, 48 वर्षीय मुकनंता पांडेय, 32 वर्षीय प्रसन्नजीत दत्ता, 43 वर्षीय विश्वनाथ मैती शामिल हैं. सभी घायलों के सिर व शरीर के अन्य हिस्से में चोटें पहुंची हैं.

ज्योति आईटीआई में टाटा मोटर्स ने किया अप्रेंटशिप का आयोजन

मेदिनीनगर । कांदू मोहल्ला स्थित ज्योति आईटीआई में देश की प्रमुख कंपनी टाटा मोटर्स जमशेदपुर ने अप्रेंटिसशिप का आयोजन किया. साक्षात्कार में आईटीआई उत्तीर्ण पलामू प्रमंडल व निकटवर्ती कई जिलों के लगभग 400 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया, जिसमें से 120 प्रशिक्षणार्थियों का टाटा मोटर्स जमशेदपुर में अप्रेंटिसशिप के लिए चयन किया गया. कंपनी के साक्षात्कार अधिकारियों ने ज्योति आईटीआई के प्रशिक्षणार्थियों और संस्थान के अनुदेशक गण की सराहना करते हुए कहा कि यहां के अनुशासन, कार्य व्यवस्था और पूरे संस्थान का मैनेजमेंट बहुत ही सराहनीय है. यहां के प्रशिक्षणार्थियों की जानकारी और गुणवत्ता इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग के लिए अति उत्तम है. मौके पर संस्थान के सचिव ज्योति पांडे ने बताया कि अप्रेंटिसशिप बच्चों को जीवन की वास्तविक दुनिया का अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है.

सरकार के संरक्षण में मतांतरण का खेल है जारी है : बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य की झामुमो कांग्रेस सरकार के संरक्षण में मतांतरण का खेल बड़े पैमाने पर जारी है. सरकार चुप है, प्रशासन मौन धारण किए हुए है, जनता परेशान है और झारखंड में मतांतरण को रोकने का नहीं कोई समाधान है. जेएमएम और कांग्रेस की गठबंधन सरकार में मतांतरण के मामले आए दिन सामने आ रहे हैं. झारखंड में जबरन धर्म परिवर्तन कराना एक प्रथा बन गई है. वोटबैंक की राजनीति करने के लिए एक खास समुदाय को हेमंत सरकार ने हिम्मत दे रखी है, डराने की, धमकाने की और जान लेने की.

घर में घुसकर महिला से की जा रही छेड़छाड़ : मरांडी ने कहा कि धनवार प्रखंड के गुआखंडहर ग्राम से ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां विकास रविदास और उनकी पत्नी को जबरन धर्म परिवर्तन के लिए विवश किया जा रहा है. मना करने पर राज्य सरकार के संरक्षण में पल रहे गुंडों द्वारा घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़ की जा रही है,जातिसूचक गलियां दी जा रही है तथा धमकी दी जा रही है कि तुमलोग इस्लाम कुबूल नहीं करोगे तो जान से मारकर, तुम्हारे बच्चों को इस्लाम कुबूल करवाएंगे. पहले आदिवासी परिवार की महिलाओं से जबरन शादी और फिर धर्म परिवर्तन कराया गया, मना करने पर हत्या कर टुकड़े टुकड़े करके फेंका गया, अब दलित परिवारों के साथ भी यही हो रहा है। वोटबैंक की राजनीति करने वाली इस सरकार में प्रदेश का कोई भी आदिवासी, कोई भी हिन्दू सुरक्षित नहीं है.

वारदात **हुसैनाबाद थाना के दरुआ गांव के नोनिया बिगहा टोला में भूमि विवाद में चली गोली**

पिता-पुत्र पर रिश्तेदारों ने चलाई गोली, पिता को लगी गोली, पुत्र घायल

संवाददाता। पलामू

जिले के हुसैनाबाद थाना के दरुआ गांव के नोनिया बिगहा टोला में भूमि विवाद को लेकर गोली चल गई, जिसमें पिता के हाथ में गोली लग गई. पुत्र भी जख्मी है. दोनों पर उनके रिश्तेदारों द्वारा हमला किया गया. शुरुआती मारपीट में गोली मारने की पुष्टि नहीं हुई थी, लेकिन बाद में इसकी जानकारी हुई. इसके बाद एफआईआर भी बदल गया. बताया जाता है कि दरुआ गांव निवासी संतोष कुमार सिंह अपने खेत में काम कर रहे थे, उसी क्रम उनके चाचा और चचेरे भाई वहां पहुंचे और उन पर लोहे के पाइप से हमला कर दिया. इस हमले में संतोष कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए. गोली भी चली. गोली हाथ में लगी. खबर मिलने पर संतोष कुमार सिंह के पुत्र आयुष्मान सिंह ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन हमलावरों ने उन पर भी लोहे के पाइप और रामी से हमला कर दिया. इस बीच, गांव के अन्य लोग मौके पर पहुंचे और झगड़ा शांत कराया. ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए संतोष कुमार सिंह और आयुष्मान सिंह को घायल अवस्था में अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद में भर्ती कराया. सूचना मिलने पर हुसैनाबाद पुलिस अस्पताल पहुंची और दोनों घायलों का बयान दर्ज किया. आयुष्मान सिंह ने थाने में आवेदन देकर गांव के अंजनी सिंह, विजय सिंह, प्रिंस सिंह, और उपेंद्र सिंह पर सामूहिक रूप से पिटाई करने एवं गोली मार देने का आरोप लगाया है. पुलिस ने आवेदन के आधार पर चारों आरोपियों के खिलाफ मंगलवार को मामला दर्ज कर लिया है. संतोष कुमार सिंह और उनके पुत्र आयुष्मान सिंह को बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया. यहां संतोष कुमार सिंह की गंभीर हालत को देखकर रांची रिम्स रेफर किया गया. घटना के पीछे भूमि विवाद बताया जा रहा है. पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और जल्द ही दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी.

पलामू में नाबालिग को भगा ले जाने के आरोपी को भेजा जेल

पलामू। जिले के तरहसी थाना क्षेत्र के पाठक पगार पंचायत क्षेत्र की 14 वर्ष की नाबालिग लड़की को प्रेम प्रसंग में शादी की नियत से भगा ले जाने के आरोप में चैनपुर के झरिवा का युवक महफूज अंसारी को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया. गत 27 जुलाई की रात में महफूज पाठक पगार की 14 वर्षीया किशोरी को उसके घर से भगा ले गया था.

परिजनों की खोजबीन के क्रम में पता चला कि महफूज अंसारी नाबालिग को भगा ले गया है और इस घटना की जानकारी आरोपित के पिता, मां, बहनोई को भी है. किशोरी का भाई गांव के कुछ लोगों के साथ खोजबीन के क्रम में चैनपुर से झरिवा पहुंचा और आसपास खोजबीन की तो रानीताल डैम के समीप से किशोरी को महफूज के साथ एक ऑटो में पकड़ा और उन्हें लेकर वापस लौट गया. थाने को सुर्पुद कर दिया. किशोरी के पिता ने थाने में महफूज के अलावा अन्य लोगों पर मामला दर्ज कराया था.

पेज एक का शेष...

जिनकी जाति का पता नहीं...

जिस पार्टी ने अपने अध्यक्ष को धोती खींच कर बाहर निकाल दिया हो, जो एक पिछड़े समाज से आते थे, उनके शहजादे हमें ज्ञान बांट रहे हैं. उन्होंने कहा, जिनकी जाति का पता नहीं, वो जाति जनगणना की बात करते हैं. अनुराग के इस बयान से विपक्षी सांसद बेहद नाराज होकर हंगामा करने लगे. हालांकि अनुराग ठाकुर ने अपने बचाव में कहा कि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया. अनुराग ने कहा कि एक नेता ने यहां खड़े होकर कमल पर कटाक्ष किया. न जाने कमल से उनको क्या विरोध है? कमल का पर्यायवाची राजीव है. कमल को बुरा दिखाने का प्रयास किया गया. चूंकि कमल से जुड़ा हुआ नाम राजीव भी है और आप सब जानते हैं कि राजीव किसका नाम है. अनुराग ने सीधे-सीधे राहुल गांधी के पिता और पूर्व पीएम राजीव गांधी की ओर इशारा किया. आप सिर्फ रील का नेता मत बनिए, मीम्स आपके खूब बनते हैं. रीयल नेता बनने के लिए सच बोलना पड़ता है. उन्होंने आगे राहुल को उनका नाम लिए बिना एक्सिडेंटल हिंदू भी कहा. कुछ लोग एक्सिडेंटल हिंदू हैं और महाभारत का ज्ञान भी एक्सिडेंटल है.

आप मुझे गाली दें...

राहुल गांधी ने महाभारत का जिक्र करते हुए कहा कि, स्पीकर सर, जो भी दलितों की बात उठाता, उसे गाली खानी ही पड़ती है. मैं ये सब गालियां खुशी से खाऊंगा. महाभारत की बात हुई, तो अर्जुन को सिर्फ मक्खी की आंख दिख रही थी, तो हमें जातीय जनगणना चाहिए, वह हम करा के रहेंगे. इसके पीछे चाहे मुझे कितनी भी गाली दी जाए. राहुल गांधी ने कहा कि अनुराग ठाकुर जी ने मुझे गाली दी है, लेकिन मुझे उनसे कोई माफी नहीं चाहिए.

कब थमेगा हादसों का सिलसिला?

रेल हादसों का सिलसिला आखिर कब थमेगा? बारबार हो रहे रेल हादसों ने लोको पाइलटों के उन सवालों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत पर बल दिया है, जिसे राहुल गांधी से दो मुलाकातों में उठाया गया है. रेल हादसे केवल मानवीय भूल नहीं हैं. इसलिए जरूरी है कि इसकी उच्च स्तरीय जिम्मेदारी भी तय की जाए. रेल मंत्रालय को अपनी खामियों को भी गंभीरता से स्वीकार करने की जरूरत है और रेल यात्रियों में भरोसा पैदा करने की भी. देश में लगातार हो रहे रेल हादसों को लेकर विपक्ष ने केंद्र सरकार को घेरना शुरू कर दिया है. ममता बनर्जी ने एक्स पर पोस्ट किया कि आखिर भारत सरकार की संवेदनहीनता का अंत कब होगा? वहीं सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार रेल हादसों का रिकॉर्ड बना रही है. झामुमो और शिवसेना ने भी सरकार पर हमला किया. हर हफ्ते घटनाएं हो रही हैं. विपक्ष का सवाल है कि क्या यही शासन है? हावड़ा-मुंबई मेल झारखंड के चक्रधरपुर डिवीजन में पटरी से उतर गई. कई मौतें और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं. यह बेहद दुखद है. विपक्ष सवाल पूछ रहा है कि रेलवे ट्रैक पर मौत और यात्रियों के घायल होने का यह सिलसिला कब तक चलेगा? सुरक्षा और संरक्षा का इतना बड़ा बजट होने के बाद भी इतने रेल हादसे क्यों हो रहे हैं? आम लोगों को सुविधाएं नहीं मिल रही हैं. आगे ऐसे हादसे न हों, उसके पुख्ता इंतजाम करने की जरूरत है. झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में मंगलवार तड़के ट्रेन नंबर 12810 मुंबई-हावड़ा मेल के 18 डिब्बे पटरी से उतर गए. घटना में दो लोगों की मौत की खबर है. वहीं, 20 यात्री घायल हो गए. कुल घायलों में पांच लोगों को हल्की चोटें आई हैं और उनका घटनास्थल पर ही इलाज कर दिया गया. 2014 से ले कर अब तक 643 रेल हादसे हो चुके हैं. आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि रेल संरक्षा में कुछ गंभीर कमियां हैं. इसके साथ ही लोको पाइलटों के काम के घंटे और उनकी सुविधाओं की कमी का सवाल भी है. रेल संचालन को हादसा मुक्त बनाने के लिए जरूरी है कि रेल मंत्रालय दुर्घटनाओं पर एक श्वेत पत्र जारी करे और देश को विश्वास में ले. रेलवे को न केवल अधुनातन बनाने की चुनौती है, बल्कि उसे दुर्घटना मुक्त बनाने का तंत्र भी विकसित करना है. 2 जून 2023 को बालासोर, ओडिशा में हुआ भयावह हादसा देश के हाल के इतिहास में सबसे बड़ा है. यहां तीन ट्रेनों की भीषण टक्कर में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी और 1000 से ज्यादा लोग घायल हुए थे. 29 अक्टूबर 2023 को आंध्र प्रदेश के अलमांडा-कंथकपल्ली में दो पैसेंजर ट्रेनों की टक्कर में 14 यात्रियों की मौत हो गई और कई घायल हुए. हादसे का कारण एक ट्रेन का दूसरी ट्रेन को पीछे से टक्कर मारना बताया गया था. इन बड़ी रेल दुर्घटनाओं से भी सबक नहीं सीखा जा सका है. आमतौर पर हादसों के लिए ड्राइवरों की गलती, रेलवे ट्रैक पर तोड़फोड़, सिग्नलमैन की लापरवाही और मशीनी खराबी बता कर मंत्रालय अपना बचाव कर लेता है. मूल सवाल पीछे रह जाते हैं.

> रेल संचालन को हादसा मुक्त बनाने के लिए जरूरी है कि रेल मंत्रालय दुर्घटनाओं पर एक श्वेत पत्र जारी करे और देश को विश्वास में ले. रेलवे को न केवल अधुनातन बनाने की चुनौती है, बल्कि उसे दुर्घटना मुक्त बनाने का तंत्र भी विकसित करना है.

सुभाषित

माता मित्रं पिता चेति स्वभावात् त्रितयं हितम्।
कार्यकारणश्चान्ये भवन्ति हितबुद्धयः॥

माता, पिता और मित्र तीनों ही स्वभावतः ही हमारे हित के लिए सोचते हैं, वे हमारे हित करने के बदले में किसी प्रकार की अपेक्षा नहीं रखते. इन तीनों के सिवाय अन्य लोग यदि हमारे हित की सोचते हैं तो वे उसके बदले में हमसे कुछ न कुछ अपेक्षा भी रखते हैं.

दमदार है राहुल का नया अवतार

भाजपा ने जिस शिद्दत के साथ राहुल गांधी को पप्पू की छवि में कैद कर रखा था, राहुल ने उसे फाड़ कर रख दिया है. नये अवतार वाले राहुल गांधी को देखना सुखद है. वह मोदी के सामने ही कहते हैं कि मोदी जी जन्म हुआ ही नहीं, उनका अवतार हुआ है, उनका संबंध सीधे भगवान से है. वह बायोलॉजिकल नहीं हैं. इस अवतार में दम दिखता है.

आज से दो साल पहले जब मैंने कहीं लिखा था कि राहुल गांधी बदल रहे हैं तो लोगों को मेरी समझ पर शक होने लगा था. एक ने तो यहां तक कहा था कि थोड़ा गांधी खानदान को दोबारा पढ़ लें. अब यह देख कर सुकून हो रहा है कि सावरकर की विचारधारा को मानने का दावा करने वाले वह शख्स राहुल गांधी के वीडियोज को बड़े ध्यान से देख रहे हैं, लेकिन उसमें कहां नुक्स निकालें, ये उनकी खोपड़ी में आ ही नहीं रहा. शायद आइंदा वह गांधी खानदान के योगदान को फिर से पढ़ने का प्रयास करेंगे. तो, राहुल गांधी की इमेज बदल रही है. यह मैं ही नहीं कह रहा. दृष्टि आईएएस कोचिंग के कर्ताधर्ता विकास दिव्यकृति भी कह रहे हैं. विकास दिव्यकृति न तो कांग्रेसी हैं, न भाजपाई और न ही सितारा-हंसिया-धान छाप वाले. वह शुद्ध रूप से शिक्षक हैं, मोटिवेटर हैं. विकास दिव्यकृति ने राहुल गांधी को देखा है, पढ़ा है, जाना है, समझा है. राहुल ही नहीं, उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, योगी आदित्यनाथ आदि को भी गंभीरता से देखा, पढ़ा, समझा और सुना है. तो, सिर्फ विकास दिव्यकृति ही नहीं, दुनिया भर के टिप्पणीकारों का यह मानना है कि राहुल गांधी की जो पप्पू वाली छवि मोदी सरकार के चंद मंत्रियों-कारपोरेट ने करोड़ों रुपये खर्चने के बाद बनाई थी, वह भारत जोड़ो यात्रा पार्ट वन में बुरी तरह धराशायी हो गई और भारत जोड़ो यात्रा पार्ट टू अथवा न्याय यात्रा में राहुल एक नई छवि के साथ भारत के नौजवानों को लुभा रहे हैं. यह याद रखने वाला तथ्य है कि आइएसडीएस के सर्वे में यूपी में लोकसभा चुनावों के दौरान किये गए सर्वे में उन्हें देश के प्रधानमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा वोट मिले थे. वह प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता से भी आगे निकल चुके थे. इससे यह पता चलता है कि उनकी पहले वाली इमेज टूट-फूट कर कबकी बिखर चुकी है और अब एक नई, बहुत ही अग्रेसिव छवि के साथ वह कांग्रेस पार्टी को अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ चला रहे हैं. दरअसल, राहुल कभी पप्पू थे ही नहीं. भाजपा ने उन्हें पप्पू के चोले में कैद किया था. अन्यथा, लोगों को मालूम है कि इधर से आलू डालो और उधर से सोना निकलेगा, किसने कहा था और उसके आगे-पीछे को कैसे कट-पेस्ट करके राहुल गांधी पर चिपकाया गया था. जिन्हें नहीं पता उन्हें अब तो पता हो ही जाना चाहिए कि वह अपने माननीय प्रधानमंत्री का ही स्टेटमेंट था. प्रधानमंत्री पहले भी नाले के गैस से चाय बना कर गुजरातियों को पिलाते रहे हैं, इस तथ्य से शायद ही आप नावाकिफ हों. तो, इस नए राहुल गांधी के अंदर डर नाम की कोई चीज नहीं है. कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत हों या फिर उत्तर प्रदेश प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष विश्वविजय सिंह, इनके डीपी को देखें तो वहां साफ लिखा है-डरो मत. यानी, डरना नहीं है. इसी लोकसभा सत्र में, जब राहुल गांधी को नेता विपक्ष चुना गया तो उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का संबंध सीधे भगवान से है... वह बायोलॉजिकल नहीं हैं... उनका जन्म हुआ ही नहीं...उनका तो अवतरण हुआ है. लोकसभाध्यक्ष ने जब उन्हें टोका तो राहुल गांधी ने उन्हें भी टका सा जवाब दिया कि आप मुझे टोकिये मत. मैं तो वही कह रहा हूं, जो मोदी जी ने अपने श्रीमुख से कहा है. वह यहीं नहीं रुके. उन्होंने लोकसभाध्यक्ष को भी लपेटे में लिया और कहा कि आप डबल स्टैंडर्ड करते हैं. आप मोदी जी के सामने झुकते हैं और मेरे सामने सीना तान कर खड़े हो जाते हैं. प्रधानमंत्री के सामने किसी लोकसभाध्यक्ष को 45 डिग्री तक झुकते देखना बेहद दुखद है. नेता विपक्ष के सामने आप जिस तरीके से सीना तान कर, खड़े होकर हाथ मिलाते हैं, आई ट्रू आई कनेक्ट करते हैं, वैसा ही आपको मोदी जी के साथ भी करना चाहिए, इससे लोकसभाध्यक्ष तिलमिला कर रह गए. हालांकि उन्होंने जवाब भी दिया कि वह अपने बड़ों की इज्जत करते हैं और छोटों से समानता का व्यवहार. ये दो वाक्ये सिर्फ इसलिए आपको बता रहा हूं, ताकि आप समझ सकें कि राहुल गांधी किसी नशे की हालत में नहीं, अपितु होशो-हवाश में और पूरी जिम्मेदारी के साथ, बिना डरे बोल रहे थे. सत्ता पक्ष की तरफ से थोड़ा विरोध जरूर हुआ, लेकिन बाकी का काम राहुल गांधी के माइक ने किया-सत्ता पक्ष को ठोक कर जवाब दिया गया.

• देश-काल

आनंद सिंह

महज 240 सीटें लाने वाली भाजपा का आत्मविश्वास पहले से ही जमीन टेक गया था. उस पर राहुल गांधी ने जिस बेहद तीखे अंदाज में सरकार पर, मोदी पर, अमित शाह पर हमला किया, वह सत्ता पक्ष के पांव उखाड़ने के लिए पर्याप्त था. जो कसर बची, उसे सांसद मनीष तिवारी ने पूरा कर दिया. 10 साल में पहली बार गृहमंत्री अमित शाह को लोकसभाध्यक्ष के सामने घिघियाते हुए देखा गया. उनके बोल अक्षरशः इस प्रकार थेः अध्यक्ष महोदय, मैं इस तरह से नहीं बोल सकता. मुझे इनसे (मनीष तिवारी से) संरक्षण चाहिए, महोदय मुझे व्यवस्था बना करके दीजिए ताकि मैं जवाब दे सकूं. मैं ऐसे इनका जवाब नहीं दे सकता. आपको बता दें कि कांग्रेस के मनीष तिवारी संसद में लगातार बोले जा रहे थे और लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला उन्हें चुप कराकर केंद्रीय गृहमंत्री की ओर बोलने का इशारा कर रहे थे, लेकिन मनीष तिवारी पर इसका कोई असर नहीं हुआ. इसका मतलब क्या हुआ? इसका मतलब यह हुआ कि सरकार में नंबर दो वाले अमित शाह जी भी लोकसभा में राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेसी सांसद दो-दो हाथ करने को तैयार थे. अब लगभग पूरी कांग्रेस राहुल के रंग में रंगती जा रही है. यह जरूरी भी है. तो, यह सब हुआ कैसे? यह सब राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, जयराम रमेश, सुप्रिया श्रीनेत और उनकी कोर टीम के प्रयासों का प्रतिफल है. पुराने, डरपोक, दकियानूस विचारों वाले कांग्रेसी नेताओं से राहुल एंड कंपनी ने निजात पा ली है. यह तय हुआ है कि कांग्रेसी आईटी सेल दिन-रात हाई अलर्ट मोड पर रहेगी. रेफरेंस सेक्शन को बेहद मजबूत किया गया है. बाजार के वे लोग, जो कांग्रेस की विचारधारा से रत्ती भर भी जुड़े हुए हैं और आईटी को समझते हैं, उन्हें इस दस्ते में शामिल किया गया है. पहले यह होता था कि भाजपा के आईटी सेल वाले कांग्रेस पर बमबारी करते थे, फिर कांग्रेस वाले जवाब देते थे. अब सीन उल्टा हो गया है. अब कांग्रेस बमबारी करती है और सामने वाला कभी जवाब देता है, कभी नहीं. इसी टीम ने राहुल का मेकओवर किया है, उनकी छवि को सुधारकर रख दिया है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

• बोधि-वृक्ष

सुज्ञ

समाज सुधार और सदाचार

उपदेश मत दो, स्वयं का सुधार कर लो दुनिया स्वतः सुधर जाएगी. हमें जब किसी उपदेशक को टोकना होता है तो प्रायः ऐसे कुटिल मुहावरों का प्रयोग करते है. इस वाक्य का भाव कुछ ऐसा निकलता है जैसे यदि सुधरना हो तो आप सुधर लें, हमें तो जो है वैसा ही रहने दें. उपदेश ऐसे प्रतीत होते है जैसे उपदेशक हमें सुधार कर, सदाचारी बनाकर हमारी सदाशयता का फायदा उठा लेना चाहता है. यदि कोई व्यक्ति अभी पूर्ण सदाचारी न बन पाया हो, फिर भी नैतिकताओ को श्रेष्ठ व आचरणीय मानता हुआ, लोगो को शिष्टाचार आदि के लिए प्रेरित क्यों नहीं कर सकता? ₹पहले स्वयं सुधरो, फिर दुनिया को सुधारना₹ एवं ₹क्या करें दुनिया ही ऐसी है₹. वस्तुतः यह दोनों कथन विरोधाभासी है. या यह कहें कि ये दोनो कथन मायावी बहाने मात्र है. स्वयं से सुधार इसलिए नहीं हो सकता कि दुनिया में अनाचार फैला है, स्वयं के सदाचारी बनने से कार्य सिद्ध नहीं होते और दुनिया इसलिए सदाचारी नहीं बन पा रही कि लोग व्यक्तिगत रूप से सदाचारी नहीं है. व्यक्ति और समाज दोनों परस्पर सापेक्ष है. व्यक्ति के बिना समाज नहीं बन सकता और समाज के बिना व्यक्ति का चरित्र उभर नहीं सकता. ऐसी स्थिति में व्यक्तिगत सुधार के लिए सुधरे हुए समाज की अपेक्षा रहती है और समाज सुधार के लिए व्यक्ति का सुधार एक अपरिहार्य आवश्यकता है. ऐसी परिस्थिति में सुधार की हालत यह है कि 'न नौ मन तैल होगा, न राधा नाचेगी'. तो फिर क्या हो? निस्संदेह सदाचारी के कथनों का अनुकरणीय प्रभाव पडता है. लेकिन यदि कोई मनोबल की विवशता के कारण पूर्णरूपेण सदाचरण हासिल न कर पाए, उसके उपरांत भी वह सदाचार को जगत के लिए अनुकरणीय ग्रहणीय मानता हो. दुनिया में नैतिकताओं की आवश्यकता पर उसकी दृढ आस्था हो, विवशता से पालन न कर पाने का खेदज्ञ हो, नीतिमत्ता के लिए संघर्षरत हो और दृढता आते ही अपनाने की मनोकामना रखता हो, निश्चित ही उसे सदाचरण पर उपदेश देने का अधिकार है. क्योंकि ऐसे प्रयासों से नैतिकताओं का औचित्य स्थापित होते रहता है. वस्तुतः कर्तव्यनिष्ठा और नैतिक मूल्यों के प्रति आदर, आस्था और आशा का बचे रहना नितांत ही आवश्यक है. आज भले एक साथ समग्रता से पालन में या व्यवहार में न आ जाय, यदि औचित्य बना रहा तो उसके व्यवहार में आने की सम्भावना प्रबल बनी रहेगी. समाज से आदर्शों का विलुप्त होना, सदाचारों का खण्डित होना या नष्ट हो जाना व्यक्तिगत जीवन मूल्यों का भी विनाश है.

रोजगार सृजन और बैंकों का फीलगुड

• आर्थिकी

टी.देवीदास

> 2024 में पीएसयू बैंकों ने 2019 में 0.82 लाख करोड़ रुपये के घाटे के मुकाबले 1.47 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया. प्रतिशत के लिहाज से सकल एनपीए 2019 में 12.03 प्रतिशत से घटकर 2024 तक 3.49 फीसदी हो गया है, जबकि शुद्ध एनपीए 4.95 प्रतिशत से घटकर 0.75 फीसद हो गया है.

रोजगार सृजन और मध्यम व छोटे उद्योगों (एमएसएमई) को रोजगारों का प्रमुख प्रदाता बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट भाषण में कहा गया कि 'पीएसयू बैंक बाहरी मूल्यांकन पर निर्भर रहने के बजाय एमएसएमई को ऋण देने के लिए अपनी क्षमता का निर्माण करेंगे.' यह स्पष्ट है कि बैंकों पर एमएसएमई को ऋण देने में वृद्धि करने का दबाव होगा; उन्हें नए ऋण मूल्यांकन मॉडल बनाने के लिए कहा गया है, जैसा कि वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में उल्लेख किया है. इसके अलावा सरकार चाहती है कि बैंक बढ़ी हुई सीमा के साथ मुद्रा ऋण दें. हालांकि इस योजना ने खुद कई सवाल खड़े किए हैं और इसके परिणामों को संदिग्ध माना जाता है.यह हमें उस लंबी कहानी की ओर ले जाता है कि सरकार को बैंकिंग प्रणाली, विशेष रूप से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की किस प्रकार आवश्यकता है और वह उनका किस प्रकार उपयोग करती है तथा उसने इन बैंकों के साथ क्या किया है. बैंकों को मुनाफा कमाना चाहिए, लेकिन मुनाफा ही बैंकिंग का एकमात्र उद्देश्य नहीं हो सकता. हमें सामाजिक लाभ को मापना भी सीखना होगा. अभी भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकिंग 'फील गुड' के दौर से गुजर रही है. 2024 में पीएसयू बैंकों ने 2019 में 0.82 लाख करोड़ रुपये के घाटे के मुकाबले 1.47 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया. प्रतिशत के लिहाज से सकल एनपीए 2019 में 12.03 प्रतिशत से घटकर 2024 तक 3.49 फीसदी हो गया है, जबकि शुद्ध एनपीए 4.95 प्रतिशत से घटकर 0.75 फीसद हो गया है. पिछले वर्ष की तुलना में 2020 में कारोबार में वृद्धि 5.46 प्रतिशत थी, जबकि 2024 में यह 2023 के मुकाबले 12.06 प्रश है. एकमात्र चिंता बाजार हिस्सेदारी है, जो 2019 में 71.1 प्रतिशत थी और 2024 में घटकर 64.40 फीसदी हो गई है.इसका मतलब है कि निजी क्षेत्र के बैंकों की बाजार हिस्सेदारी 28.90 फीसदी से बढ़कर 35.60 प्रतिशत हो गई है और इसके भीतर नई पीढ़ी के निजी क्षेत्र के बैंकों की बाजार हिस्सेदारी 2019 में 23.78 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 31.02 फीसद हो गई है. इस अवधि के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की बाजार हिस्सेदारी 6.70 प्रतिशत कम हो गई है, जो बैंक ऑफ बड़ौदा की बाजार हिस्सेदारी से अधिक है- 6.49 प्रतिशत. इस प्रकार स्पष्ट है कि किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक का निजीकरण किए बिना बैंक ऑफ बड़ौदा के आकार के बराबर बैंकिंग व्यवसाय का निजीकरण हो गया है. 2020 में भारतीय स्टेट बैंक को नई पीढ़ी के निजी क्षेत्र के यस बैंक को संकटग्रस्त बैंक में 11,760 करोड़ रुपए यानी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी डालकर उसे बचाने के लिए कहा गया था. 2017-18 में, इसने 6,547 रुपए करोड़ का घाटा और 2018-19 में 862.23 करोड़ रुपए का मामूली लाभ दर्ज किया था. 2020 में यस बैंक में 11,760 करोड़ रुपए का निवेश करने के बावजूद, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 14,487 करोड़ रुपए का प्रभावशाली लाभ दर्ज करने में सक्षम था. सरकार ने, जो निजीकरण की वकालत कर रही थी और बाजार अर्थशास्त्र की भाषा बोल रही थी, स्वयं स्टेट बैंक को बीमार यस बैंक को बचाने के लिए मजबूर किया लेकिन स्टेट बैंक को 51 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए थोड़ा और निवेश करने की अनुमति नहीं दी. सरकार के विचार में यह कदम अनुत्पादक तथा आत्मघाती साबित होता क्योंकि सरकार तथाकथित सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है. बैंक सीधे उधार देने के बजाय सह-उधार या अप्रत्यक्ष उधार का सहारा लेने के लिए प्रेरित होते हैं. उत्पादों और सेवाओं में नवाचार के नाम पर, एसबीआई ने ऋण का असाइनमेंट पोर्टफोलियो की बिक्री-खरीद आदि जैसे विभिन्न उपकरण पेश किए हैं ताकि बैंक ओवरहेड लागतों को बचाने के लिए प्रत्यक्ष उधार से बच सकें. यह सब लागत को कम करने में मदद करता है लेकिन अंततः ग्राहक ही भुगतान करता है. सेवा शुल्क में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है, साथ ही उन सेवाओं पर भी शुल्क लगाया गया है जो पारंपरिक रूप से मुफ़्त थीं. यह सब लागत को कम करने में मदद करता है, लेकिन अंततः ग्राहक ही भुगतान करता है. सेवा शुल्क में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है, साथ ही उन सेवाओं पर भी शुल्क लगाया गया है जो पारंपरिक रूप से मुफ़्त थीं. इस प्रकार अब कम निवल मूल्य वाले ग्राहक जिन्हें जन धन के कार्यान्वयन के साथ बैंकिंग के दायरे में लाया गया था, उन्हें सेवाओं के लिए लागत का भुगतान करना पड़ रहा है और परिणामस्वरूप अब वे इसे छोड़ रहे हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

विविधता ही है भारत की मूल चेतना

• विमर्श

विश्वनाथ सचदेव

> ऐसा नहीं है कि हमारे देश में धर्म के नाम पर विवाद नहीं छिड़े. इस संदर्भ में बहुत कुछ अप्रिय हुआ है देश में, हिंदू और मुसलमान को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं. कभी पूजा स्थल को लेकर, कभी पूजा-अर्चना की पद्धति को लेकर और कभी कथित धार्मिक पहनावे के नाम पर अलग-अलग उद्देश्यों की पूर्ति के लिए देश में सांप्रदायिकता की आग भड़कायी गयी है.

शेक्सपियर तो लिख गये कि क्या रखा है नाम में, पर उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में शुरू हुआ नाम का विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा. उत्तर प्रदेश की सरकार ने आदेश निकाला था कि कांवरियों की यात्रा के मार्ग में पड़ने वाली खाने-पीने के समान की सभी दुकानों, रेहड़ी वालों, ठेले वालों को अपनी दुकान के बाहर मालिक का, और वहां काम करने वाले सभी लोगों का, नाम लिखकर लगाना होगा, ताकि उन दुकानों आदि से सामान खरीदने वालों को यह पता रहे कि वह किस धर्म को मानने वाले से सामान खरीद रहे हैं! तर्क यह दिया जा रहा है कि सवाल कांवरियों की आस्था की शुचिता का है !लेकिन सवाल यह उठ रहा है कि यह वार्षिक यात्रा, या देशभर में इस तरह की धार्मिक यात्राएं तो न जाने कब से चल रही हैं, आज तक तो किसी की धार्मिक आस्था को चोट नहीं पहुंची, फिर अचानक कांवरियों को लेकर यह विवाद क्यों? प्रशासन की तरफ से कहा यह जा रहा है कि यह सब 18 साल पहले के एक कानून के अनुसार किया जा रहा है. तत्कालीन सरकार ने इस आशय का कानून पारित किया था, जो अब लागू किया जा रहा है, इसलिए इसे लेकर विवाद नहीं होना चाहिए. लेकिन विवाद हो रहा है, सड़क से लेकर संसद तक, और उच्चतम न्यायालय में भी विवाद की गूंज पहुंची है. ऐसा नहीं है कि हमारे देश में धर्म के नाम पर विवाद नहीं छिड़े. इस संदर्भ में बहुत कुछ अप्रिय हुआ है देश में, हिंदू और मुसलमान को लेकर अक्सर सवाल उठाये जाते रहे हैं. कभी पूजा स्थल को लेकर, कभी पूजा-अर्चना की पद्धति को लेकर और कभी कथित धार्मिक पहनावे के नाम पर अलग-अलग उद्देश्यों की पूर्ति के लिए देश में सांप्रदायिकता की आग भड़कायी गयी है. सवाल नाम से पहचान का भी नहीं है, सवाल उस मानसिकता का है जो धर्म के नाम पर समाज को बांटने में विश्वास करती है. उस घटिया राजनीति का है जो धर्म के नाम पर वोट मांगने में किसी प्रकार की लज्जा अनुभव नहीं करती. अभी हाल में बंगाल में भाजपा के नेता शुभेंदु अधिकारी ने यह घोषणा करने में तनिक हिचकिचाहट नहीं दिखाई कि हमें (अब) 'सबका साथ, सबका विकास' की कोई आवश्यकता नहीं है. उन्होंने बंगाल की एक सभा में यह कहना ज़रूरी समझा कि जो हमारे साथ हैं हम उनके साथ हैं. उन्होंने यह भी स्पष्ट करना ज़रूरी समझा कि भाजपा को अपना अल्पसंख्यक मोर्चा बंद कर देना चाहिए. यह बात दूसरी है कि इस 'गर्जना' के कुछ ही घंटे बाद उन्हें शायद भाजपा आलाकमान के आदेश पर यह स्पष्टीकरण देना पड़ा कि उनके कहने का गलत अर्थ लगाया गया है.प्रधानमंत्री को तब विरोध करना चाहिए था जब सबका साथ, सबका विकास के उनके नारे को नकारा गया. बंगाल के उस भाजपाई नेता के कथन पर भाजपा का कोई बड़ा नेता कुछ नहीं बोला, यह बात रेखांकित होनी चाहिए. यह भी रेखांकित होना चाहिए कि कांवरियों की आस्था की पवित्रता के नाम पर देश में अनावश्यक विवाद खड़ा किया जा रहा है. न्यायालय ने अपने विवेक से इस बारे में उचित निर्णय लिया. लेकिन एक निर्णय इस देश की जनता को भी लेना है— उन सारी ताकतों को असफल बनाने का निर्णय जो हमारी सामाजिक समरसता को बिगाड़ने पर तुली हैं. हमारी गंगा-जमुनी सभ्यता ने हमें एक ऐसे समाज के रूप में विकसित होने का अवसर दिया है जहां मनुष्य को उसकी धार्मिक आस्था के आधार पर चिह्नित किए जाने का कोई स्थान नहीं है. यही हमारा वह संविधान भी कहता है, जिसकी शपथ हमारे निर्वाचित प्रतिनिधि लेते नहीं थकते. शपथ लेना ही पर्याप्त नहीं है, शपथ के विश्वास को प्रमाणित करना भी ज़रूरी है. यह काम कथनी और करनी की एकरूपता से ही हो सकता है. संविधान को माथे से छुआने से नहीं, उसके अनुरूप आचरण करने से संविधान के प्रति निष्ठा प्रमाणित होती है. धार्मिक त्योहारों को मिल-जुलकर मनाने की हमारी लंबी परंपरा रही है. हम ईद और दिवाली मिलकर मनाने में विश्वास करते हैं. एक-दूसरे की आस्था-परंपरा का सम्मान करना इसी विश्वास का एक हिस्सा है. रहा सवाल सामिष और निरामिष भोजन का तो यह काम खाने-पीने की जगह पर स्पष्ट सूचित करने से हो सकता है. 'हिंदू पानी और मुस्लिम पानी' जैसी कोई व्यवस्था रिश्तों को बिगड़ने का काम ही करेगी. जरूरत देश की जनता के बीच रिश्तों को मज़बूत बनाने की है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

मीडिया में अन्यत्र

शांति के लिए तरस रहा है पश्चिमी एशिया

गोलान की पहाड़ियों में स्थित मजदल शम्स के एक फुटबॉल मैदान पर एक रॉकेट हमले में 12 युवा मारे गए. इस हमले ने पश्चिम एशिया को एक व्यापक युद्ध के कगार पर पहुंचा दिया है. इजराइल और संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस हमले के लिए ईरान समर्थित लेबनान के शक्तिशाली शिया मिलिशिया हिजबुल्लाह को दोषी ठहराया है. हिजबुल्लाह, जिसने शुरू में निकट के माउंट हर्मन में एक इजराइली सैन्य चौकी पर रॉकेटों से हमला करने का दावा किया था, ने बाद में इस घटना में किसी भी भूमिका से इनकार किया. लेकिन इजराइल ने हिजबुल्लाह के दावों को स्वीकार नहीं किया है और वह जवाबी हमले की तैयारी कर रहा है. दिनांक 7 अक्टूबर, 2023 से, जिस दिन हमास ने इजराइल में सीमा पार से हमला किया था और जिसमें अनुमानित रूप से 1,200 लोग मारे गए थे, हिजबुल्लाह के साथ इजराइल की उत्तरी सीमा पर धीमी गति से एक युद्ध चल रहा है. जब हमास के हमले के बाद इजराइल ने गाजा युद्ध शुरू किया, तो हिजबुल्लाह ने अपने गढ़ दक्षिणी लेबनान से रॉकेट हमले शुरू कर दिए और इन हमलों में ज्यादातर इजराइल के कब्जे वाले शेबा फार्म्स या उत्तरी इजराइल के ऊपरी गलीली क्षेत्र में इजराइल की सैन्य चौकियों को निशाना बनाया गया. हिजबुल्लाह के हमलों ने लगभग 60,000 इजरायलियों को ऊपरी गलीली इलाके से भागने के लिए मजबूर किया. जवाबी कार्रवाई में, इजरायली बलों ने लेबनान के अंदर हवाई हमले किए. हिजबुल्लाह ने दावा किया कि वह फिलिस्तीनियों के साथ "एकजुटता में" इज़राइल से लड़ रहा है, जबकि इजराइल के नेतृत्व ने कहा कि हिजबुल्लाह के किसी भी हमले को बख्शा नहीं जाएगा. हालांकि, दोनों पक्ष, हाल तक, इस बात को लेकर सतर्क थे कि संघर्ष को पूर्ण युद्ध में तब्दील न होने दिया जाए. लेकिन ऐसा लगता है कि मजदल शम्स के हमले ने युद्ध के उन अलिखित नियमों को तोड़ दिया है.हिजबुल्लाह का यह दावा कि वह उक्त हमले में शामिल नहीं था, को हल्के में नहीं लिया जा सकता. यह संभव है कि इस समूह ने 1967 से इजराइल के अवैध कब्जे वाले गोलान की पहाड़ियों में स्थित आईडीएफ की चौकियों को निशाना बनाया हो और रॉकेट फुटबॉल मैदान पर गिरा हो, लेकिन फिर भी जिम्मेदारी मिलिशिया की है. इजराइल के हाथ भी पाक-साफ नहीं हैं. आईडीएफ, जिसके गाजा अभियान में हजारों फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं, ने लेबनान के नागरिक इलाकों में भी हमले किए हैं. हिजबुल्लाह और इजराइल ने आखिरी बार 2006 में एक पूर्ण युद्ध लड़ा था और इसका अंजाम यहूदी राष्ट्र के लिए अच्छा नहीं रहा था. हिजबुल्लाह 18 साल के कब्जे के बाद इजराइल को दक्षिणी लेबनान से हटने के लिए मजबूर करने का श्रेय भी लेता है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

निसार/निस्सार/निस्तार

फिल्म दुश्मन का यह गाना आपने जरूर सुना होगा-सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से, के खुशबू आ नहीं सकती कभी कागज के फूलों से, मैं इंतजार करूं ये दिल निसार करूं....इस गाने में एक शब्द को छोड़कर कोई ऐसा शब्द नहीं है, जिसका मतलब आपको समझ में नहीं आया होगा. वह शब्द है निसार. संकोचवश यह कहने में दिक्कत हो रही है कि मैं भी लंबे समय तक इसका मतलब समझ नहीं पाया था. तब इतना ही जानता था कि मुस्लिम समाज में लड़कों का नाम निसार रखा जाता है. गांवों से लेकर शहरों तक सैकड़ों की संख्या में निसार भाई मिल जाते हैं. उनमें जन साधारण से लेकर ऊंचे पदों पर राज करने वाले निसार भाई भी हैं. तो मैंने जब कोशिश की तो शब्दकोशों से पता चला कि निसार हिंदी भाषा का भी शब्द है और अरबी का भी. दोनों स्थितियों में निसार संज्ञा पुल्लिंग ही है. हिंदी वाले निसार का मतलब समुदाय या समूह होता है, जबकि अरबी भाषा मूल के निसार का मतलब है बलि, कुर्बानी, सदका, न्योछावर, मुग्ध, मुगलकालीन एक सिक्का जो रुपये के चौथे हिस्से के बराबर होता था. संस्कृत भाषा से हिंदी में आया एक शब्द है निस्सार. यह दो शब्दों के संयोग से बना है-निः+सार. इसमें निः उपसर्ग है. यह उपसर्ग जिस शब्द के साथ जुड़ता है, उसका अर्थ नकारात्मक हो जाता है.निस्सार शब्द का मतलब है, वह जिसका कोई सार न हो. यानी बेकार हो, जो किसी काम का नहीं हो. हिंदी में संस्कृत से आया एक ऐसा ही शब्द है निस्तार. यह संज्ञा पुल्लिंग शब्द है और इसका मतलब है तैर कर पार होने की क्रिया या भाव, बंधन या संकट से बचकर निकलने की क्रिया, छुटकारा, उद्धार, मुक्ति, काम पूरा करके उससे छुट्टी पाना, अभीष्ट की प्राप्ति या सिद्धि, शौच आदि के लिए जाना, उपाय, ऋण आदि से छुटकारा. बंधनों से छुटकारा दिलानेवाले को निस्तारक कहते हैं.

एक बेचारे लेखक का सम्मान

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

जितने लोग भी संसार में चतुर हैं, उन सबको पता है कि आजकल सम्मान का मतलब अस्सी रुपए का शॉल और चालीस रुपए का सम्मान-पत्र होता है. किसी के भी ऊपर एक सौ बीस रुपए खर्च करके आप उसका सम्मान कर सकते हैं. आयोजक बजट के हिसाब से दो, चार या कई बार दस-बीस लोगों को भी सम्मानित कर देते हैं. जिसको सम्मानित किया जाता है वह क्योंकि लेखक होता है, अतः संवेदनशील प्राणी होता है. जब उससे कहा जाता है कि हम आपको सम्मानित करना चाहते हैं, तब उसका ध्यान मात्र एक सौ बीस रुपए के खर्च की तरफ नहीं जाता. वह स्वयं को सम्मानित होते हुए देखना अपने जीवन की एक अमूल्य निधि समझता है. वह इसे अनमोल वस्तु मानता है. उसकी समझ में ही नहीं आता कि आयोजक उसे चार घंटे बिठाकर सिर्फ एक सौ बीस रुपया खर्च करना चाहते हैं. दिहाड़ी का मजदूर भी एक सौ बीस रुपए में चार घंटे बैठने के लिए नहीं मिलेगा. लेकिन लेखक की नजर में क्योंकि सम्मान ग्रहण करना जीवन की अनमोल वस्तु होती है; वह अत्यंत भावुक भाव-मुद्रा में चार घंटे बैठा रहता है. सम्मान प्रदान करने में चार घंटे नहीं लगते, लेकिन आयोजक सम्मानित लेखक को समय से दस मिनट पहले बुलाते हैं. कहते हैं -"आपको मंच पर बैठाना है. आपका सम्मान होना है . अतः आपको समय पर आना ही पड़ेगा." जैसा कि आमतौर पर होता है, आयोजन के ठीक समय पर बैनर लगना शुरू होता है. अगर कुर्सियां आ गई हैं तो उनकी धूल साफ करके बिछाने का कार्य होता है . कई बार कुर्सियां आयोजन के ठीक समय पर टेलीफोन से तकादा करके टेंटवाले से मंगवाई जाती है. अनेक बार माइक की समस्या आती है. कार्यक्रम रुका रहता है. कई बार जब तक सारे सम्मानित व्यक्ति एक साथ इकट्ठा न हो जाएं, तब तक कार्यक्रम रुका रहता है. सबसे ज्यादा कार्यक्रम इस कारण से देर होता है कि समारोह के अध्यक्ष महोदय देर से पधारते हैं. उनका इंतजार करना आयोजकों की विवशता होती है. अनेक बार आयोजन का सारा खर्चा अध्यक्ष जी के भारी भरकम व्यक्तित्व से ही व्यय होता है. कई बार अध्यक्ष जी स्वयं में इतना भारी-भरकम व्यक्तित्व होते हैं कि उनके बगैर आयोजन एक कदम आगे नहीं बढ़ सकता. कारण कुछ भी हो, आयोजन एक घंटे विलम्ब से पहले शुरू नहीं होता. दो घंटे विलंब से शुरू होना भी कोई असामान्य बात नहीं होती. शुरू होने के बाद भी आधे घंटे तक अध्यक्ष और मुख्य अतिथि आदि को माल्यार्पण चलता रहता है. जिस व्यक्ति के कर-कमल से फूलमाला अध्यक्ष जी को पहनाई जाती है, उसके कर-कमल भी धन्य हो जाते हैं. घंटों इंतजार के बाद जब कार्यक्रम समाप्ति की ओर होता है और मुश्किल से जितने लोग मंच पर बैठे होते हैं उससे भी कम लोग सामने श्रोताओं के रूप में उपस्थित रह जाते हैं; तब जाकर लेखन का सम्मान किया जाता है अर्थात उनके गले में अस्सी रुपए का शॉल और चालीस रुपए का सम्मान-पत्र थमा दिया जाता है.

कहानियों से कितनी अलग है प्रेमचंद की लमही

जिस मिट्टी ने दुनिया के महान कथाकार को गढ़ा, वहां की आबोहवा में साहित्य की खुशबू फ़ैल पाती तो आज लमही एक तीर्थ से कम न होता. सरकारी प्रयास सिर्फ सड़क, भवन और स्वागत द्वार बनाने तक सिमित न होकर नई पीढ़ी में साहित्य के प्रति जिज्ञासा और रुचि पैदा करने तक जाते तो लमही अपने वास्तविक अर्थ को हासिल कर पाती. सरकारी प्रयासों के साथ-साथ देश के साहित्य जगत की भी जिम्मेवारी है कि लमही को साहित्य का तीर्थ कैसे बनाया जाए, इस दिशा में मंथन एवं सार्थक प्रयास हो. कम से कम लमही तो एक ऐसा गांव जरुर बन सकता है, जहां हर घर में किताबों की अलमारियां हों, हवाओं में साहित्य का रस घुला हो और जहां की मिट्टी से कलम के नवांकुर फूटते हुए दृष्टिगोचर हों.

लमही से लौटकर सुशील स्वतंत्र की खास रिपोर्ट...

सुशील स्वतंत्र
रामगढ़

आज अगर आप प्रेमचंद के गांव लमही जाते हैं तो गांव में प्रवेश करने से पहले ही प्रेमचंद स्मृति स्वागत द्वार पर आपको उनकी कहानियों के चर्चित पत्रों घीसू, होरी, माधो और धनिया की प्रतिमाएं अपने किरदार वाली मुद्राओं में आपका स्वागत करते हुए मिल जाएंगीं. लमही गांव कितना बदला है, या गांव की हकीकत प्रेमचंद की कहानियों के गांव से कितनी जुदा है, यह सब आपको लमही में घूमने से पता चल जाएगा. गांव में आज भी एक तरफ प्रेमचंद की कहानियों की सामाजिक विषमता की झलक देखने को मिल जाएगी तो दूसरी तरफ आधुनिकता की बयार भी आपको छूते हुए गुजर जायेगी. उत्तर प्रदेश सरकार ने लमही को बनारस जिले का पहला ई-विलेज घोषित किया था. सरकार का दावा था कि लमही में हर परिवार का पूरा विवरण डाटा बैंक में होगा. आय, जाति, निवास प्रमाणपत्र हो या खसरा-खतौनी जैसे अन्य सरकारी दस्तावेज के लिए किसी बुधिया, होरी, धनिया, घीसू, माधो को तहसील और कलेक्ट्रेट का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा. सारी सुविधाएं ग्राम पंचायत भवन से ही उनको मिल जाएंगीं. इसके लिए वहां जाकर सिर्फ अपना नाम बताना होगा और तुरंत सारा विवरण प्रिंट करके और हस्ताक्षर करके तत्काल उपलब्ध करा दिया जाएगा. सरकारी दावों पर यकीन करें तो लगता है कि अब लमही के दिन भी फिरने वाले हैं.

प्रेमचंद स्मारक और पुस्तकालय

गांव में घुमने पर आपको आज आधुनिक घर भी देखने को मिलेंगें और फूस की झोंपड़ी भी, जिसे स्थानीय लोग मड़ई कहते हैं. कुछ खपरैल मकान अब भी यहां दिख जाते हैं. गांव में प्रवेश करते ही रोज सुबह लगने वाली स्थानीय सब्जी मंडी दिखेगी और कुछ दूर चलते ही आएगा मुंशी जी का पोखरा यानी तालाब. इसी पोखरे के पास दिखाई देगा मुंशी प्रेमचंद का पैतृक आवास, जहां से उन्होंने न जाने कितनी कालजयी कृतियों की रचना की. आज इस स्थान पर मुंशी प्रेमचंद स्मारक और पुस्तकालय का परिसर बना है, जिसमें कुछ पुस्तकें रखी गई हैं और प्रेमचंद की एक पाषाण प्रतिमा लगाई गई है. लंबी प्रतीक्षा के बाद गांव में मुंशी प्रेमचंद शोध एवं अध्ययन केंद्र की इमारत भी बनकर तैयार हो गया है. आमतौर पर साल भर यहां सन्नाटे जैसा माहौल रहता है. इस पूरे परिसर की देखभाल और रखरखाव एक समर्पित प्रेमचंद प्रेमी सुरेश चन्द्र दुबे नाम के सज्जन करते हैं. अगर वे न हों, तो प्रेमचंद स्मारक में कोई आने-जाने वाला भी न बचे. प्रेमचंद स्मारक की गतिविधियों को लेकर सुरेश चन्द्र दुबे का साक्षात्कार अनेक चैनलों, अखबारों और वेब पोर्टल्स पर प्रकाशित हो चुका है.

एक दिन का मेला, शेष दिन साहित्यिक सन्नाटा

पूरे लमही में आमतौर पर कायम रहने वाला साहित्यिक सन्नाटा साल में एक दिन उत्सव में बदल जाता है. वह विशेष दिवस होता है 31 जुलाई, मुंशी प्रेमचंद जी की जयंती. इस दिन लमही में मेला लगता है. इस भव्य मेले में देश-दुनिया से साहित्यकार, रंगकर्मी, गायक, कवि, पत्रकार, चित्रकार, बुद्धिजीवी और शोधकर्ताओं की भारी भीड़ जुटती है. इस दिन लमही में महानुष्ठान जैसा माहौल होता है. प्रेमचंद जयंती पर लमही में रंगकर्मियों का भी विशेष मज़मा लगता है. कलाकार और साहित्यकार अपने प्रिय कथाकार को याद करने के लिए नाटक, गोष्ठी और परिचर्चाएं आयोजित करते हैं.

जयंती से चार दिन पहले कट गई थी उनके घर की बिजली

उस एक दिन के बाद फिर लमही को पूरे साल उसी के हाल पर हाल पर छोड़ दिया जाता है. यह एक रवायत की तरह पिछले कई वर्षों से चला आ रहा है. यह कहा जा सकता है कि तमाम घोषणाओं के बावजूद मुंशी प्रेमचंद का घर और गांव आज भी उपेक्षा का शिकार है. मुंशी जी की जयंती पर उनके पात्र होरी, माधो, धनिया, घीसू की गहरी संवेदना से जुड़े कलाकार नाटक के जरिए उन्हें याद कर करते हैं और सरकारी महकमों द्वारा फ़र्ज़ अदायगी के लिए टेंट भी लगा दिया जाता है लेकिन जयंती के बाद लमही के लोगों की सुध लेने कोई नहीं पहुंचता है. एक बार तो प्रेमचंद जयंती के चार दिन पहले ही प्रेमचंद जी के घर की बिजली इसलिए काट दी गई क्योंकि चौदह साल से बिल का भुगतान नहीं हुआ था. जब यह खबर मीडिया में आई तो आनन-फानन में बिजली जुड़वा दी गई. कोई विभाग इसकी जिम्मेदारी नहीं ले रहा था. पहले यह मकान और प्रेमचंद जी का स्मारक नागरी प्रचारिणी सभा के पास था. फिर उसने नगर निगम को दे दिया. नगर निगम ने भी बाद में यह भवन वाराणसी विकास प्राधिकरण को देकर अपना पल्ला झाड़ लिया. अब जब यह विवाद सामने आया है तो इसे जिलाधिकारी ने इस परिसर को संस्कृति विभाग को सौंप दिया. अब इस गांव को गोद लेकर इसे देश के बड़े फलक पर लाने की योजना बनाई जा रही है.

यहां की नई पीढ़ी में नहीं दिखते प्रेमचंद के संस्कार

मड़ई (फूस की झोपड़ी) और पोखर (तालाब) वाली लमही में दो-तीन मंजिला मकानों और दुकानों ने भी अपनी जगह बना ली है. घरों में मार्बल और टाईल्स के फर्श बनने लगे हैं. पांडेपुर से लमही तक की सड़क पर नज़र डालें तो बाज़ारवाद के पसराव (फैलाव) का आभास हो जाता है. गांव में लिट्टी-चोखा और गोलगप्पे के साथ-साथ चाउमीन, मोमोज और एगरोल के फ़ूड स्टाल भी खूब फल-फूल रहे हैं. एक महान साहित्यकार की जमीन से साहित्य की कोई कलकल धारा आज फूट रही हो, ऐसा लमही में घूमने से महसूस नहीं होता है. वहां के निवासियों के बीच साहित्य बातचीत और विमर्श का केन्द्रीय बिंदु नहीं है और न ही नई पीढ़ी में कोई लिखने-पढ़ने वाला साहित्यकार लमही की उर्वरक जमीन से अंकुरित हो पाया है. वहां बच्चों को प्रेमचंद के बारे में बहुत ही सतही जानकारी है और बहुत कम बच्चों ने प्रेमचंद के समृद्ध साहित्य को पढ़ा है. लमही के आस-पास अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय खुल गए हैं. लमही नाम से ही हिंदी की एक साहित्यिक पत्रिका का प्रकाशन होता है लेकिन इसका प्रकाशन, मुद्रण और सम्पादकीय कार्य लमही से नहीं होता है.

साहित्यिक हलचल से बेखबर

लेखन-पठन के क्षेत्र में अब लमही में कोई क्रांतिकारी या आशान्वित करती ही तस्वीर नज़र नहीं आती है. नया लमही बाजारवाद और चमकदार भौतिकतावाद के गहरे प्रभाव से ग्रसित दिखता है. युवाओं में साहित्य को लेकर सामान्यतः अरुचि ही देखने को मिलती है. बहुत ढूंढने पर एक असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रीता गौतम के बारे में पता चला, जो लमही गांव की ही निवासी हैं. वे 'बेड़ियाँ तोड़ती औरतें' शीर्षक से एक पुस्तक का लेखन कर रही हैं, जिसमें साधारण महिलाओं की असाधारण उपलब्धियों की कहानियों को संकलित किया जा रहा है. उन्होंने बातचीत के दौरान कहा - "वर्तमान में लमही में कोई साहित्यिक समूह सक्रिय नहीं है. एक प्रेमचंद जी के आवास से संचालित पुस्तकालय है जो नियमित तौर पर खुलता है, बस, इसके अलावा कहीं कोई विशेष साहित्यिक हलचल गांव में देखने को नहीं मिलती है."

प्रासंगिक प्रेमचंद

प्रेमचंद जयंती (31 जुलाई) पर विशेष

उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की मृत्यु के करीब नौ दशक गुजरने वाले हैं. पर उनकी कालजयी रचनाएं आज भी चर्चा में हैं और प्रासंगिक भी. हिंदी साहित्य पढ़ने की शुरुआत करने वाली नई पीढ़ी आज भी ज्यादातर प्रेमचंद के उपन्यासों को ही अपनी पहली सूची में शामिल करती हैं. वक्त के साथ तमाम बदलाव के बावजूद इस पसंद और प्रासंगिकता का रहस्य कहानी के कथ्य, शैली, भाषा आदि के साथ उसके चरित्रों के चित्रण में भी है जो हमारे मन-मस्तिष्क को झकझोरते हैं, उद्वेलित करते हैं और किताब के पन्नों को बंद कर देने के बाद भी अरसे तक दिल के कोने में अपनी जगह बनाए रखते हैं. आज हमने कुछ साहित्यकारों से प्रेमचंद्र के ऐसे ही चरित्र पर की चर्चा.

> " मेरे अधिकांश पात्र यथार्थ जीवन से लिए गए हैं. जब किसी पात्र का यथार्थ में अस्तित्व नहीं होता, तब वह छाया मात्र, अनिश्चित व अविश्वसनीय हो जाता है. "
>
> - प्रेमचंद

> " मैं अपने उपन्यास को मानव चरित्र का चित्र मात्र समझता हूं. मानव चरित्र पर प्रकाश डालना और उनके रहस्यों को खोलना ही उपन्यास का मूल तत्व है. "
>
> - प्रेमचंद

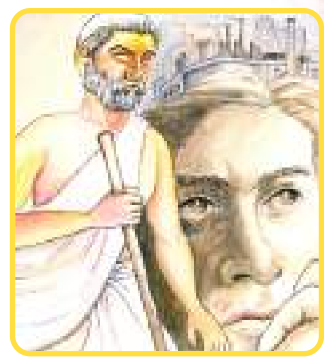

कालजयी हैं प्रेमचंद के सूरदास होरी, हामिद, मंजुला, हीरा, मोती

मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास 'रंगभूमी' का अमर पात्र "सूरदास"

डॉ संगीता नाथ
धनबाद

चरित्र निर्माण के संबंध में प्रेमचंद की कला प्रायः यथार्थवादी रही है. ग्रामीण पात्रों का सजीव उद्घाटन और उनका सृजन प्रेमचंद की कला का विशिष्ट गुण है. विशेषकर उनके ' होरी' और सूरदास आदि पात्र साहित्य जगत के वो यादगार पात्र हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता.

प्रेमचंद कृत 'रंगभूमि ' उपन्यास का पात्र सूरदास एक ऐसा अद्वितीय अविस्मरणीय पात्र है जो औदात्य मानवीय गुणों से परिपूर्ण है. वह एक खिलाड़ी है, जो निर्भीक, अपनी धुन का पक्का, सत्यनिष्ठ, न्यायप्रिय, निःप्रिय, शान्त, सेवात्याग-परोपकार आदि स्वभाविक मानवीय गुणों का स्वामी है. यद्यपि वह दृष्टिहीन है पर उसकी अंतःदृष्टि पूर्ण रूपेण जागृत थी. वह शारीरिक दुर्बलता के बावजूद अनुराग पूर्ण ह्रदय रखता है. वह सच्चे अर्थों में बैरागी है. सत्य अहिंसा, अस्तेय और अपरिग्रह का साक्षात रूप है. वह अशरण-शरण, दीन दुखियों की सहायता करने वाला शत्रु मित्र सभी को एक दृष्टि से देखने वाला है. वह एक फरिश्ता के समान है. वह भगवान कृष्ण के गीता के निष्काम कर्म और प्रज्ञा का व्यवहारिक रूप है. इसीलिए शत्रु हो या मित्र सभी उसकी साधुता और दार्शनिकता को पसंद करते हैं. उसमें प्रतिशोध या वैमनस्य की भावना बिल्कुल नहीं है. वह खेलने आया था और सच्चे एवं पवित्र मन से खेल कर चला जाता है. सूरदास गरीब था, भौतिक साधनों से दूर था पर गुणों से अमीर था. उसकी मृत्यु भी अलौकिक और यादगार बन जाती है. वास्तव में सूरदास की गरीबी में आत्मिक विजय का गौरव था. सूरदास का चरित्र उन मानवीय गुणों का अथाह सागर है जिसकी गहराई की माप कदाचित संभव नहीं है.

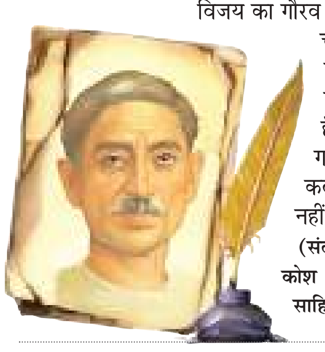

(संदर्भ- हिंदी साहित्य कोश भाग-2, वृहत साहित्यिक निबंध)

समाज के ठेकेदारों के मुंह पर एक करारा जवाब है मंजुला

डॉ. कल्याणी कबीर
जमशेदपुर

प्रेमचंद की रचनाओं में स्त्री पात्र की अगर बात करें तो इन्होंने हमेशा स्त्रियों के अस्तित्व और संघर्ष को समय से आगे जाकर समझा है और लिखा भी है. इनकी स्त्री पात्र अपने समय की संकुचित सोच और परिधि से बाहर जाकर अपनी भूमिका को विस्तार देती दिखाई देती हैं. प्रेमचंद रचित हर कहानी और उपन्यास ने इस सत्य को मजबूती प्रदान की है कि समाज में स्त्रियों का स्वतंत्र अस्तित्व है. गंभीर और ईमानदार दृष्टि से इन्होंने स्त्रियों के जीवन संघर्ष को देखा है.

हम बात अगर उनकी लिखी कहानी ₹रहस्य₹ की स्त्री पात्र मंजुला की करें तो मंजुला एक बिंदु पर तो काफी उलझी हुई, शांत और समझदार महिला है पर इसके साथ ही पूरी कहानी में गाहे बगाहे विद्रोह के स्वर भी उसके व्यवहार में नजर आते हैं.

अपने पति मिस्टर मेहरा के साथ रहते हुए विचारों में बेमेल होने के कारण जीवन से उसका मन विरक्त होता जा रहा था और जिस संबंध में मन न हो वहां उत्साह और उल्लास भी नहीं दिखाई देता. इस दिखावे को ढोने के बजाय वह अपने पति से अलग होकर जीवन यापन का लक्ष्य तलाशने लगती है. अपने अंदर उपज रहे मानसिक विद्रोह को दबाकर मंजुला अपने अंदर की ऊर्जा और उद्देश्य को ढूंढने के क्रम में सेवाश्रम से जुड़ती है जहां महिलाओं की देखभाल की जाती है. वहीं उसकी मुलाकात विमल से होती है. दोनों सेवाश्रम के लिये साथ काम करते हुए एक दूसरे को सम्मान भी देते हैं और एक दूसरे की चिंता भी करते हैं.

पर मंजुला और विमल के संबंध में भी आत्म स्वाभिमान और अन्य विषयों को लेकर उतार-चढ़ाव का सिलसिला चलता रहता है. एक मोड़ ऐसा आता है जब मंजुला सेवाश्रम का भी त्याग कर देती है और फिर एक नई दिशा की ओर निकल पड़ती है. दरअसल मंजुला को किसी पुरुष के साथ की तलाश नहीं रहती बल्कि वह एक शांत और संतुष्ट जीवन जीना चाहती है.

मंजुला का सशक्त व्यक्तित्व निश्चित रूप से परंपरा या पितृसत्ता के हाथों अपने अस्तित्व को मिटाने के लिए तैयार नहीं है. कदाचित इसलिए वह कहीं भी गलत समझौते के लिए तैयार नहीं होती और अपनी दिशा मोड़ कर अपनी राह चल पड़ती है. स्त्रियों के धैर्य, त्याग, सहनशीलता, क्षमा, दया इत्यादि गुणों को स्त्रियों के खिलाफ ही ट्रंप कार्ड बनाकर खेलने वाले समाज के ठेकेदारों के मुंह पर एक करारा जवाब है मंजुला.

मनुष्य की भावनाओं को उद्वेलित करते हैं हीरा और मोती

डॉ कविता विकास
धनबाद

कथा सम्राट प्रेमचंद द्वारा रचित कहानियों और उपन्यासों की एक बृहद श्रृंखला है और हर कहानी के कोई न कोई पात्र दिल के इतने करीब होते हैं कि आदमी चाह कर भी नही भूल सकता है. ' दो बैलों की कथा ' कहानी में हीरा और मोती दो बैल पशु रूप में भी मनुष्य की भावनाओं को उद्वेलित करते हैं और अपने मालिक के प्रति निष्ठा, साहस और अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाने की प्रेरणा देते हैं. ये दोनो मेरे प्रिय पात्र हैं. मुझे इनमें से मोती अपने उग्र और विद्रोही स्वभाव के कारण ज्यादा प्रिय है क्योंकि वह यातनाओं को सहने के बदले प्रतिकार के माध्यम से एक बदलाव लाने की चेष्टा करता है. इसी कहानी में एक पात्र है गया, जो झुरी का साला है. इसके घर उन्हें खाने को रुखा - सुखा मिलता है और कभी - कभी तो खाना भी नही मिलता, तब गया की छोटी लड़की जिसकी मां सौतेली होती है वह रात को चुपके से इन्हें रोटी खिला देती है और एक रात उनकी रस्सी खोल देती है ताकि और अत्याचार उनपर न हो सके. पशु होकर भी इस लड़की के प्रति उन्हें सहानुभूति होती है और वहां से भागने के बाद इस लड़की पर क्या गुजरी होगी, सोचकर वे चिंतित हो जाते हैं. यही तो प्रेमचंद की कहानियों की विशेषता है. मानवीय संवेदनाओं को उकेरना, भावनात्मक जुड़ाव, सहज - सरल आत्मीय वर्णन और कथ्य की आकर्षक शैली प्रेमचंद की कहानियों की विशेषताएं हैं और उनके पात्र अपनी अमिट छाप छोड़ देते हैं.

भोलेपन और परिपक्वता का अद्भुत समन्वय है हामिद के चरित्र में

हिमकर श्याम
रांची

प्रेमचंद अपने पात्रों का चरित्र चित्रण बड़े मनोवैज्ञानिक ढंग से करते हैं. प्रेमचंद के पात्र सहज ही पाठक से जुड़ जाते हैं. यही कारण है कि गोदान का होरी, नमक का दारोगा का वंशीधर, गबन का रमानाथ, पूस की रात का हल्कू, कफन का घीसू, ईदगाह का हामिद, सेवासदन की सुमन, निर्मला की निर्मला आदि पात्र काल्पनिक नहीं वास्तविक लगते हैं. इनमें हामिद का पात्र मुझे विशेष रूप से पसंद है. प्रेमचंद्र ने हामिद के जरिए बड़ी कुशलता के साथ बाल्यावस्था की निर्मल, सहज भावनाओं को उकेरा है. हामिद के चरित्र में भोलेपन और परिपक्वता का अद्भुत समन्वय है. हामिद पाठकों की चेतना को झकझोड़ता है और पाठक सहज ही उसके साथ भाव यात्रा करने लगते हैं.

हिंदी में बाल मनोविज्ञान से संबंधित बहुत कम लिखी गई हैं. 'ईदगाह' प्रेमचंद्र की बाल मनोविज्ञान संबंधित उत्कृष्ट रचना है. हामिद इस कथा का नायक है. अन्य बालकों की तरह भोला और सरल तो है, पर उसकी बुद्धि की परिपक्वता विलक्षण है. ईद के मेले में अपने दोस्तों की तरह खिलौना या मिठाई खरीदने की बजाय, दादी के लिए चिमटा खरीदता है जिससे उसकी दादी अमीना रोटी बना सके और उसका हाथ न जले.

चरित्र-चित्रण की दृष्टि से ईदगाह एक श्रेष्ठ कहानी है. यह हामिद और दादी अमीना के भावनात्मक लगाव एवं सरोकार की कहानी है. इसमें हामिद के मनोभावों और परिस्थितियों का सूक्ष्म चित्रण किया गया है. हामिद की सोच, उसकी भावनाएं उसे विशिष्ट बनाती हैं. एक छोटा सा बालक विषम परिस्थितियों में समय से पहले परिपक्व हो जाता है. हामिद का अपनी दादी के प्रति सम्मान है, फिक्र है. वह ईद की खुशी अपनी दादी के साथ बांटना चाहता है और मेले में वह अपनी इच्छा पर संयम रखने में विजयी होता है. हामिद का कार्य कहानी को विशिष्ट कहानी बनाता है और एक आदर्श रचता है. उसके चरित्र में दया, करुणा, सेवा भाव, संवेदनशीलता और परिपक्वता का समावेश है. हामिद का चरित्र कहीं से भी बनावटी या काल्पनिक नहीं लगता. हर बच्चे में हामिद की तरह ही विवेक होना चाहिए ताकि वे हर एक काम के गुण-दोष को देख सकें.

बाजारवाद के खिलाफ खड़ा है प्रेमचंद का हामिद

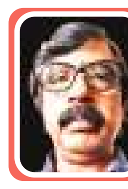

अनुराग अन्वेषी
रांची

प्रेमचंद की कहानी ईदगाह में खूब सजे हुए बाजार हैं. मोहसिन, नूरे, सम्मी, महमूद जैसे बाल चरित्रों को यह बाजार लुभा रहा है, हर बच्चा उत्साहित है. ये बच्चे सारा कुछ खरीद लेना चाहते हैं. तो प्रेमचंद ने अपनी कहानी में जो बाजार रचा, आज के दौर में उस बाजार का रूप बहुत विकराल नजर आ रहा है. खाने-पीने से लेकर टेक्नोलॉजी तक, खेल से लेकर एजुकेशन तक के बाजार बन चुके हैं. और ये सारा कुछ बस एक क्लिक में आपके घर पहुंचने को तैयार है. संभव है प्रेमचंद ने बाजारवाद के इस विकराल रूप को अपने दौर में ही ताड़ लिया हो. इसलिए उन्होंने हामिद जैसे करेक्टर को रचा. हामिद मेरे लिए बहुत महत्त्वपूर्ण चरित्र है. यह बच्चा हर तरह से संवेदनशील है, चीजों की समझ है, उसमें रिश्तों की ऊष्मा है. और सबसे बड़ी बात कि वह बाजार के झांसे से दूर है.

मेरे लिए प्रेमचंद की ईदगाह का हामिद इस बाजारवाद के खिलाफ खड़ा चरित्र है. उसे बाजार की मिठाइयां नहीं लुभातीं, उसे खिलौनों से प्रेम तो है पर वह उसे इस हद तक परेशान नहीं कर पाते कि वह उन्हें खरीदने के लिए उतावला हो जाए. बल्कि वह थीर मन से घर की जरूरतों के बारे में सोचता है और अंततः खरीदता है लोहे का एक चिमटा. इतना ही नहीं वह बहस में अपने साथियों को उनके खिलौने और मिठाइयों की क्षणभंगुरता समझाता है और चिमटे के दीर्घकालिक इस्तेमाल से परास्त करता है. काश कि आज के बच्चे हामिद का और रिफाइंड रूप होते.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

पेरिस ओलंपिक 2024 पदक तालिका

देश	गोल्ड	सिल्वर	कांस्य	कुल
1. चीन	6	5	2	13
2. जापान	6	2	4	12
3. द. कोरिया	5	3	2	10
4. ऑस्ट्रेलिया	5	4	0	9
23. भारत	0	0	2	2

ब्रीफ खबरें

अमित पंघाल को मिली पहले मैच में हार

पेरिस। भारत के अनुभवी मुक्केबाज अमित पंघाल मंगलवार को यहां पेरिस ओलंपिक मुक्केबाजी स्पर्धा में 51 किग्रा वर्ग के राउंड 16 में अफ्रीकी खेलों के चैंपियन जाम्बिया के पैट्रिक चिन्येम्बा से 1-4 से हारकर बाहर गये. अमित पंघाल पुरुषों के 51 किग्रा राउंड ऑफ 16 बाउट में जाम्बिया के पैट्रिक चिनयेम्बा से 1-4 से हार गए. उनको अपने पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा। अमित पंघाल अच्छी शुरुआत नहीं कर पाए थे. उनको पहले राउंड में ही हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद वह कमबैक नहीं कर पाए.

मोहसिन एसीसी के अध्यक्ष बनने को तैयार

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के निवर्तमान अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की 'रोटेशन' नीति के अंतर्गत इस साल के अंत में इसके अगले अध्यक्ष बनने को तैयार हैं. हाल में एसीसी की बैठक में अध्यक्ष पद के मामले पर चर्चा की गई थी जिसमें नकवी अगले प्रमुख बनने की दौड़ में हैं. एक सूत्र ने कहा, 'जब एसीसी इस साल के अंत में बैठक करेगी तो यह पुष्टि करेगी कि नकवी दो साल के कार्यकाल के लिए अगले अध्यक्ष होंगे. ' भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह निवर्तमान एसीसी अध्यक्ष हैं और एक साल का विस्तार मिला था.

पुरुष ओलंपिक ट्रायथलॉन स्थगित

पेरिस। सीन नदी में पानी की गुणवत्ता की चिताओं के कारण मंगलवार को होने वाली पुरुष ओलंपिक ट्रायथलॉन को स्थगित कर दिया गया है. सीन नदी पर इस खेल की तैराकी स्पर्धा का आयोजन किया जाना है.
आयोजकों ने कहा कि वे पुरुषों की ट्रायथलॉन को बुधवार को आयोजित करने का प्रयास करेंगे. महिलाओं की प्रतियोगिता भी बुधवार को निर्धारित है, लेकिन इन दोनों का आयोजन पानी की गुणवत्ता पर निर्भर करेगा.मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार, बुधवार और गुरुवार की शाम को तूफान आ सकता है जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है.

ओलंपिक में सात माह की गर्भवती ले रही हिस्सा

पेरिस। मिस्र की तलवारबाज नदा हाफेज ने पेरिस ओलंपिक की तलवारबाजी स्पर्धा में हिस्सा लेने के बाद खुलासा किया कि वह सात महीने गर्भवती हैं.सोमवार को महिलाओं की सेबर स्पर्धा में राउंड 16 में पहुंचने के कुछ घंटो बाद हाफेज ने अपने 'इंस्टाग्राम' पर पोस्ट किया कि 'उनके गर्भ में एक लिटिल ओलंपियन' पल रहा है.कैरो की 26 साल की तलवारबाज ने अमेरिका की एलिजाबेथ टार्टाकोवस्की को हराकर उलटफेर किया लेकिन इसके बाद कोरिया की जियोन हेयंग से हार गईं. हाफेज ने लिखा, 'मेरे बच्चे और मैंने अपनी चुनौतियों का सामना किया, भले ही ये शारीरिक और भावनात्मक हों.

एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली बनी पहली भारतीय

मनु भाकर ने रचा इतिहास

एजेंसी। शेटराउ

- सरबजोत के साथ भारत को दिलाया दूसरा कांस्य
- 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में दक्षिण कोरिया को हराया

आत्मविश्वास से भरी मनु भाकर ने स्वतंत्रता के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया जिन्होंने सरबजोत सिंह के साथ पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में दक्षिण कोरिया को हराकर कांस्य पदक जीता .
भारतीय जोड़ी ने कोरिया के ली वोन्हो और ओ ये जिन को 16 . 10 से हराकर देश को इस ओलंपिक में दूसरा पदक दिलाया . इससे पहले मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य जीता था . तोक्यो ओलंपिक में मनु पिस्टल में खराबी आने के कारण फाइनल के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी थी लेकिन यहां दो पदक जीतकर उन्होंने हर जख्म पर मरहम लगा दिया . ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 ओलंपिक में 200 मीटर फर्राटा और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीते थे लेकिन वह उपलब्धि आजादी से पहले की थी .
मनु को अभी 25 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भी उतरना है और उनके पास तीसरा पदक जीतने का भी मौका है. सरबजोत 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत वर्ग में क्वालीफिकेशन में 577 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहे थे और फाइनल में जगह नहीं बना सके थे .मनु और सरबजोत ने क्वालीफिकेशन दौर में 580 स्कोर करके कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई थी . मनु ने जीत के बाद कहा ,' मैं बहुत ही गर्व महसूस कर रही हूं . सभी को शुभकामनाओं के लिये धन्यवाद .' उन्होंने कहा ,' हम विरोधी टीम के प्रदर्शन पर नियंत्रण नहीं कर सकते लेकिन अपना प्रदर्शन तो अपने साथ में है . मैने और मेरे जोड़ीदार ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके अंत तक जुझारूपन नहीं छोड़ा .' तोक्यो में मनु और सौरभ चौधरी इस स्पर्धा के फाइनल में क्वालीफाई नहीं कर सके थे और सातवें स्थान पर रहे थे .
अंबाला के निशानेबाज सरबजोत पर व्यक्तिगत वर्ग में नाकाम रहने के बाद अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव था . उन्होंने कहा ,' मुझे अच्छा लग रहा है. मुकाबला काफी कठिन था और काफी दबाव था .' भारत की शुरूआत खराब रही जब सरबजोत का पहला शॉट 8 . 6 रहा लेकिन मनु ने 10 . 2 बनाया . कोरियाई जोड़ी ने कुल 20 . 5 स्कोर करके 2 . 0 की बढत बना ली . मिश्रित टीम वर्ग में पहले 16 अंक तक पहुंचने वाली टीम विजयी रहती है . पहला सेट हारने के बाद मनु ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए सिर्फ तीन बार 10 से कम स्कोर किया . इसके बाद से कोरियाई टीम के लिये वापसी करना मुश्किल हो गया था . मनु अब दो अगस्त को 25 मीटर महिला पिस्टल क्वालीफिकेशन के लिय उतरेंगी . उन्होंने 2023 विश्व चैम्पियनशिप और 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों में इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था .बाईस वर्ष की मनु नौ विश्व कप स्वर्ण पदक भी जीत चुकी है. वहीं सरबजोत भी विश्व चैम्पियनशिप, विश्व कप और एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता है .

टेबल टेनिस: मनिका राउंड 16 में पहुंची, रचा इतिहास

- मनिका ने फ्रांस की प्रीथिका को 4-0 से हराया

पेरिस। मनिका बत्रा का पेरिस ओलंपिक में दमदार प्रदर्शन जारी है. भारतीय खिलाड़ी ने फ्रांस की प्रीथिका पावड़े को लगातार चार गेमों में हराकर महिला एकल के राउंड 16 में अपनी जगह पक्की कर ली. बत्रा ने 11-9, 11-6, 11-9, 11-7 से राउंड 32 में पावड़े को हराया. अपनी इस जीत के साथ मनिका ओलंपिक में राउंड 16 के दौर में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं.टूर्नामेंट में 18वीं वरीयता प्राप्त और विश्व में 28वें स्थान पर काबिज 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन मनिका ने इससे पहले पेरिस ओलंपिक में विश्व की 103वें नंबर की खिलाड़ी ग्रेट ब्रिटेन की अन्ना हर्सी पर 11-8, 12-10, 11-9, 9-11, 11-5 अपनी पहली जीत हासिल की थी.मनिका को पहले गेम में बायें हाथ की खिलाड़ी के खिलाफ सामंजस्य बिठाने में परेशानी हुई और यह काफी करीबी मुकाबला रहा. मनिका ने अखिरी तीन अंक अपने नाम कर इसे 11-9 से जीता. दूसरे गेम की शुरुआत में भी मुकाबला काफी करीबी था, लेकिन 6-6 की बराबरी के बाद मनिका ने प्रीथिका को कोई मौका नहीं दिया और 11-6 से वह जीत गई.
भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम की लय तीसरे गेम में जारी रखते हुए पांच अंक की बढ़त बनाई, लेकिन प्रीथिका ने लगातार चार अंक हासिल कर स्कोर को 9-10 कर दिया. प्रीथिका दबाव में गेंद को नेट पर खेल गई और मनिका ने 11-9 से इस गेम को जीत लिया. मनिका ने चौके गेम में 6-2 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत को 10-4 में बदल कर छह मैच प्वाइंट हासिल किए.

नौकायन खिलाड़ी बलराज फाइनल में पांचवें स्थान पर

एजेंसी। पेरिस

पेरिस ओलंपिक में नौकायन में भारत के एकमात्र प्रतिनिधि बलराज पंवार पुरूषों की एकल स्कल में अपनी हीट रेस में पांचवें स्थान पर रहे और अब 13वें से 24वें स्थान के लिये खेलेंगे . 25 वर्ष के पंवार ने क्वार्टर फाइनल में चौथी हीट में सात मिनट और 5 . 10 सेकंड का समय निकाला . वह सेमीफाइनल सी . डी में खिसक गए जिसके मायने हैं कि ये खिलाड़ी 13वें से 24वें स्थान के लिये उतरेंगे . पंवार रेपेचेज दौर की रेस में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे . वह शनिवार को पहले दौर की हीट रेस में चौथे स्थान पर रहकर रेपेचेज में पहुंचे थे . चार क्वार्टर फाइनल हीट में शीर्ष तीन पर रहने वाले खिलाड़ी सेमीफाइनल ए . बी में पहुंचे जो पदक के लिये मुकाबला करेंगे .

ऑलेक्ज़ेंडर उसिक यूक्रेनी खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए पेरिस पहुंचे

एजेंसी। पेरिस

विश्व हैवीवेट मुक्केबाजी चैंपियन ऑलेक्ज़ेंडर उसिक युद्ध की विभीषिका झेल रहे यूक्रेन के खिलाड़ियों का समर्थन करने के लिए पेरिस आए हैं. उसिक ने सोमवार को पेरिस में यूक्रेनी हाउस का दौरा किया और वहां से उन्होंने तलवारबाजी प्रतियोगिता देखी जिसमें यूक्रेन की ओल्गा खारलान ने महिलाओं की व्यक्तिगत साबर में कांस्य पदक जीता, जो वर्तमान ओलंपिक खेलों में यूक्रेन का पहला पदक है. यूक्रेन की तलवारबाज के पदक जीतने के बाद उसिक ने एसोसिएटेड प्रेस से कहा, 'मेरी व्यक्तिगत इच्छा थी और शायद मैं जानता था कि ओल्गा उन उन खिलाड़ियों में शामिल है जो यूक्रेन के लिए पदक जीत सकती है.' उसिक ने उम्मीद जताई कि इन खेलों के आगे बढ़ने के साथ यूक्रेन के खिलाड़ी अधिक पदक जीतेंगे. उन्होंने इसके साथ ही कहा कि युद्ध की मार झेल रहे यूक्रेन की ओलंपिक में उपस्थिति बेहद महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा, 'हमारा देश युद्ध की मार झेल रहा है लेकिन इसके बावजूद हमारे खिलाड़ी यहां पहुंचे. वे कई मोर्चों पर एक साथ लड़ रहे हैं. हम अपने उन सभी खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं जो यहां हमारे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं.'

जोकोविच ने मॉन्ट्रियल ओपन से नाम वापस लिया

मॉन्ट्रियल । नोवाक जोकोविच ने पेरिस ओलंपिक में राफेल नडाल पर जीत के बाद अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में खेले जाने वाले मॉन्ट्रियल ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया. जोकोविच ने ओलंपिक पुरुष एकल के दूसरे दौर में सोमवार को यहां नडाल को सीधे सेटों में हराया. जोकोविच की छह अगस्त से शुरू होने वाले नेशनल बैंक ओपन एटीपी मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता में भाग लेने की योजना थी लेकिन आयोजकों ने बताया कि उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है. सर्बिया के इस टेनिस खिलाड़ी ने रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं लेकिन वह अभी तक ओलंपिक स्वर्ण पदक नहीं जीत पाए हैं.मॉन्ट्रियल ओपन में उनके स्थान पर रोमन सैफुलिन को मुख्य ड्रॉ में जगह दी गई है.

सात्विक और चिराग की जोड़ी ग्रुप सी में शीर्ष पर

ओलंपिक बैडमिंटन

एजेंसी। पेरिस

एशियाई खेलों की चैंपियन और पदक की दावेदार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी ने मंगलवार को यहां पेरिस ओलंपिक की बैडमिंटन पुरुष युगल स्पर्धा में मुहम्मद रियान अर्दिआंतो और फजर अल्फियान की इंडोनेशिया की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर ग्रुप सी में शीर्ष स्थान हासिल किया.दुनिया की पांचवें नंबर की सात्विक और चिराग की भारतीय जोड़ी ने अर्दियांतो और अल्फियान की दुनिया की सातवें नंबर की जोड़ी को 40 मिनट में 21-13, 21-13 से हराया. ये दोनों जोड़ियां पहले ही अंतिम आठ में जगह बना चुकीं थी और इस मुकाबले से ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला हुआ. भारतीय जोड़ी ने ग्रुप में अपने सभी मैच जीते. अर्दियांतो और अल्फियान के खिलाफ छह मैचों में सात्विक और चिराग की यह चौथी जीत है. सात्विक और चिराग की जोड़ी ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल टीम है. खेल की वैश्विक संचालन संस्थान बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा है कि पुरुष युगल के नॉकआउट दौर के लिए ड्रॉ बुधवार को होगा. भारत और इंडोनेशिया की जोड़ी के बीच शुरुआत से ही प्रत्येक अंक के लिए कड़ी टक्कर देखने को मिली लेकिन सात्विक और चिराग की जोड़ी पूरे मुकाबले के दौरान एक बार भी नहीं पिछड़ी. दोनों जोड़ियों ने तेज खेल दिखाया जिससे शुरुआत में अधिक रैली नहीं दिखीं.

भारत ने आयरलैंड को 2-0 से हराया

एजेंसी। पेरिस

हरमनप्रीत सिंह ने दागे दो गोल

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक खेलों के पूल बी मुकाबले में आयरलैंड को 2-0 से हराया. भारत ने इस तरह पेरिस खेलों में अजेय अभियान जारी रखा है. भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल दागे और टीम को बढ़त दिलाई जो अंत तक बरकरार रही. हरमनप्रीत ने सबसे पहले 11वें मिनट में पेनाल्टी स्ट्रोक पर गोल किया. फिर दूसरे क्वार्टर में 19वें मिनट में मैदानी गोल दागकर टीम की बढ़त दोगुनी कर दी. भारत ने इससे पहले न्यूजीलैंड को हराया था, जबकि रियो ओलंपिक चैंपियन अर्जेंटीना के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला था.
भारत ने तीसरा क्वार्टर समाप्त होने के बाद आयरलैंड पर 2-0 की बढ़त बनाए रखी है. अब अंतिम 15 मिनट का खेल शेष है. भारत की नजरें जहां इस बढ़त को बनाए रखने की होगी, जबकि आयरलैंड की टीम वापसी करना चाहेगी.भारतीय टीम ने दूसरा क्वार्टर समाप्त होने के बाद आयरलैंड पर 2-0 की बढ़त बनाए हुई है. भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दोनों गोल किए. स्ट्रोक को गोल में बदला, जबकि दूसरे क्वार्टर में मैदानी गोल के जरिए भारत की बढ़त दोगुना कर दी. कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए मैदानी गोल के जरिए गोल दागा. भारत ने इस तरह दूसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत ने 19वें मिनट में गोल कर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया है. पहला क्वार्टर खत्म होने के बाद भारतीय हॉकी टीम ने आयरलैंड के खिलाफ बढ़त बना ली है. कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पहले क्वार्टर में पेनाल्टी स्ट्रोक पर गोल दाग टीम को हरमनप्रीत सिंह ने पहले ही क्वार्टर में गोल कर भारत को आयरलैंड के खिलाफ शुरुआत बढ़त दिला दी है. हरमनप्रीत ने पेनाल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलने में कोई भूल नहीं की. कप्तान के इस प्रयास से भारतीय टीम ने 1-0 की बढ़त बना ली है.

ओलंपिक तीरंदाजी

भजन अंतिम 32 में पहुंची

पेरिस । भारतीय तीरंदाज भजन कौर ने ओलंपिक के महिला एकल वर्ग में मंगलवार को यहां इंडोनेशिया की साइफा नूरफीफा कमाल को 7-3 से शिकस्त दी जबकि अंकिता भकत को पोलैंड की वियोलेटा मैसजोर से 4-6 हार का सामना करना पड़ा. भजन ने शुरुआती सेट में साइफा के साथ अंक साझा किये जबकि इंडोनेशिया की तीरंदाज ने दूसरे सेट को जीतकर भारतीय खिलाड़ी पर दबाव बना दिया. क्वालीफिकेशन में 22वें स्थान पर रहने वाली भजन ने इसके बाद दबाव में शानदार खेल दिखाया.उन्होंने तीसरे सेट में अच्छी वापसी करते हुए 10-10 के दो निशाने के साथ 29 का स्कोर किया.भजन ने चौथे सेट में साइफा के 25 के मुकाबले 27 अंक जुटाकर 5-3 की बढ़त बनायी और फिर आखिरी सेट में 25 के मुकाबले 28 अंक बनाकर जीत पक्की कर ली.इससे पहले अंकिता पोलैंड की खिलाड़ी के खिलाफ बढ़त लेने बाद लय गंवा बैठी. पहला सेट गंवाने के बाद अंकिता ने दूसरे और तीसरे सेट को जीत कर अच्छी वापसी की थी लेकिन पोलैंड की निशानेबाज ने आखिरी दो सेट में शानदार एकाग्रता दिखाते हुए जीत दर्ज की.

सफलता रोलां गैरां में दर्शक का राफा राफा का शोर, चेयर अंपायर ने शांत कराया

पेरिस ओलंपिक में दिख रही है दर्शकों की भारी उपस्थिति

एजेंसी। पेरिस

रफेल नडाल ने सोमवार को जैसे ही नोवाक जोकोविच के खिलाफ मैच खेलने के लिए रोलां गैरां में प्रवेश किया दर्शक राफा राफा चिल्लाने लगे. शोर इतना ज्यादा था कि चेयर अंपायर को दर्शकों को खेल के दौरान शांत रहने के लिए कहना पड़ा. पेरिस ओलंपिक और पिछले दो ओलंपिक खेलों में जो सबसे बड़ा अंतर है वह है दर्शकों की उपस्थिति और उनका शोर. जूडो से लेकर तरणताल तक और जिमनास्टिक से लेकर सर्फिंग तक हर जगह है दर्शक अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं. उनके शोर ने मानो ओलंपिक खेलों में नई जान भर दी है.कोविड-19 महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक खेलों को एक वर्ष के लिए स्थगित कर दिया गया था और 2021 में उनका आयोजन दर्शकों के बिना किया गया. इसके बाद बीजिंग में 2022 में खेले गए शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भी यही स्थिति थी. इस तरह से पेरिस ओलंपिक महामारी के बाद पहले ऐसे ओलंपिक खेल हैं जिनमें दर्शकों को आने की अनुमति मिली है. अपनी 14 वर्षीय बेटी एली को तैराकी करते हुए देखने के लिए ऑस्ट्रेलिया से 23 घंटे की उड़ान और दक्षिण कोरिया में एक रात बिताने के बाद यहां पहुंचे जोडी लिन्से ने कहा,''यह हमारे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण यात्रा है.' पिछले ओलंपिक खेलों में खिलाड़ियों के परिजनों को आने की अनुमति नहीं थी. इन खेलों में खिलाड़ियों को भी दर्शकों की भारी कमी महसूस हुई थी.

खास बातें

- रफेल नडाल के प्रवेश करते ही दर्शकों के शोर से गूंजा
- जूडो से लेकर जिमनास्टिक व तैराकी तक दर्शकों की भीड़

ब्रिटेन की किम्बरली वुड्स ने पेरिस में महिलाओं की कयाक एकल स्लैम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने के बाद कहा,''मैं ऐसी खिलाड़ी हूं जिसे दर्शकों के शोर के बीच अच्छा प्रदर्शन करने की आदत है. तोक्यो में इसकी बड़ी कमी खली और तब मुझे संघर्ष करना पड़ा था. यहां दर्शकों ने वास्तव में मुझे प्रेरित किया.
'जोकोविच और नडाल के बीच सोमवार को खेले गए मैच को देखने के लिए दर्शक काफी पहले से कतार लगाए हुए खड़े थे. भीड़ इतनी बढ़ गई थी कि मीडिया के लिए आरक्षित जगह में भी दर्शक घुस गए थे. नडाल इस मैच में हार गए थे लेकिन उन्होंने बाद में कहा कि दर्शकों ने उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया यहां फ्रेंच ओपन में रिकॉर्ड 14 बार के चैंपियन नडाल ने कहा,''जब भी मैं यहां खेलता हूं तो मुझे लगता है मैं घर में खेल रहा हूं. यह स्थान मेरे लिए बेहद खास है. मैं दर्शकों के समर्थन का पूरा आनंद लेता हूं.

पेरिस ओलंपिक पर बारिश के बाद अब लू का खतरा

एजेंसी। पेरिस

पेरिस ओलंपिक की शुरुआत उद्घाटन समारोह में बारिश के साथ हुई थी जिसने दर्शकों के साथ खिलाड़ियों को भी तर कर दिया था, लेकिन अब यहां लू का खतरा मंडराने लगा है. मंगलवार को यहां तेज गर्मी महसूस की गई और राष्ट्रीय मौसम एजेंसी ने कहा कि फ्रांस के अधिकांश हिस्से में लू की चेतावनी जारी की गई है तथा पेरिस और आसपास के इलाकों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक तक पहुंचने की संभावना है.फ्रांस के दक्षिणी हिस्से में गर्मी अधिक कहर बरपा सकती है. इसमें भूमध्य सागर का तटीय शहर मार्सिले भी शामिल है, जो फुटबॉल और नौकायन जैसी ओलंपिक प्रतियोगिताओं की मेजबानी कर रहा है. सोमवार को दक्षिणी फ्रांस के कुछ हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक था. मंगलवार को इसमें और बढ़ोतरी होने की संभावना है .बारिश के कारण खेलों की खराब शुरुआत के बाद आयोजक अब खिलाड़ियों और दर्शकों को गर्मी से बचने के लिए आगाह कर रहे हैं. मौसम विभाग में इसके साथ ही अगले दो दिनों में यहां शाम को तूफान आने की भविष्यवाणी भी की है.

ब्रीफ खबरें

बच्चों के बीच विवाद में बुजुर्ग को मारी गोली

नालंदा । नालंदा में 10 दिन पूर्व बच्चों के बीच हुए विवाद में बदमाशों ने मंगलवार की सुबह घर के बुजुर्ग को गोली मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया. मामला चंडी थानाक्षेत्र के घोराहरी गांव का है. घायल की पहचान रमेश पासवान के रूप में हुई है. घायल रमेश ने बताया कि गांव के ही पासवान के बच्चों से उनके बच्चों का विवाद हुआ था. जख्मी हालत में उन्हें इलाज के लिए चण्डी रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया. जहां से बेहतर इलाज के लिए उन्हें बिहार शरीफ सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया.

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

वैशाली । वैशाली में हाजीपुर रेलवे स्टेशन के पास पैजेंसर ट्रेन से गिरकर एक रेल यात्री ट्रेन की चपेट में आ जाने के कट गया. जहां उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई. हालांकि घटना की सूचना मिलते ही हाजीपुर रेल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी. क्षत विक्षत शव के पास पड़ा मोबाइल भी पूरी तरह से टूट चुका था. टूटे मोबाइल से निकले सिम कार्ड को रेल पुलिस ने दूसरे फोन में लगाकर घटना की सूचना उसके परिजनों को दी. जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान सिवैसी गांव निवासी आफताब आलम के 20 वर्षीय पुत्र के तौर पर हुई है.

डकैतों ने व्यवसायी के घर में की लूटपाट

पूर्वी चंपारण । जिले के सुगौली थाना क्षेत्र में सोमवार की रात डकैतों ने एक कपड़ा व्यवसायी के घर में जमकर उत्पात मचाया. करीब 10 की संख्या में आये डकैतों ने घर में घुसकर लूटपाट की. साथ ही तीन लोगों पर चाकू से वार कर घायल कर दिया. हालांकि, एक डकैत को घर वालों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है. घटना सुगौली के सरगम सिनेमा रोड में रेडीमेड कपड़ा व्यवसायी ओमप्रकाश बरनवाल के घर पर हुई है. पीड़ित व्यवसायी के परिजनों ने बताया कि रात में दो बजे के करीब 10 की संख्या में डकैत बांस के सहारे घर में घुसे.

आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने मंगलवार को पटना में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया.

बिहार में भी अब हिंदी में होगी एमबीबीएस की पढ़ाई

संवाददाता ।पटना

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में हिन्दी में बैचलर ऑफ मेडिसीन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस) की पढ़ाई होती है. इसी तर्ज पर अब बिहार सरकार ने भी राज्य में हिन्दी माध्यम से एमबीबीएस की पढ़ाई कराने का फैसला लिया है. सरकार के इस फैसले से उन छात्रों को ज्यादा फायदा होगा, जिनकी मातृभाषा हिन्दी है. भागलपुर के जेएलएनएमसीएच समेत राज्य के मेडिकल कॉलेजों में इसकी तैयारी चल रही है.

पटना स्थित आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय से मेडिकल कॉलेज को पाठ्यक्रम और किताबें भेजी जाएंगी और छात्रों को हिंदी माध्यम से पढ़ाने के लिए शिक्षकों का भी चयन किया जाएगा. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में कराने का फैसला लिया है. इसके लिए सिलेबस और किताबें आर्यभट्ट नॉलेज यूनिवर्सिटी द्वारा तैयार किया जाएगा.

एमबीबीएस की पढ़ाई में इस बड़े बदलाव से उन छात्रों को पढ़ाई में सुविधा होगी, जिन्होंने हिन्दी माध्यम से स्कूली शिक्षा हासिल की है. क्योंकि, ऐसे छात्रों को अंग्रेजी में पढ़ाई करने में भारी परेशानी झेलनी पड़ती है. एमबीबीएस की पढ़ाई हिन्दी माध्यम से होने पर वो मेडिकल की पढ़ाई अच्छी तरह कर पाएंगे और ज्यादा अच्छे तरीके से किताबों को भी समझ पाएंगे. हिंदी में एमबीबीएस की किताबें खरीदने के लिए अधिकारिक रूप से निविदा भी जारी कर दिया गया है.

बेगूसराय का मामला : परिजनों में छाया मातम

गंगा स्नान के वक्त डूबे चार छात्र एक छात्र की डूबने से हुई मौत

- घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के शालीग्राम छपराप्ट्टी मुंगेर गंगा घाट की है.
- मृतक छात्र की पहचान मदन मोहन कुमार शर्मा के रूप में हुई है
- चार दोस्तों के साथ मुंगेर गंगा घाट पर गंगा स्नान करने के लिए गया था

संवाददाता ।बेगूसराय

छात्र को खोजते एनडीआरएफ की टीम

बेगूसराय में गंगा स्नान करने के दौरान चार छात्र डूब गए, जिनमें से तीन छात्रों को स्थानीय गोताखोर द्वारा किसी तरह बाहर निकाल कर जान बचा ली गई. जबकि एक छात्र को नहीं बचाया जा सका. मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया. घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के शालीग्राम छपराप्ट्टी मुंगेर गंगा घाट की है. मृतक छात्र की पहचान बलिया थाना क्षेत्र के छोटी बलिया ऊपर टोला निवासी उपेंद्र शर्मा के बेटे मदन मोहन कुमार शर्मा (18) के रूप में की गई है. जानकारी के मुताबिक, मदन मोहन कुमार शर्मा अपने चार दोस्तों के साथ मुंगेर गंगा घाट पर गंगा स्नान करने के लिए गया था. स्नान करने के दौरान गंगा नदी में चारों दोस्त डूबने लगे. इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने चारों दोस्तों को डूबते देखा. आनन-फानन में गोताखोर ने पानी में कूद कर तीन छात्रों को किसी तरह गंगा नदी के पानी से निकलकर जान बचा ली. लेकिन एक छात्र मदन मोहन कुमार शर्मा को नहीं बचा सके, जिससे उसकी डूबने से मौत हो गई. हालांकि इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने साहेबपुर कमाल थाना पुलिस को दी.

सूचना पर मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया. फिर आगे की कार्रवाई में जुट गई. जानकारी के अनुसार, मृतक मदन मोहन कुमार शर्मा दसवीं का छात्र था. इस संबंध में साहेबपुर कमाल थाना अध्यक्ष ने बताया कि गंगा स्नान करने के दौरान एक छात्र की डूब कर मौत हो गई है.

मां ने तालाब में लगाई छलांग, बचाने के लिए कूदे दो बेटे, तीनों की मौत

बांका । बांका थाना क्षेत्र के जनकपुर गांव के तालाब से मंगलवार को दो नाबालिग के साथ एक महिला का शव बरामद किया गया है. तालाब से तीन के शव मिलने की सूचना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है. मृतकों की पहचान जनकपुर निवासी संजय यादव की पत्नी मीना देवी (29 वर्ष) समेत उनके दो पुत्र अजीत कुमार (14 वर्ष) और बिट्टू कुमार (11 वर्ष) के रूप में हुई है. वहीं, पुलिस के अनुसार बच्चों ने मां को उसके प्रेमी के संग देख लिया था, जिसके बाद यह घटना हुई है. वहीं, इस मामले की उसके पति सहित अन्य परिवार वालों को कोई जानकारी नहीं है. बताया जा रहा है कि संजय यादव कोलकाता में रहकर कुछ काम करता है.

मुंबई से चोरी 10 लाख की घड़ियां बरामद

लुटेरों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही पुलिस

- मुंबई पुलिस ने शटर कटवा गिरोह के सक्रिय सदस्य मोबिन देवान को मुंबई में ही छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया था

संवाददाता ।मोतिहारी

मुंबई में शटर तोड़कर हुई 25 लाख की घड़ी चोरी मामले में मुंबई पुलिस ने मोतिहारी पुलिस की मदद से मोतिहारी के घोड़ासहन में छापामारी कर करीब 10 लाख की घड़ी बरामद की हैं. स्थानीय पुलिस के सहयोग से घोड़ासहन के हसन नगर में स्थित मोबिन देवान के घर में छापामारी कर उक्त चोरी की घड़ियां बरामद की गई हैं. उसके बाद मुंबई पुलिस बरामद हुई घड़ियों को अपने साथ ले गई. जानकारी के अनुसार, बीती 19 जुलाई की सुबह शटर कटवा गिरोह के बदमाशों ने एक घड़ी शोरूम का शटर तोड़ कर 25 लाख की महंगी घड़ियां चुरा ली थीं. उसके बाद मुंबई पुलिस ने शटर कटवा गिरोह के सक्रिय सदस्य मोबिन देवान को मुंबई में ही छापामारी कर गिरफ्तार कर लिया था. अब उसकी निशानदेही पर उसके घर में ही छापामारी कर उक्त घड़ियां बरामद की गई हैं. मुंबई पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी कर रही है.

गौरतलब है कि मोतिहारी के घोड़ासहन का शटर कटवा गिरोह पूरे देश में कुख्यात है. लगभग देश के कोने-कोने की पुलिस लगातार घोड़ासहन में किसी न किसी मामले को लेकर छापामारी करती रहती है. बता दें कि पिछले दो दिन पहले ही महाराष्ट्र पुलिस 53 लाख के आईफोन चोरी मामले में घोड़ासहन से एक शटर कटवा गिरोह के सक्रिय सदस्य को मोतिहारी पुलिस की मदद से गिरफ्तार कर अपने साथ मुंबई ले गई थी.

काजल हत्याकांड

अभियुक्त को आजीवन कारावास की सजा

भागलपुर । जिले के बबरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत मोगलपुरा में तीन साल पूर्व हुई बहुचर्चित गर्भवती काजल हत्याकांड मामले में न्यायालय ने मोगलपुरा की लेडी डॉन जेवा खान और उसके देवर इंतसार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. बीते 25 जुलाई को एडीजे-5 सुदेश कुमार श्रीवास्तव की अदालत में दोनों को दोषी करार दिया था.

शिक्षक अभ्यर्थियों को अब तीन की जगह पांच मौके मिलेंगे

पटना । बिहार लोक सेवा आयोग की ओर से ली जाने वाली चौथे चरण की शिक्षक भर्ती परीक्षा में बैठने के अवसर तीन की जगह अब पांच होंगे. दरअसल बीते 15 मार्च को शिक्षा विभाग की ओर से बिहार राज्य विद्यालय अध्यापक नियमावली 2023 में संशोधन कर अवसरों की संख्या पांच कर दी गई थी, लेकिन तीसरी बार ही शिक्षक नियुक्ति परीक्षा लेने के कारण किसी अभ्यर्थी को बढ़े हुए अवसर की जरूरत नहीं थी. ऐसे में अब चौथे चरण में होने वाली बहाली में यह नियम लागू होगा. वहीं सरकार ने 1.60 लाख शिक्षकों की नियुक्ति करने का निर्णय लिया है. जानकारी के अनुसार वर्तमान में करीब तीन लाख अभ्यर्थी ऐसे हैं जिन्होंने टीआरई-1, टीआरई-2 और टीआरई-3 में अपने तीनों अवसर का इस्तेमाल कर लिया है.

कारोबार

बंधन बैंक के शेयर में 13% से अधिक की तेजी

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र के बंधन बैंक के शेयर में 13 प्रतिशत से अधिक तेजी आई. कंपनी के अप्रैल-जून तिमाही में शुद्ध लाभ में 47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने की जानकारी देने के बाद उसके शेयर में तेजी आई. बीएसई पर शेयर 11.97% बढ़ कर 215.50 रुपये पर पहुंच गया. एनएसई पर यह 13.35 प्रतिशत चढ़कर 218.20 रुपये पर रहा. बंधन बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी का अप्रैल-जून तिमाही का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 47% बढ़कर 1,063 करोड़ रुपये हो गया.

एनबीसीसी को 411.45 करोड़ का मिला ठेका

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीसीसी की शाखा को महाराष्ट्र में एक नए मेडिकल कॉलेज और 430 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण के लिए 411.45 करोड़ रुपये का ठेका मिला है. एनबीसीसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एचएससीसी (इंडिया) लिमिटेड को हाल ही में बुलढाणा में 100 छात्र क्षमता वाले नए सरकारी मेडिकल कॉलेज और 430 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण का ठेका दिया गया है. यह ठेका उसे महाराष्ट्र सरकार के चिकित्सा शिक्षा और आयुष ने दिया है.

एलएंडटी की शाखा ने किया समझौता

नयी दिल्ली । इंजीनियरिंग एवं निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई ने मुंबई में एक रियल एस्टेट परियोजना के विकास के लिए वैलोर एस्टेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है. एलएंडटी परेल प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड रियल एस्टेट विकास व्यवसाय में है. एलएंडटी ने बीएसई को दी सूचना में कहा, एलएंडटी परेल प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड ने मुंबई में रियल एस्टेट परियोजना विकसित करने के लिए वैलोर एस्टेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं. लार्सन एंड टुब्रो 27 अरब अमेरिकी डॉलर की भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है.

देश में सोने का कुल आयात आठ फीसदी बढ़कर 196.9 टन रहा

भारत में सोने की मांग अप्रैल-जून तिमाही में 5% घटी : डब्ल्यूजीसी

- दूसरी तिमाही के दौरान 17 फीसदी बढ़कर 93,850 करोड़ रुपये हो गई

एजेंसी ।नई दिल्ली

भारत में सोने की मांग में गिरावट आई है. सोने की मांग में यह गिरावट कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि के कारण दर्ज हुई है. अप्रैल-जून तिमाही में सोने की मांग पांच फीसदी घटकर 149.7 टन रह गई है. हालांकि, इस दौरान देश में सोने का कुल आयात आठ फीसदी बढ़कर 196.9 टन रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 182.3 टन था. विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की ओर से मंगलवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-जून 2024 तिमाही में सोने की मांग घटकर 149.7 टन रह गई, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 158.1 टन थी. हालांकि, मूल्य के संदर्भ में सोने की मांग दूसरी तिमाही के दौरान 17 फीसदी बढ़कर 93,850 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 82,530 करोड़ रुपये रही थी.

रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल-जून तिमाही में सोने की कीमतें आसमान छू गईं, जिससे 24 कैरेट सोने के दाम रिकॉर्ड प्रति 10 ग्राम 74,000 रुपये को पार कर गई. अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में अप्रैल-जून तिमाही में सोने की औसत कीमत 2,338.2 अमेरिकी डॉलर रही, जबकि 2023 की इसी अवधि में यह 1,975.9 अमेरिकी डॉलर थी. वहीं, रुपये के संदर्भ में दूसरी तिमाही में सोने की औसत कीमत 62,700.5 रुपये रही, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 52,191.6 रुपये (आयात शुल्क और जीएसटी को छोड़कर) रही थी. दूसरी तिमाही 2024 सोना मांग रुझान' रिपोर्ट के मुताबिक सोने की वैश्विक मांग में वृद्धि दर्ज हुई है. अप्रैल-जून तिमाही में मांग 4.16 फीसदी बढ़कर 1,258.2 टन हो गई. रिपोर्ट के अनुसार 2023 की दूसरी तिमाही में सोना की कुल वैश्विक मांग 1,207.9 टन थी, जो 2024 में बढ़कर 1,258.2 टन हो गई.

डब्ल्यूजीसी के सीईओ सचिन जैन ने जारी बयान में कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में भारत की सोने की मांग में एक साल पहले की तुलना में 5 फीसदी की गिरावट आई है लेकिन आयात करों में कटौती के बाद स्थानीय कीमत में सुधार के कारण 2024 की दूसरी छमाही में खपत में सुधार होने की उम्मीद है.

अब टाटा मोटर्स है देश की सबसे बड़ी ऑटो कंपनी, मारुति सुजुकी को दी पटखनी

एजेंसी। नयी दिल्ली

टाटा मोटर्स ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए देश की दिग्गज कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी को पछाड़ दिया है. टाटा मोटर्स का मार्केट कैप 48 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है. उधर, मारुति सुजुकी का मार्केट कैप फिलहाल 47.6 अरब डॉलर ही है. इसके साथ ही टाटा मोटर्स मार्केट कैप के हिसाब से देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी बन गई है. इसके साथ ही टाटा ग्रुप की कार निर्माता कंपनी अब दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों की लिस्ट में 388वें नंबर पर आ गई है.

टेस्ला इंक: एलन मस्क के नेतृत्व वाली अमेरिकन कंपनी टेस्ला 704 अरब डॉलर का मार्केट कैप हासिल कर चुकी है. इस इलेक्ट्रिक वेहिकल निर्माता कंपनी का मार्केट कैप दूसरे नंबर पर मौजूद कंपनी से दोगुने से भी ज्यादा है.

टोयोटा मोटर कॉर्पोरेशन : जापान की टोयोटा का मार्केट कैप 299 अरब डॉलर आंका जाता है. इस साल कंपनी के शेयर लगभग 13 फीसदी ऊपर जा चुके हैं. कंपनी की कारें सारी दुनिया में पसंद की जाती हैं.

400 अरब डॉलर वाला पहला कारोबारी ग्रुप बना टाटा

इससे पहले शुक्रवार को टाटा ग्रुप ने अंबानी और अडानी को पीछे छोड़ते हुए 400 अरब डॉलर के पहले भारतीय कारोबारी ग्रुप बनने का गौरव हासिल किया था. मुकेश अंबानी का रिलायंस ग्रुप 277 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ दूसरे स्थान पर और गौतम अडाणी के नेतृत्व वाला अडाणी ग्रुप 206 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद है. हालांकि, अगर हम दुनिया की 10 सबसे बड़ी कार कंपनियों पर नजर डालें तो उनमें भारत की कोई भी कंपनी शामिल नहीं है. सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, टाटा मोटर्स का इस लिस्ट में 12वां स्थान है.

कोलगेट-पामोलिव को 248.74 करोड़ का टैक्स नोटिस

एजेंसी। नयी दिल्ली

आय कर विभाग ने कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड को ट्रांसफर प्राइसिंग से जुड़े मामले में 248.74 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस मिला है. एफएमसीजी कंपनी कोलगेट-पामोलिव इंडिया लिमिटेड (सीपीआईएल) के प्रमुख ने कहा कि अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष आदेश को चुनौती देंगे. यह कंपनी दांतों की देखभाल के क्षेत्र में काम करती है. वित्त वर्ष 2023-24 में सीपीआईएल की शुद्ध बिक्री 5,644 करोड़ रुपये थी. कंपनी की ओर से एक नियामक फाइलिंग के अनुसार, नोटिस 26 जुलाई को मिला. ट्रांसफर प्राइसिंग से संबंधित मुद्दों के लिए आयकर की मांग 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए है. सीपीआईएल ने कहा कि मांग राशि में 79.63 करोड़ रुपये की ब्याज राशि शामिल है. सीपीआईएल ने कहा कि इस आदेश के कारण कंपनी के वित्तीय संचालन या अन्य गतिविधियों पर प्रभाव नहीं पड़ेगा. यह मांग मुख्य रूप से स्थानांतरण मूल्य-संबंधी मुद्दों के कारण की गई है.

फर्जी दावे करना दंडनीय अपराध : आयकर विभाग ने कहा कि आयकर रिटर्न दाखिल करने वाले खर्चों के लिए फर्जी दावे न करें और न ही आय को कम बताएं या कटौतियों को बढ़ा-चढ़ाकर न बताएं क्योंकि ऐसा करना दंडनीय अपराध है.

पेट्रोल-डीजल स्थिर, कच्चा तेल 82 डॉलर के करीब

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है. ब्रेंट क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब है. सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल के मूल्य में कोई बदलाव नहीं किया है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये है.

आरबीआई रिपोर्ट | दुनियाभर में पिछले साल डेटा चोरी की औसतन लागत 4.45 मिलियन डॉलर रही

साल 2023 में डेटा चोरी के मामलों में बढ़ोतरी हुई

एजेंसी। नयी दिल्ली

एक तरफ सरकार साइबर सुरक्षा बढ़ाने में लगी है तो दूसरी ओर ठग हर हथकंडे अपनाकर ठगी को अंजाम देने में लगे हैं. कहीं पैसे तो कहीं डेटा ही चोरी कर रहे हैं. इस वजह से देश में डेटा चोरी के मामले बढ़ गए हैं. रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की हालिया रिपोर्ट में यह बात सामने आयी है. आरबीआई के मुताबिक साल 2023 में डेटा चोरी के मामलों में काफी बढ़ोतरी हुई है. रिपोर्ट में बताया गया है देश में फिशिंग के मामले काफी आम हैं. देश में पिछले साल करीब 22 फीसदी फिशिंग के मामले सामने आए हैं. वहीं इसके बाद चोरी या समझौते वाले मामले सामने आए हैं. यह करीब 16 फीसदी हैं. इस रिपोर्ट का नाम ''साल 2023-24 के लिए करेंसी और फाइनेंस'' है.

इस रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल डेटा चोरी की औसतन लागत साल 2020 के मुकाबले साल 2023 में 28% बढ़ गई है. यह लागत साल 2023 में औसतन 2.18 मिलियन डॉलर (करीब 18.25 करोड़ रुपये) थी. हालांकि रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि लागत में क्या शामिल है या इसे कौन वहन करता है. रिपोर्ट में कहा गया है कि कई इंडस्ट्री ऐसी हैं जिन पर साइबर अटैक का हमला ज्यादा हो सकता है यानी वे साइबर हमलों से निपटने के लिए असुरक्षित हैं. इसमें ऑटोमोटिव इंडस्ट्री ऐसी घटनाओं के लिए सबसे अधिक असुरक्षित है. वहीं रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर साइबर हमलों से निपटने में ज्यादा सुरक्षित हैं. रिपोर्ट के मुताबिक साइबर हमलों में तेजी ऐसे समय हुई है जब भारत ने डिजिटल अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है. यह वर्तमान में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 10 फीसदी है. इसके साल 2026 तक दोगुना होने की उम्मीद है. वहीं रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत इस समय रियल टाइम पेमेंट में सबसे आगे है. यह वैश्विक बाजार का 48.5% है.

रिपोर्ट में डेटा चोरी पर विस्तार से बताया गया है. आरबीआई के अनुसार दुनियाभर में पिछले साल डेटा चोरी की औसतन लागत 4.45 मिलियन डॉलर रही. यह पिछले 3 साल में 15 फीसदी ज्यादा है. रिजर्व बैंक का मानना है कि दुनियाभर में साइबर क्राइम साल 2028 तक 13.82 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का हो जाएगा. रिजर्व बैंक साइबर सिक्योरिटी को बढ़ावा देने के लिए काफी रकम खर्च कर रहा है. साथ ही नई-नई तकनीकों का भी इस्तेमाल कर रहा है. रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकांश केंद्रीय बैंकों ने साइबर सिक्योरिटी में अपना बजट 5 फीसदी तक बढ़ाया है. कुछ समय पहले रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैंकों को साइबर सुरक्षा बढ़ाने पर ध्यान देने को कहा था.

नवी फिनसर्व ने जेपी मॉर्गन के साथ सौदा पूरा कर लिया

- नवी फिनसर्व, सचिन बंसल द्वारा संचालित एक गैर-बैंक वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी) है

एजेंसी ।नयी दिल्ली

नवी फिनसर्व ने जे पी मॉर्गन के साथ 3.8 करोड़ अमरीकी डॉलर (करीब 315 करोड़ रुपये) का व्यक्तिगत ऋण प्रतिभूतिकरण सौदा पूरा कर लिया है. सचिन बंसल द्वारा संचालित एनबीएफसी कंपनी ने एक बयान में कहा, 'पास-थ्रू सर्टिफिकेट' (पीटीसी) के रूप में संरचित लेनदेन को असुरक्षित व्यक्तिगत ऋणों के एक समूह द्वारा समर्थित किया जाएगा, जिसकी शुरुआत तथा सेवा नवी फिनसर्व द्वारा की जाएगी. नवी फिनसर्व, सचिन बंसल द्वारा संचालित एक गैर-बैंक वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी) है. पास थ्रू सर्टिफिकेट' एक ऐसा सर्टिफिकेट है जो निवेशक को कुछ निश्चित बंधक-समर्थित प्रतिभूतियों के बदले दिया जाता है जो जारीकर्ता के पास होती हैं. बयान में कहा गया, यह भारत में फिनटेक क्षेत्र में जे पी मॉर्गन का पहला 'पास-थ्रू सर्टिफिकेट' लेनदेन है. साथ ही यह भारत में पहला असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण समर्थित पीटीसी लेनदेन है. नवी फिनसर्व ने कहा कि कंपनी इस धन का इस्तेमाल अपने डिजिटल व्यक्तिगत ऋण कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए करेगा. भारत में डिजिटल ऋण देने में तेजी आ रही है और यह समग्र भारतीय फिनटेक बाजार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है.

वायनाड भूस्खलन : सेना, नौसेना व एनडीआरएफ की टीमों ने मलबे में फंसे सैकड़ों लोगों को बचाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया

बाल-बाल बचे पीड़ितों ने सुनाई अपनी दर्दभरी दास्तान

एजेंसी। वायनाड

केरल के वायनाड जिले में आए विनाशकारी भूस्खलन के कारण मलबे में फंसे लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी है हालांकि इस हादसे में बाल-बाल बचे लोग अपने बीते कुछ क्षणों को याद करते हुए सिहर उठते हैं. वायनाड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में एक बुजुर्ग दंपती ने आपदा के दौरान रात के अंधेरे में सुरक्षित बचने की अपनी हताश कोशिशों का जिक्र किया. उनका घर भूस्खलन में नष्ट हो गया. दंपती अपने क्षेत्र में कीचड़ भरा पानी बहता देख रात 11 बजे ही अपना घर छोड़कर भाग निकले थे. उन्होंने पास की एक पहाड़ी पर शरण लेने से पहले अपने पड़ोसियों को बचाने की कोशिश की थी लेकिन पड़ोसियों ने उनके साथ आने से इनकार कर दिया. बुजुर्ग व्यक्ति ने भावुक आवाज में कहा, "हमने उनसे (पड़ोसियों से) हमारे साथ आने का आग्रह किया था, लेकिन उन्होंने कहा कि वह देर रात एक बजे हमारे साथ आएंगे और वह कभी नहीं आए."

मेप्पाडी अस्पताल में भारी भीड़ : उन्होंने कहा कि वे सुबह तक पहाड़ी की चोटी पर इंतजार कर रहे थे और जब वे वापस आए, तो पूरा इलाका तबाह हो चुका था. एक अन्य महिला ने रोते हुए संवाददाताओं से कहा कि उसके रिश्तेदार ने उसे फोन किया और कहा कि वे अपने बच्चे को लेकर घर से भाग रहे हैं. महिला ने कहा कि उसने (रिश्तेदार) मुझे रात में फोन किया और कहा कि वे इस क्षेत्र से भागने की कोशिश कर रहे हैं. उनके साथ एक बच्चा था. उसके बाद से उनका फोन नहीं लगा. उस परिवार का अभी तक पता नहीं चल पाया है. मंगलवार को हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 93 हो गई है और सेना, नौसेना व एनडीआरएफ की टीमें मलबे में फंसे सैकड़ों लोगों को बचाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही हैं. मुंडक्कई के पास मेप्पाडी अस्पताल में घायलों, मृतकों और लापता दोस्तों व रिश्तेदारों की तलाश कर रहे लोगों की भीड लगी हुई है.

सोमवार तक अपने मनोरम दृश्यों के लिए मशहूर मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांवों की अब भूस्खलन की चपेट में आने के बाद तस्वीर बदल गई है और अन्य हिस्सों से उनका संपर्क टूट गया है. गांवों में तबाह हुए मकान, उफनती नदियां और उखड़े हुए पेड़ों के दृश्य दिखाई दिए. प्रेट्र

लोगों ने फोन पर रोते हुए मदद की गुहार लगायी

वायनाड जिले की ऊंचाई पर स्थित बस्तियों में मंगलवार को तड़के भूस्खलन से तबाह हुए मकानों और मलबे के ढेर के नीचे फंसे होने के बाद लोग लगातार फोन कर मदद की गुहार लगाते रहे. टेलीविजन चैनलों ने कई लोगों की फोन पर बातचीत प्रसारित की जिसमें वे रो रहे थे तथा खुद को बचाने का अनुरोध कर रहे थे क्योंकि वे या तो अपने घरों में फंस गए या पुलों के बह जाने तथा सड़कों के जलमग्न होने के कारण उनके पास वहां से निकलने का कोई रास्ता नहीं बचा है. ऐसी ही एक बातचीत में चूरलमाला शहर की निवासी एक महिला को जोर-जोर से रोते हुए यह कहते सुना गया कि उसके घर में कोई व्यक्ति मलबे में फंस गया है और उसे बाहर नहीं निकाला जा सका. महिला को यह कहते हुए सुना गया, 'कृपया कोई आए और हमारी मदद करे. हमने अपना घर खो दिया है. हमें नहीं पता कि नौशीन (स्पष्ट रूप से परिवार का कोई सदस्य) जीवित है या नहीं. वह दलदल में फंस गयी है. हमारा घर शहर में ही है.' चूरलमाला के एक और निवासी ने फोन पर बातचीत के दौरान कहा कि उनका मकान अब भी हिल रहा है और उन्हें नहीं पता कि क्या किया जाए. उसने कहा, 'धरती हिल रही है. इस जगह बड़ा शोर है. हमारे पास चूरलमाला से बाहर आने का कोई रास्ता नहीं बचा है.' एक अन्य व्यक्ति ने फोन पर सूचना दी कि मुंडक्कई में बड़ी संख्या में लोग मलबे में फंसे हैं और जिंदा रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. उसने कहा, 'अगर कोई मेप्पदी इलाके से वाहन से यहां आ सकता है तो हम सैकड़ों लोगों की जान बचा सकते हैं.' एक घायल बुजुर्ग ने एक टेलीविजन चैनल को बताया कि उनकी पत्नी लापता हैं और उन्हें नहीं मालूम कि वह कहां हैं. उन्होंने बताया, 'हम घर में सो रहे थे. अचानक एक तेज आवाज सुनाई दी और हमने बड़े-बड़े पत्थर तथा पेड़ों को हमारे मकान की छत पर गिरते हुए देखा. घर में बाढ़ का पानी घुस गया जिससे घर का दरवाजा टूट गया.' उन्होंने यह भी बताया कि किसी ने उन्हें बचाया और अस्पताल पहुंचाया लेकिन उनकी पत्नी का कुछ अता-पता नहीं है.

गांवों में बड़े पैमाने पर तबाही के निशान छोड़े भूस्खलन ने

वायनाड में ऊंचाई पर स्थित गांवों में मंगलवार को बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं के बाद तबाह हुए मकान, उफनती नदियां और उखड़े हुए पेड़ों के दृश्य दिखाई दिए. सोमवार तक अपने मनोरम दृश्यों के लिए मशहूर मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांवों की अब भूस्खलन की चपेट में आने के बाद तस्वीर बदल गई है और अन्य हिस्सों से उनका संपर्क टूट गया है. बाढ़ के पानी में बहे वाहनों को कई स्थानों पर पेड़ों की टहनियों में फंसे और यहां-वहां डूबे हुए देखा जा सकता है. उफनती नदियों ने अपना मार्ग बदल लिया है और वे रिहायशी इलाकों में बह रही हैं, जिससे और विनाश हो रहा है. पहाड़ियों से लुढ़कते बड़े-बड़े पत्थर बचावकर्मियों के रास्ते में बाधा पैदा कर रहे हैं. बचाव कार्यों में जुटे लोगों को भारी बारिश के बीच शवों और घायलों को एम्बुलेंस तक ले जाते हुए देखा जा सकता है. भूस्खलन की घटनाओं के कारण बड़े पैमाने पर पेड़ उखड़ गए हैं और बाढ़ के पानी ने हरे-भरे क्षेत्रों को नष्ट कर दिया है. अधिकारियों के मुताबिक, भूस्खलन प्रभावित इलाकों में मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांव शामिल हैं.

मौसम विभाग ने वायनाड और पड़ोसी जिलों के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया

तिरुवनंतपुरम। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन की चपेट में आए केरल के वायनाड जिले और पड़ोसी मलप्पुरम, कोझीकोड और कन्नूर जिलों के लिए मंगलवार को अत्यधिक भारी बारिश का 'रेड अलर्ट' जारी किया. आईएमडी ने वायनाड समेत चार जिलों के लिए 'रेड अलर्ट', जबकि तिरुवनंतपुरम और कोल्लम को छोड़कर राज्य के सभी अन्य जिलों के लिए मंगलवार को 'आॅरेंज अलर्ट' जारी किया है. 'रेड अलर्ट' 24 घंटे में 20 सेंटीमीटर से अधिक की भारी से अत्यधिक भारी बारिश की आशंका को दर्शाता है. 'ओरेंज अलर्ट' का मतलब 11 सेंटीमीटर से 20 सेंटीमीटर की बहुत भारी बारिश होता है तथा 'येलो अलर्ट' का मतलब छह सेंटीमीटर से 11 सेंटीमीटर के बीच बहुत भारी बारिश होता है. मंगलवार को पथनमथिट्टा, अलप्पुझा, कोट्टयम, एर्नाकुलम, इडुक्की, त्रिशूर, पलक्कड और कासरगोड जिलों के लिए 'आॅरेंज अलर्ट' जारी किया गया है. मौसम विभाग ने मलप्पुरम, कोझीकोड, वायनाड और कन्नूर जिलों के लिए बुधवार के लिए भी 'आॅरेंज अलर्ट' जारी किया है. राज्य सरकार ने मंगलवार को बताया कि भारी बारिश के बीच राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के कई दल, दो हेलीकॉप्टर और अन्य बचाव दल मुंडक्कई जा रहे हैं, जिसका वायनाड जिले में हुए विनाशकारी भूस्खलन के बाद अन्य हिस्सों से संपर्क पूरी तरह टूट गया है.

कुल्लू में बादल फटने से आई बाढ़ में बह गए पुल व छप्पर

- प्रशासन ने लोगों से नदियों एवं नालों से दूर रहने और अस्थायी ढांचे न बनाने की अपील की

एजेंसी। शिमला

हिमाचल प्रदेश में कुल्लू जिले के तोश नाला में बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में पैदल पार करने वाला एक पुल और तीन अस्थायी छप्पर बह गए. अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. कुल्लू के उपायुक्त तोरुल एस रवीश ने बताया कि यह घटना सुबह मणिकरण के तोश इलाके में हुई और इसमें किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं मिली है. उन्होंने बताया कि स्थिति का आकलन करने के लिए एक टीम घटनास्थल पर भेजी गई है. उन्होंने कहा, 'लोगों से हमारी अपील है कि वे नदियों एवं नालों से दूर रहें और नालों के पास अस्थायी ढांचे न बनाएं.' उपायुक्त ने कहा कि मानसून के दौरान निर्माण गतिविधि प्रतिबंधित है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी. मौसम विभाग ने बुधवार और बृहस्पतिवार को राज्य के सात जिलों में तेज हवाओं के साथ भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताते हुए 'आॅरेंज' अलर्ट जारी किया है. दो और तीन अगस्त को भी विभिन्न स्थानों पर भारी बारिश की संभावना जताते हुए 'येलो' अलर्ट जारी किया है.

अब तक 62 जानें गईं करोड़ों का नुकसान

विभाग ने कुल्लू, सोलन, सिरमौर, शिमला और किन्नौर जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन और अचानक बाढ़ की संभावना जताई है तथा निचले इलाकों में तेज हवाएं चलने एवं जलभराव के कारण बागानों और खड़ी फसलों, कमजोर संरचनाओं और कच्चे मकानों को नुकसान पहुंचने की चेतावनी भी दी है. इस बीच, राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हुई. मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, सोमवार शाम से शिमला, सराहन और रोहड़ू में 12 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि संगड़ाह (10 मिमी), जोगिंदर नगर (आठ मिमी), सैंज (6.5 मिमी), मनाली (छह मिमी), रामपुर (5.8 मिमी), धर्मशाला (5.4 मिमी) और गोहर (पांच मिमी) में भी बारिश दर्ज की गई.

ब्रीफ खबरें

सोमनाथ एक्सप्रेस ट्रेन में बम की धमकी

फिरोजपुर। जम्मू और राजस्थान के बीच चलने वाली सोमनाथ एक्सप्रेस में बम की सूचना मिलने के बाद, उसे मंगलवार को पंजाब के फिरोजपुर जिले में एक रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर ट्रेन में बम होने का दावा किया था. सभी यात्रियों को कासू बेगू रेलवे स्टेशन पर उतार लिया गया. सोमनाथ एक्सप्रेस जम्मू तवी व राजस्थान में भगत की कोठी के बीच चलती है.

अफगान राजनयिक मिशन सेवा खारिज

इस्लामाबाद। तालिबान ने कई अफगान राजनयिक मिशन को मंगलवार को अस्वीकृत करते हुए कहा कि वह अफगानिस्तान में पश्चिमी देशों द्वारा समर्थित पूर्व प्रशासन से जुड़े राजनयिकों की ओर से जारी पासपोर्ट, वीजा और अन्य दस्तावेजों को मान्यता नहीं देगा. विदेश मंत्रालय ने कहा कि लंदन, बर्लिन, बेल्जियम, बॉन, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, इटली, यूनान, पोलैंड, ऑस्ट्रेलिया, स्वीडन, कनाडा और नॉर्वे स्थित मिशन द्वारा जारी किए गए दस्तावेज अब मान्य नहीं हैं.

स्कूल में कसरत के दौरान 12 बच्चे बेहोश

एटा। उत्तर प्रदेश के एटा जिले में मंगलवार सुबह एक स्कूल में प्रार्थना के बाद कथित रूप से दो बार कसरत और योगासन के लिए मजबूर किए जाने के कारण 12 बच्चे बेहोश हो गए. उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. अधिकारियों ने बताया कि यह घटना एटा जिले के मलावन थाना क्षेत्र के हरचंदपुर में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में हुई. जिलाधिकारी के अनुसार, स्कूल में सुबह प्रार्थना के बाद कसरत करने के दौरान कुछ बच्चे बेहोश हो गए.

मादुरो को विजेता घोषित किए जाने के विरोध में प्रदर्शन शुरू

- **वेनेजुएला :** विपक्ष ने मादुरो के खिलाफ अपने प्रत्याशी की जीत का सबूत होने का दावा किया

एजेंसी। काराकस

वेनेजुएला में हजारों लोगों के प्रदर्शन के बीच विपक्ष के उम्मीदवार एडमुंडो गोंजालेज ने सोमवार को घोषणा की कि उनके प्रचार अभियान दल के पास जरूरत पड़ने पर यह दिखाने के लिए सबूत है कि उन्होंने देश का राष्ट्रपति पद का चुनाव जीता है, लेकिन चुनावी प्राधिकारियों ने उनके हिस्से की जीत राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को दे दी है. गोंजालेज और विपक्ष की नेता मारिया कोरिना मचाडो ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने रविवार को हुए चुनाव में 70 प्रतिशत से अधिक 'टैली शीट' प्राप्त की हैं, जो दिखाती हैं कि गोंजालेज को मादुरो से दोगुने से भी अधिक वोट मिले हैं. दोनों नेताओं ने मादुरो को विजेता घोषित किए जाने के बाद प्रदर्शन कर रहे लोगों से शांत रहने की अपील की है. इससे पहले, मादुरो की सत्तारूढ़ यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी ऑफ वेनेजुएला की वफादार माने जाने वाली राष्ट्रीय चुनाव परिषद ने मादुरो को आधिकारिक रूप से विजेता घोषित किया था. देश की राजधानी में ज्यादातर प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे लेकिन जब राष्ट्रीय पुलिस अधिकारियों ने लोगों को आगे बढ़ने से रोका तो बवाल शुरू हो गया. पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया.

निर्माणाधीन घर की छत गिरने से चार मजदूर मरे

जयपुर। राजस्थान के राजसमंद जिले में सोमवार देर रात एक निर्माणाधीन इमारत की छत गिरने से चार मजदूरों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए. राजसमंद के जिला अधिकारी डॉ. भंवर लाल ने बताया, 'खमनोर इलाके में मेघवाल समुदाय के एक सामुदायिक भवन का निर्माण किया जा रहा था. सोमवार देर रात 13 मजदूर वहां काम कर रहे थे कि इसी दौरान छत गिर गई.' लाल ने बताया कि 10 मजदूर छत के मलबे के नीचे दब गए, जिनमें से दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. उन्होंने बताया कि पांच घायलों को राजसमंद जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि एक अन्य को गंभीर हालत के कारण उदयपुर जिला अस्पताल ले जाया गया है.

राशन घोटाला : ईडी ने बंगाल में 10 जगहों पर मारी रेड

एजेंसी। कोलकाता

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाले की जांच के सिलसिले में मंगलवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में 10 अलग-अलग स्थानों पर एक साथ छापे मारे. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि एजेंसी के अधिकारियों ने केंद्रीय बलों के साथ मिलकर राजरहाट, बारासात, बशीरहाट, भांगर और देगंगा इलाकों में व्यापारियों एवं तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं के आवासों तथा मिल और कार्यालयों पर छापे मारे. एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'चावल और आटा मिल के साथ-साथ ऐसे व्यवसायियों के कार्यालयों पर भी छापेमारी की गई जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से घोटाले में शामिल हैं. देगंगा के तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं के मिल की तलाशी भी ली जा रही है.' उन्होंने बताया कि ईडी अधिकारियों ने उस तृणमूल कांग्रेस नेता के वाहन की भी तलाशी ली, जिसे राज्य के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक का करीबी माना जाता है. मलिक को घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है. सोना, कोयला और गौ तस्करी के मामलों में संलिप्त बशीरहाट में संग्रामपुर के एक अन्य व्यवसायी के परिसरों पर भी छापे मारे गए. अधिकारी ने कहा, 'इस व्यवसायी ने राशन वितरण घोटाले के साथ-साथ सोना और ईंट भट्टा कारोबार में भी भारी मात्रा में पैसा लगाया था.' इस व्यवसायी को 2014 में सोने की तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया गया था.

मवेशी तस्करी मामला : तृणमूल नेता अनुब्रत मंडल को जमानत

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मवेशी तस्करी मामले में गिरफ्तार तृणमूल कांग्रेस के नेता अनुब्रत मंडल को मंगलवार को जमानत दे दी. न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मंडल को इस आधार पर राहत दी कि मामले की सुनवाई में समय लगेगा और वह दो साल से जेल में हैं. हालांकि, तृणमूल नेता जेल में ही रहेंगे क्योंकि उन्हें नवंबर 2022 में इसी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी गिरफ्तार किया था. शीर्ष अदालत ने मंडल को जांच में सहयोग करने और पासपोर्ट जमा कराने का निर्देश दिया. मंडल की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने दलील दी कि तृणमूल नेता को 11 अगस्त 2022 को गिरफ्तार किया गया था और वह तब से जेल में हैं. मंडल को छोड़कर सभी आरोपी जेल से बाहर हैं और ये न्याय के मखौल जैसा है. रोहतगी ने आरोप लगाया कि उन्हें आरोपपत्र का अंग्रेजी संस्करण उपलब्ध नहीं कराया गया.

फैसला राजस्थान में शिक्षा विभाग के नए सत्र के लिए जारी कैलेंडर से शुरू हुई राजनीतिक बहस

5 अगस्त को 'स्वर्ण मुकुट मस्तक दिवस' मनाने का प्रस्ताव

एजेंसी। जयपुर

राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी स्कूलों के नए सत्र के लिए जारी शैक्षणिक कैलेंडर (शिविरा पंचांग) से राजनीतिक बहस शुरू हो गई है क्योंकि इसमें पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के उपलक्ष्य में 'स्वर्ण मुकुट मस्तक दिवस' मनाने का प्रस्ताव है. इसमें 28 मई को वीर सावरकर जयंती मनाए जाने की घोषणा भी की गई है. उल्लेखनीय है कि पांच अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया था. शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए कैलेंडर शिविरा पंचांग रविवार को जारी किया. इसमें चार फरवरी को सूर्य नमस्कार दिवस, सात फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती, 14 फरवरी को मदर्स डे-फादर्स डे और 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस दिवस के तौर पर शामिल किया गया है. कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने स्कूलों में, जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का जश्न मनाने के भाजपा सरकार के फैसले की आलोचना की.

खास बातें

- 28 मई को सावरकर जयंती मनाए जाने की घोषणा
- 23 जनवरी सुभाष चंद्र बोस दिवस के तौर पर मनेगा

कांग्रेस का विरोध, भाजपा ने किया फैसले का बचाव

उल्लेखनीय है कि 26 फरवरी को कार्यभार संभालने के बाद स्कूली शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सावरकर और महाराणा प्रताप जैसी हस्तियों के इतिहास में चित्रण की आलोचना की थी. उनका तर्क था कि पिछली कहानियों में मुगल बादशाह अकबर का गलत तरीके से महिमामंडन किया गया था. उन्होंने कहा था कि स्वतंत्रता संग्राम में सावरकर की भूमिका को इतिहास में गलत तरीके से लिखा गया है. कांग्रेस प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने नए कैलेंडर की निंदा करते हुए कहा कि यह शिक्षा का राजनीतिकरण करने और हिंदुत्व विचारधारा का प्रचार करने का प्रयास है. उन्होंने मंत्री के दृष्टिकोण की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें शिक्षा पर ध्यान नहीं दिया गया है और इसका उद्देश्य छात्रों को सावरकर के बारे में पढ़ाना है, जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ने के बजाय उनसे माफी मांगी थी. वहीं भाजपा के प्रवक्ता मुकेश पारीक ने कैलेंडर का बचाव करते हुए कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि भाजपा का इरादा छात्रों को सावरकर और महाराणा प्रताप जैसी हस्तियों के बारे में शिक्षित करना है क्योंकि वह मानती है कि इनकी कहानियां उन्हें प्रेरित करेंगी.

राजनीतिक हितों को साधने वाला कदम : कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि सरकार का यह कदम शैक्षिक के बजाय राजनीतिक हितों को साधने वाला है. डोटासरा ने कहा, 'कांग्रेस शिक्षा के इस राजनीतिकरण और राज्य सरकार द्वारा छात्रों पर अपनी विभाजनकारी विचारधारा थोपे जाने का विरोध करती है.' इससे पहले प्राथमिक विद्यालय शिक्षा विभाग ने नौ जुलाई को अपना वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित किया था जिसमें राम मंदिर के अभिषेक के उत्सव को शामिल किया गया था. माध्यमिक शिक्षा विभाग के कैलेंडर में दूसरे और चौथे शनिवार को 'नो बैग डे' जैसी पहल और स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और गांधी जयंती जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों का उत्सव मनाना भी शामिल है.

उप्र में अवैध धर्मांतरण कराने पर होगा आजीवन कारावास

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम, 2024 पारित हो गया. विधानसभा में मंगलवार को संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने सदस्यों से विधेयक को पारित करने का अनुरोध किया.

विधेयक के पक्ष में सदस्यों की संख्या अधिक होने पर अध्यक्ष ने इसके पारित कर दिये जाने की घोषणा की. इसके पहले कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा 'मोना' और सपा के कई सदस्यों ने इस विधेयक को प्रवर समिति को सौंपने का प्रस्ताव दिया, लेकिन प्रवर समिति को सौंपने के विरोध में सदस्यों की संख्या अधिक होने की वजह से यह प्रस्ताव गिर गया. इस संशोधित अधिनियम में छल-कपट या जबर्दस्ती कराये गये धर्मांतरण के मामलों में

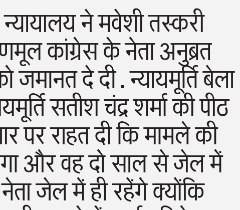

कानून को पहले से सख्त बनाते हुए अधिकतम आजीवन कारावास या पांच लाख रुपये के जुर्माने की सजा का प्रावधान किया गया है. संशोधित विधेयक में किसी महिला को धोखे से जाल में फंसाकर उसका धर्मांतरण करने, उससे अवैध तरीके से विवाह करने और उसका उत्पीड़न करने के दोषियों को अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है. पहले इसमें अधिकतम 10 साल की कैद का प्रावधान था. खन्ना ने सदन में पहले दिन सोमवार को उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम, 2024 को पुरःस्थापित किया था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)